जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

College Street A Beauty That ...

The world's largest book market, and Asia's largest second-hand book locality, Boi Para, (which translates to "Book Town" in Bengali)

The Forgotten Pioneer of Fibre Optics

The Rift That Changed Hindi Film Music

राहुल गांधी ने व्यापारियों का अनुरोध ठुकराया, महारैली 1 नवम्बर को होगी

कांग्रेस नेता ने लोकतंत्र की चिंता करने वाले सभी लोगों को रैली में पहुँचने की अपील की

■ **कांग्रेस अध्यक्ष ने सभी पार्टी सांसदों को 30 अक्टूबर से 1 नवम्बर तक दिल्ली में रहने के निर्देश दिए।**

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने छात्रों, किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और व्यापारियों से 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली "वोट बचाओ, देश बचाओ जन मार्च और महारैली" में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने छात्रों, किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और व्यापारियों सहित लोकतंत्र की चिंता करने वाले सभी लोगों से इस कार्यक्रम में पहुंचने को कहा है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची से लोगों के नाम हटाए जा रहे हैं और नियम-कानूनों का उल्लंघन हो रहा है। उन्होंने कहा कि वोट के अधिकार की रक्षा के लिए लोगों को एकजुट होकर आवाज उठानी चाहिए। हालांकि राहुल गांधी या कांग्रेस ने चेम्बर ऑफ ट्रेड एण्ड इंडस्ट्री (सी.टी.आई.) के उस पत्र का कोई जिक्र नहीं किया जिसमें उनसे रैली को आगे बढ़ाने की अपील की गई थी।

राहुल गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट के जरिए अपनी बात रखी और कहा, अब देश की जनता इसका जवाब देगी।

राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में भाजपा और उसके सहयोगी दलों पर भी निशाना साधा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि वह भाजपा और उसके सहयोगियों का दिल से धन्यवाद करते हैं, क्योंकि वे इस कार्यक्रम का जोर-शोर से प्रचार कर रहे हैं और इसे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचा रहे हैं।

दरअसल, चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी को पत्र लिखकर 1 नवंबर की रैली को स्थगित करने का अनुरोध किया गया था। नेता प्रतिपक्ष को लिखे पत्र में व्यापारियों ने राहुल गांधी से निवेदन किया था कि कांग्रेस इस रैली को त्योहारों तक के लिए टाल दे। लेकिन कांग्रेस ने उनके इस अनुरोध को नकार दिया और राहुल गांधी ने 1 नवंबर की रैली के लिए एलान कर दिया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी के सभी सांसदों से 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक दिल्ली में मौजूद रहने का आग्रह किया है। विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दलों ने चुनाव आयोग (ईसी) और मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) पर चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर सवाल उठाए हैं।

खड़गे ने पार्टी सांसदों से अपने संदेश में कहा है कि इन तीन दिनों के दौरान वोट चोरी के मुद्दे पर जारी विरोध प्रदर्शनों और चुनाव आयोग तथा मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा की गई कथित गड़बड़ियों के खुलासों को देखते हुए सभी सांसद दिल्ली में मौजूद रहें। पार्टी का यह निर्देश आगामी जन मार्च और मेगा रैली की तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

फ्रांस में लाखों प्रदर्शनकारी सड़क पर उतरे, एक हजार गिरफ्तार

■ **महंगाई के खिलाफ आंदोलन में कई जगह पुलिस ने आँसू गैस व वॉटर कैनन का उपयोग किया।**

पेरिस, 25 अक्टूबर। फ्रांस के अलग-अलग शहरों में शनिवार देर रात हुए विरोध प्रदर्शनों में लाखों लोग सड़कों पर उतरे जिसके बाद कई जगहों पर पुलिस से झड़पें भी हुईं। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान लगभग 1,000 लोगों को गिरफ़्तार किया गया।

पहले शांतिपूर्ण प्रदर्शन हुए थे, उस दौरान पुलिस ने पेरिस समेत कई शहरों में प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस और पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया था। मार्सेय में बैरिकेड्स में आग लगा दी गई और लोगों ने बोर्डो में एक दुकान में तोड़ फोड़ की। अधिकारियों ने दावा किया है कि पिछले सप्ताह में देखी गई व्यापक स्तर की हिंसा और लूटपाट से बचने में इस बार अबतक कामयाबी मिली है।

इन प्रदर्शनों के दौरान ऐसी तस्वीरें आईं जिन्हें फ्रांस में अबतक की सबसे ख़राब परिस्थितियां कहा जा रहा है।

गृह मंत्रालय ने कहा कि शनिवार को क़रीब चार लाख से ज़्यादा लोग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पूर्व मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ सरकार के प्रति जरुरत से ज्यादा नरम थे'

पूर्व न्यायाधीश कौल की पुस्तक में सुप्रीम कोर्ट के जजों की नियुक्ति से जुड़ी घटना का उल्लेख

■ **कौल ने कहा कि सरकार से सलाह लेने और नियुक्ति से पहले उसकी मंजूरी लेने में बड़ा अंतर है। कोलीजियम की औपचारिक चर्चा से पहले सरकार की सहमति लेना न्यायिक स्वतंत्रता के लिए चिंता का विषय है।**

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट में जजों की नियुक्ति और न्यायपालिका की स्वतंत्रता को लेकर पूर्व जजों के बीच मतभेद सामने आए हैं। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश संजय किशन कौल ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी. वाय. चंद्रचूड़ के काम करने के तरीके पर सवाल उठाए हैं। कौल का आरोप है कि जजों की नियुक्ति के मामले में चंद्रचूड़ सरकार के प्रति जरूरत से ज्यादा नरम थे। उन्होंने कहा कि कोलीजियम को सरकार के दबाव का विरोध करना चाहिए, ताकि न्यायपालिका की स्वतंत्रता बनी रहे।

पूर्व न्यायाधीश संजय किशन कौल ने अपनी आने वाली किताब "विदाउट फियर ऑर फेवर" में सुप्रीम कोर्ट में जजों की नियुक्ति से जुड़ी एक घटना का जिक्र किया है। उनके मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट में छह खाली पदों को भरने के लिए कोलीजियम की बैठक होनी थी। इससे पहले पांच नामों पर सहमति बन चुकी थी।

कौल का दावा है कि तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डी. वाय. चंद्रचूड़ ने आखिरी समय में छठे नाम का प्रस्ताव रखा और सरकार की राय जानने के लिए फोन करने पर विचार किया। कौल ने कहा कि उन्होंने इस नाम पर असहमति जताई थी और उन्हें लगता था कि कोलीजियम के दूसरे सदस्य भी इसे स्वीकार नहीं करेंगे।

कौल ने कहा कि चंद्रचूड़ ने उन्हें अलग कमरे में बुलाकर सरकार की राय लेने के लिए फोन करने की बात कही थी। कौल के मुताबिक, उन्होंने इसका विरोध किया, क्योंकि उनके विचार में नियुक्तियों पर फैसला कोलीजियम की औपचारिक बैठक में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि चंद्रचूड़ चाहते थे कि वह छठे नाम पर सहमत हो जाएं, लेकिन कौल का मानना था कि कोलीजियम के अन्य सदस्य भी उस नाम को स्वीकार नहीं करेंगे। कौल ने यह आशंका भी जताई कि संभव है कि कुछ नामों, यहां तक कि छठे नाम पर भी, सरकार से पहले ही किसी तरह की सहमति ली गई हो। उन्होंने कहा कि सरकार के साथ पहले से नामों पर चर्चा करने की प्रक्रिया पहले भी चलती रही और बाद में भी जारी रही।

कौल ने कहा कि सरकार से सलाह लेने और नियुक्ति पर पहले से उसकी मंजूरी लेने में बड़ा अंतर है। उनके मुताबिक, कोलीजियम की औपचारिक चर्चा से पहले सरकार की सहमति लेना न्यायिक स्वतंत्रता के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि कॉलेजियम को कार्यपालिका यानी सरकार के दबाव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वायु सेना के 100 विमानों ने "विंग्स ओवर गंगा" में करतब दिखाए

प्रधानमंत्री ने रक्षा मंत्री, राज्यपाल व मुख्यमंत्री के साथ वाराणसी में एयर शो देखा

■ **वायु सेना के शानदार हवाई प्रदर्शन में सुखोई-30, एमकेआई, राफेल, मिराज-2000, मिग-29, एलसीए तथा जैगुआर जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों ने अपनी ताकत व युद्धक क्षमता का प्रदर्शन किया।**

वाराणसी, 25 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के नमो घाट से भारतीय वायुसेना के शौर्य, कौशल और अदम्य पराक्रम का शानदार नजारा देखा। भारतीय वायुसेना की 94वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित "विंग्स ओवर गंगा" के तीसरे दिन "एयर फोर्स डे एरियल डिस्प्ले-2026" में 100 विमानों और हेलीकॉप्टरों ने गंगा के ऊपर हैरतअंगेज हवाई करतब दिखाए। लड़ाकू विमानों की गर्जना, तेज रफ्तार और रोमांचक फॉर्मेशन ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और हजारों दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

हवाई प्रदर्शन में सुखोई-30 एमकेआई, राफेल, मिराज-2000, मिग-29, एलसीए और जगुआर जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों ने अपनी ताकत और युद्धक क्षमता का प्रदर्शन किया। हार्वर्ड विमान के साथ सूर्यकिरण और सारंग एरोबेटिक टीमों ने भी अपने शानदार करतबों से दर्शकों का ध्यान खींचा।

अलग-अलग दिशाओं से विमानों की आवाजाही, तेज रफ्तार, सटीक तालमेल और आकर्षक फॉर्मेशन ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। एयर शो में लड़ाकू विमानों के अलावा हेलीकॉप्टर, परिवहन और सहायक विमानों ने भी अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन में भारतीय थल सेना के दो एएलएच हेलीकॉप्टरों के साथ भारतीय नौसेना के एक पी-8आई विमान और एक कामोव-31 हेलीकॉप्टर ने भी भागीदारी की। इस भव्य हवाई प्रदर्शन में कुल 100 विमानों ने हिस्सा लिया।

'खड़गे ने प्रधानमंत्री के पिताजी पर अभद्र टिप्पणी की'

■ **गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, यह टिप्पणी कांग्रेस की हताशा व निराशा को दर्शाती है।**

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं गृह मंत्री अमित शाह ने पटना में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबंध में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा की गई टिप्पणी की कड़ी आलोचना की है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज पटना में प्रधानमंत्री के पिताजी के बारे में अभद्र टिप्पणी कर सारी मर्यादाएँ तार-तार कर दी हैं। बीते 12 वर्षों में लगातार मिल रही चुनावी हार से कांग्रेस पार्टी में हताशा व निराशा इतनी बढ़ चुकी है कि अब उसके पास न कोई नीति बची है, न कोई मुद्दा, बस गाली-गलौज की राजनीति बची है।

एक्स पर एक पोस्ट में शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने प्रधानमंत्री मोदी या

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाषण में टोकने से उत्तेजित खड़गे बोले, "मोदी का बाप भी जाएगा"

पटना में कांग्रेस अध्यक्ष के भाषण के बीच एक युवक ने कहा, "मोदी नहीं जाएगा", इस पर खड़गे भड़क गए

■ **कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उस युवक की पिटाई की और उसे हॉल से बाहर कर दिया।**

पटना, 25 अक्टूबर। एक विवादित वीडियो सामने आया है जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पटना में संबोधन के दौरान पीएम मोदी के पिता पर विवादित बयान दिया है। खड़गे ने कहा कि "मोदी का बाप भी जाएगा"। खड़गे ने यह बयान उस वक्त दिया, जब एक शख्स उनकी स्पीच के बीच में बोल पड़ा कि "मोदी नहीं जाएगा"। इसके बाद खड़गे ने नाराज होते हुए कहा कि "मोदी का बाप भी जाएगा।"

खड़गे जब पटना में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, उस वक्त भीड़ में से एक युवक ने कहा, "मोदी नहीं जाएगा।" इस पर खड़गे भड़क गए और उन्होंने कहा, "मोदी का बाप भी जाएगा।" खड़गे ने यह भी कहा कि मोदी की झूठ बोलने की आदत है।

कांग्रेस के कार्यकर्ताओ ने उस व्यक्ति की पिटाई की और उसे हॉल से हटा दिया, जिसने ये कहा था कि "मोदी नहीं जाएगा।" शख्स का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें उसे धक्का देते हुए बाहर किया जा रहा है।

इससे पहले खड़गे ने बिहार के पहले सीएम कृष्ण सिंह की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि कृष्ण सिंह के समाज के लोग जमींदार थे, इसके वावजूद उन्होंने ने जमींदारी पद्धित को हटाने का काम किया। आजादी के बाद आरएसएस और दूसरी शक्तियां दंगा फैलाने में लगी थीं लेकिन कृष्ण सिंह ने मजबूती से उनका मुकाबला किया। जब तक इस देश में आरएसएस की आईडियोलॉजी खत्म नहीं होगी तब तक इस देश में शांति नहीं होगी, शांति को भंग करने वाले लोग यही हैं।

खड़गे ने कहा, "अभी भी विरोधी भावना के लोग बीजेपी आरएसएस में भरे हुए हैं। उत्तराखंड में आजादी के 80 साल बाद भी मंच का शुद्धिकरण किया गया। ये शुद्धिकरण करने वाले लोगों को भगाना है।"

पहलगाम में पारा शून्य से नीच पहुँचा

■ **श्रीनगर में न्यूनतम तामान 2.9 डिग्री रिकॉर्ड हुआ।**

श्रीनगर, 25 अक्टूबर। पहलगाम और गुलमर्ग जैसे पर्यटन स्थलों पर इस मौसम का पहला शून्य से नीचे का न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया है। यहां तापमान क्रमशः माइनस 0.3 डिग्री सेल्सियस और माइनस 0.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

मौसम विभाग के अनुसार पहलगाम में न्यूनतम तापमान माइनस 0.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि गुलमर्ग में यह माइनस 0.4 डिग्री सेल्सियस रहा। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 2.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि काजीगुंड में यह 0.0 डिग्री सेल्सियस रहा। कोकरनाग में न्यूनतम तापमान 3.4 डिग्री सेल्सियस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री ने ओडिशा में आरबीआई के डेटा सेंटर का उद्घाटन किया

■ **यह रिज़र्व बैंक का देश में दूसरा डेटा सेंटर है।**

भुवनेश्वर, 25 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ओडिशा के एक दिवसीय दौरे के दौरान खुर्दा जिले के जटनी स्थित इन्फो वैली-द्वितीय में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अत्याधुनिक ग्रीनफील्ड डेटा सेंटर का उद्घाटन किया।

इसके साथ ही साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान का भी उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ब्रजमोहन राम, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, उप मुख्यमंत्री कनक वर्धन सिंह देव प्रमुख उपस्थित थे।

करीब 169 करोड़ रुपये की लागत से 18.55 एकड़ भूमि पर इस डेटा सेंटर का निर्माण किया गया है। नवी मुंबई के बाद यह आरबीआई का दूसरा डेटा सेंटर है। इसके शुरू होने से देश के डिजिटल वित्तीय ढ ांचे को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

इस डेटा सेंटर में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई), नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड्स ट्रांसफर (एनईएफटी) और रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (आरटीजीएस) जैसे डिजिटल भुगतान माध्यमों से होने वाले लेनदेन से संबंधित सूचनाओं को सुरक्षित रखा जाएगा।

साइबर हमलों और तकनीकी गड़बड़ियों की स्थिति में भी बैंकिंग सेवाओं की निरंतरता बनाए रखने में यह केंद्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जामिया में छात्र आंदोलन तेज हुआ, वि.वि. प्रशासन ने सभी गेट बंद किए

परिसर में प्रवेश पर छात्रों व पुलिस में संघर्ष, भूख हड़ताल 13वें दिन भी जारी

■ **भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों के समर्थन में बड़ी संख्या में छात्र पहुँच रहे थे, पर सभी गेट बंद होने के कारण उन्हें परिसर में प्रवेश नहीं मिला। भूख हड़ताली छात्रों ने प्रशासन पर बिजली-पानी नहीं देने का आरोप लगाया।**

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। जामिया मिल्लिया इस्लामिया में छात्र संघ चुनाव बहाली को लेकर जारी आंदोलन और सुरक्षा के चलते ऑनलाइन कक्षाएं शुरू करने के फैसले का छात्रों ने बहिष्कार करने का एलान किया है। इस संबंध में जामिया कुलपति प्रो. मजहर आसिफ को पत्र लिखकर विरोध दर्ज कराया गया है। रविवार को जामिया के सभी गेटों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही। परिसर में प्रवेश को लेकर सुरक्षाकर्मियों और छात्रों के बीच तनातनी देखने को मिली। दोपहर को गेट नंबर सात के बाहर हंगामा भी हुआ। इसके अलावा भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों ने प्रशासन पर पानी न देने और लाइट बंद करने का आरोप लगाया।

रविवार को जामिया के गेट नंबर चार और सात पर दिनभर तनातनी के माहौल के बीच बड़ी संख्या में छात्र भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों के समर्थन में वहाँ पहुंच रहे थे। मगर, जामिया छात्रों के लिए बंद होने के चलते किसी को प्रवेश नहीं दिया जा रहा था। प्रवेश के लिए छात्रों और सुरक्षाकर्मियों के बीच टकराव हुआ। छात्रों ने "दिल्ली पुलिस गो बैक" और मुर्दाबाद के नारे लगाए। गेट नंबर सात पर पहुंची छात्राओं को पुलिस ने जबरन हटाया। इस दौरान एक राजनीतिक दल का कार्यकर्ता भी समर्थकों के साथ पहुंचा। उसको भी सुरक्षाकर्मियों ने खदेड़ दिया। इस बीच पुलिस द्वारा छह-सात छात्रों को हिरासत में लिए जाने की जानकारी भी सामने आई।

जामिया प्रशासन द्वारा सभी गेट बंद रखने के फैसले के कारण हॉस्टल में रहने वाले छात्रों को भी आवाजाही में मुश्किल हुई। छात्राओं को प्रवेश पाने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। ज्ञातव्य है कि जामिया परिसर के बाहर सभी जगह सुरक्षाकर्मी तैनात कर दिए गए हैं। जिससे कोई भी अंदर दाखिल न हो सके। कैंटीन, लाइब्रेरी और सभी दरवाजों को बंद कर दिया गया है।

जामिया छात्रों ने जामिया कुलपति और डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर को ईमेल के जरिए पत्र लिखकर ऑनलाइन कक्षाओं के बहिष्कार का एलान किया है। छात्रों ने सेंट्रल लाइब्रेरी, कैंटीन और विश्वविद्यालय के सभी गेट तत्काल खोलने की मांग की है। छात्रों ने आरोप लगाया कि प्रशासन के इस फैसले से उनके शैक्षिणक और लोकतांत्रिक अधिकार प्रभावित होते हैं। छात्रों का कहना है कि जब देश में कोई आपातकाल या लॉकडाउन नहीं है, तो परिसर की गतिविधियों पर इस तरह की रोक लगाना अनुचित है।

बता दें कि जामिया में 12 अक्तूबर से छात्रों की भूख हड़ताल जारी है। इस बीच 17 अक्तूबर को छात्रों को हटाने पर काफी बवाल हुआ था। 24 अक्तूबर को भी प्रशासन और छात्रों के बीच टकराव देखने को मिला था। भूख हड़ताल पर बैठे छात्र रेहान हैदर ने आरोप लगाया कि उनको पीने के लिए मिलना वाली पानी बंद कर दिया गया है। यहां तक कि लाइट भी बंद कर दी गई। लंबी भूख हड़ताल का असर छात्रों के स्वास्थ्य पर दिखने लगा है। छात्र रेहान हैदर ने कहा कि जासिम का सात किलोग्राम, एबिन का छह किलोग्राम और रेहान पंवार का चार किलोग्राम और मेरा सात किलोग्राम वजन कम हो गया है।

इसरो के पास 2029 तक चार लॉन्च पैड होंगे

■ **इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने एक विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में यह घोषणा की।**

चेन्नई, 25 अक्टूबर। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) देश के अंतरिक्ष अभियानों को एक अभूतपूर्व ऊंचाई पर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

हाल ही में एक निजी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने गर्व के साथ घोषणा की कि वर्ष 2029 तक भारत के पास चार पूरी तरह से क्रियाशील लॉन्च पैड होंगे।

अंतरिक्ष क्षेत्र में देश की बढ़ती साख और वैश्विक मांग को पूरा करने की दिशा में यह एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा।

इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत तमिलनाडु के तूतीकोरिन जिले के कुलासेकरपट्टिनम में 2,000 एकड़ में एक समर्पित स्माल सेटेलाइट लॉन्च व्हीकल (एसएसएलवी) काम्प्लेक्स का निर्माण किया जा रहा है।

इस अत्याधुनिक स्पेसपोर्ट में एकीकरण भवन, लॉन्च पैड, रेल-ट्रैक सिस्टम और अत्याधुनिक टेलीमेट्री तथा कमांड सिस्टम जैसी महत्वपूर्ण बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

विचार बिन्दु

मन की प्रसन्नता से समस्त मानसिक और शारीरिक रोग दूर हो जाते हैं। –रामदास

प्रतिबद्धता भी, संवेदनशीलता भी

किसी कलाकार के साथ मंच पर घटित कोई अप्रिय घटना केवल उस कलाकार या कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहती। वह हमारे सामाजिक व्यवहार, हमारी अपेक्षाओं और दूसरों के प्रति संवेदनशीलता के बारे में भी बहुत कुछ कह जाती है। हाल में उत्तराखंड के कुंजापुरी में लोकप्रिय पंजाबी गायक दलेर मेहंदी के साथ जो हुआ, वह इसी दृष्टि से विचारणीय है। दलेर मेहंदी अपनी प्रस्तुति दे रहे थे कि राज्य के एक मंत्री मंच पर आ गए। उन्होंने गायक के प्रदर्शन पर आपत्ति जताई और उन पर नशे में होने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि दर्शक दलेर मेहंदी को सुनने आए हैं, लेकिन वे ठीक से गा नहीं पा रहे हैं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ और देखते-देखते यह प्रसंग बहस का विषय बन गया।

इस पूरे प्रसंग में मुझे दो बातें महत्त्वपूर्ण लगती हैं। पहली, कलाकार की अपनी प्रतिबद्धता और नैतिक जिम्मेदारी। दूसरी, कलाकार के प्रति समाज, विशेषकर प्रभावशाली व्यक्तियों के व्यवहार में अपेक्षित मानवीय संवेदनशीलता और शालीनता।

किसी कार्यक्रम का निमंत्रण स्वीकार करना केवल पारिश्रमिक के बदले अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का मामला नहीं है। कलाकार जब किसी आयोजन में आने का वचन देता है, तो उसके साथ अनेक अपेक्षाएँ जुड़ जाती हैं। आयोजक उसकी व्यवस्था पर धन खर्च करते हैं, जो लगातार बढ़ता जा रहा है। दर्शक अपना समय निकालते हैं। कई बार दूर-दूर से लोग किसी प्रिय कलाकार को देखने-सुनने आते हैं। उनके लिए वह प्रस्तुति केवल मनोरंजन नहीं, एक भावनात्मक अनुभव भी होती है।

ऐसी स्थिति में कलाकार का दायित्व है कि वह अपनी कला को गंभीरता से ले। यदि स्वास्थ्य अथवा किसी अन्य अपरिहार्य कारण से वह अपेक्षित प्रस्तुति नहीं दे पाएगा, तो उसे आयोजकों को समय रहते इसकी सूचना देनी चाहिए। जरूरत हो तो उनसे संवाद करके कार्यक्रम स्थगित करने या रद्द करने का कठिन निर्णय भी लेना चाहिए। केवल इसलिए मंच पर पहुँच जाना कि वचन दिया जा चुका है, तर्कसंगत नहीं है। वचन निभाने की इच्छा के साथ उसे निभा पाने की क्षमता का आकलन भी जरूरी है।लोकप्रियता के साथ जिम्मेदारी भी आती है। यदि दलेर मेहंदी की प्रस्तुति अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं थी, तो इस पर सवाल उठाना ग़लत नहीं था। आयोजकों और दर्शकों को यह जानने का अधिकार है कि ऐसा क्यों हुआ। यह बात मंचीय कलाकारों के साथ ही अन्य प्रस्तोताओं पर भी लागू होती है। साहित्य की दुनिया में अक्सर ऐसा होता है कि किसी किताब पर चर्चा के लिए आमंत्रित विशिष्ट वक्ता उसे पढ़े बिना पहुँच जाते हैं और अनर्गल बोलने लगते हैं। यदि तैयारी नहीं है, तो निमंत्रण स्वीकार नहीं करना चाहिए। कोई अपरिहार्य स्थिति आ जाए, तो आयोजकों को विश्वास में लेकर उचित निर्णय करना चाहिए।

अब दूसरी बात। हम अक्सर कलाकार की लोकप्रियता और प्रचारित छवि से इतने अभिभूत रहते हैं कि उसे एक मनुष्य के बजाय उसकी कला के प्रदर्शन का माध्यम मात्र मानने लगते हैं। हमारी अपेक्षा होती है कि वह हर बार वैसा ही गाए, अभिनय करे या प्रस्तुति दे, जैसी हमने उससे पहले देखी-सुनी है। हम भूल जाते हैं कि कलाकार भी उम्र, थकान और बीमारी से प्रभावित होता है। उसकी शारीरिक क्षमताएँ बदल सकती हैं और कभी-कभी वह अपनी कला के सर्वोत्तम प्रदर्शन की स्थिति में नहीं होता।

इसका अर्थ यह नहीं कि दर्शक उसकी हर कमी को सहज ही स्वीकार कर लिया करे। लेकिन क्या हम असंतुष्टि व्यक्त करते समय उसकी परिस्थितियों को जानने की कोशिश कर सकते हैं? किसी कलाकार की आवाज लड़खड़ाने या उसका प्रदर्शन कमजोर होने के अनेक कारण हो सकते हैं। केवल इन संकेतों के आधार पर उसके नशे में होने का निष्कर्ष निकाल लेना उचित नहीं है। दलेर मेहंदी के मामले में भी इस आरोप की पुष्टि नहीं हुई है। उन्हें नजदीक से जानने वालों ने यह कहा है कि वे शराब पीते ही नहीं हैं। इसलिए इस आरोप को प्रमाणित तथ्य की तरह नहीं, अपुष्ट आरोप के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

> **इस समस्या का एक नया पहलू सोशल मीडिया भी है। किसी घटना का छोटा-सा वीडियो सामने आता है और तत्काल फैसले सुनाए जाने लगते हैं। वीडियो में जो दिखाई देता है, उसे ही पूरी घटना मान लिया जाता है। उसके पहले और बाद में क्या हुआ, संबंधित व्यक्तियों की परिस्थितियाँ क्या थीं और आरोपों के समर्थन में क्या प्रमाण हैं, इन सवालों के लिए बहुत कम धैर्य बचा है।**

इस प्रसंग में मंत्री का व्यवहार भी विचारणीय है। किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में कलाकार अपेक्षित प्रदर्शन न कर रहा हो या दर्शक असंतुष्ट हों, तो आयोजकों अथवा उनके प्रतिनिधियों को हस्तक्षेप करने का अधिकार है। लेकिन हस्तक्षेप का तरीका भी महत्व रखता है। यदि प्रस्तुति में कमी थी, तो कलाकार से बात की जा सकती थी, स्पष्टीकरण माँगा जा सकता था और अनुबंध के अनुसार कार्रवाई की जा सकती थी। किसी कलाकार को मंच पर सबके सामने रोकना और उस पर गंभीर आरोप लगाना क्या समस्या का सबसे उपयुक्त समाधान था? सोचिए, किसी राजनेता के भाषण के समय कोई नागरिक मंच पर जाकर ऐसा ही व्यवहार करेतो क्या उसे उचित माना जाएगा?

यहाँ प्रश्न किसी मंत्री विशेष का बचाव करने या किसी कलाकार को निर्दोष घोषित करने का नहीं है। प्रश्न सार्वजनिक जीवन की उस मर्यादा का है, जिसमें असहमति और आलोचना के लिए पूरा स्थान हो, लेकिन अपमान और अपुष्ट आरोपों के लिए नहीं। यह जिम्मेदारी तब और बढ़ जाती है जब बोलने वाला कोई मंत्री, अधिकारी या अन्य प्रभावशाली व्यक्ति हो। उसके शब्दों को लोग अधिक गंभीरता से लेते हैं और उसका आरोप किसी की वर्षों की अर्जित प्रतिष्ठा पर प्रश्नचिह्नलगा सकता है। इसलिए गंभीर आरोप लगाने से पहले तथ्यों की पुष्टि और अपनी बात कहने के तरीके में संयम जरूरी है।

कलाकार के प्रति मेरे मन में सहज ही एक विशेष संवेदना रहती है। इसका कारण केवल यह नहीं कि वे हमारे जीवन में मनोरंजन और आनंद के क्षण लाते हैं। कला का योगदान इससे कहीं व्यापक है। कोई गायक हमारे जीवन की स्मृतियों का हिस्सा बन जाता है। कोई कवि ऐसे शब्द देता है जिनमें हम अपने सुख-दुख पहचानते हैं। कोई अभिनेता किसी चरित्र के माध्यम से हमें अपने समय और समाज को नए ढंग से देखने की दृष्टि देता है। कलाकार और समाज के बीच का रिश्ता केवल लेन-देन का नहीं होता। कलाकार अपनी साधना से समाज को कुछ देता है और समाज उसे स्नेह, सम्मान तथा स्वीकृति देता है। यह रिश्ता कलाकार को जवाबदेही से मुक्त नहीं करता, लेकिन उसकी मानवीय गरिमा की रक्षा की अपेक्षा जरूर करता है। दलेर मेहंदी के गीतों पर वर्षों तक लोग झूमते रहे हैं, उत्सव मनाते रहे हैं। यदि किसी प्रस्तुति में कमी रही, तो उसकी आलोचना होनी चाहिए, लेकिन उस कमी को कलाकार के समूचे व्यक्तित्व और योगदान का पर्याय बना देना न्यायसंगत नहीं होगा। यही बात साहित्यकारों, रंगकर्मियों, चित्रकारों और दूसरे कलाकारों पर भी लागू होती है। असहमति का अर्थ अवमानना नहीं है।

इस समस्या का एक नया पहलू सोशल मीडिया भी है। किसी घटना का छोटा-सा वीडियो सामने आता है और तत्काल फैसले सुनाए जाने लगते हैं। वीडियो में जो दिखाई देता है, उसे ही पूरी घटना मान लिया जाता है। उसके पहले और बाद में क्या हुआ, संबंधित व्यक्तियों की परिस्थितियाँ क्या थीं और आरोपों के समर्थन में क्या प्रमाण हैं, इन सवालों के लिए बहुत कम धैर्य बचा है। आरोप को प्रमाण और प्रतिक्रिया को निर्णय समझ लिया जाता है। कुछ ही घंटों में किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को लेकर ऐसी धारणाएँ बना दी जाती हैं जिन्हें बदलना कठिन होता है।

दलेर मेहंदी के प्रसंग में भी उनकी प्रस्तुति, स्वास्थ्य और कार्यक्रम स्वीकार करने की परिस्थितियों पर चर्चा हो सकती है। लेकिन नशे में होने जैसे गंभीर आरोप को प्रमाण के बिना सच मान लेना उचित नहीं होगा। निष्पक्षता का तकाजा यह भी है कि उनके समर्थन में सामने आने वाली बातों को केवल इसलिए अंतिम प्रमाण न मान लिया जाए कि वे उनके पक्ष में हैं। सभी दावों को उपलब्ध तथ्यों की कसौटी पर परखना जरूरी है।

इस पूरे प्रसंग का सबक यही है कि जिम्मेदारी और संवेदनशीलता को एक-दूसरे के विरुद्ध खड़ा नहीं किया जाना चाहिए। कलाकार की जिम्मेदारी है कि वह अपने वचन का सम्मान करे, अपनी क्षमता का आकलन करे और दर्शकों के विश्वास को हल्के में न ले। आयोजकों की जिम्मेदारी है कि वे कार्यक्रम की गुणवत्ता और अनुबंध का ध्यान रखें। समाज और उसके प्रभावशाली व्यक्तियों की जिम्मेदारी है कि शिकायत करते समय प्रमाण, भाषा और व्यवहार की मर्यादा बनाए रखें।कलाकार से जवाब माँगिए, लेकिन उसकी गरिमा की कीमत पर नहीं। उसकी चूक पर सवाल उठाइए, लेकिन उसके योगदान को विस्मृत करके नहीं। किसी कलाकार का सम्मान करने का अर्थ उसकी हर चूक को क्षमा कर देना नहीं है। इसका अर्थ है कि उसकी चूक पर भी उसी न्यायबुद्धि, संयम और मानवीय संवेदनशीलता के साथ विचार किया जाए जिसकी अपेक्षा हम अपने लिए करते हैं।

प्रतिबद्धता कलाकार की भी जरूरी है और संवेदनशीलता समाज की भी। एक सभ्य समाज में इन दोनों में से किसी एक को चुनने की जरूरत नहीं होनी चाहिए।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

क्या यह सही है कि पश्चिम से कोई आंधी उठी है जो भारत की संस्कृति, लोकतंत्र के लिए खतरा है या महज एक राजनीतिक सहूलियत का बयान

महावीर सिंह

हाल ही में कई प्रमुख लोगों के बयान आए है जिनका लेबोलबाब अर्थ है कि पश्चिमी सभ्यता भारतीय युवाओं को भड़का रही है। अगर पश्चिमी सभ्यता से इतनी नफरत है, तो पश्चिम से निकले लोकतांत्रिक अधिकारों का लाभ क्यों उठाते हैं?जब पश्चिम से आई तकनीक चाहिए तो आधुनिकता, जब पश्चिम से प्रेरित संसदीय व्यवस्था चाहिए तो लोकतंत्र, लेकिन जब युवा सरकार से सवाल पूछने लगें तो पश्चिमी सभ्यता का दुष्प्रभाव, यह कैसी वैचारिक ईमानदारी है?

अभी हाल ही में संघ के विजयादशमी के संबोधन में पश्चिम से आने वाली एक ऐसी आंधी की बात कही गई जो शेष दुनिया की संस्कृतियों और व्यवस्थाओं को नुकसान पहुंचा रही है। इसी मंच से फ्रांस, नेपाल और बांग्लादेश के आंदोलनों का उल्लेख करते हुए सत्ता परिवर्तन की राजनीति पर भी सवाल उठाए।

इन दिनों आए इस प्रकार के अस्पष्ट भाषणों बयानों से कुछ ऐतिहासिक और संवैधानिक सवाल पैदा हुए हैं। सबसे पहला सवाल, क्या सरकार के खिलाफ आवाज उठाना पश्चिमी सभ्यता का दुष्प्रभाव है या एक जागरूक नागरिक का लोकतांत्रिक अधिकार ?? जिस लोकतंत्र में आज राजनीतिक दल चुनाव लड़ते है, जिस संसदीय व्यवस्था के माध्यम से वर्तमान में 12 साल से अधिक समय से वर्तमान प्रधानमंत्री हैं, जिस संविधान के अंतर्गत राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और सांसद अपने पदों पर बैठते हैं, उस आधुनिक संवैधानिक व्यवस्था के विकास में पश्चिमी राजनीतिक चिंतन का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। अब अगर वोट चोरी कराले, करदे तो वो अलग बात है।

भारत की संसदीय प्रणाली पर ब्रिटेन का प्रभाव है। मौलिक अधिकारों की संवैधानिक संरचना पर अमेरिकी अनुभव का प्रभाव है। स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे आदर्शों को फ्रांसीसी क्रांति ने विश्वव्यापी राजनीतिक शक्ति प्रदान की। भारत ने इन विचारों की नकल भर नहीं की। हमारे संविधान निर्माताओं ने भारतीय स्वतंत्रता संग्रोम, सामाजिक सुधार आंदोलनों, भारतीय चिंतन और दुनिया के विभिन्न संवैधानिक अनुभवों को मिलाकर अपना स्वतंत्र लोकतांत्रिक संविधान बनाया।

सवाल यह है कि जब दुनिया से सीखकर बनी व्यवस्था के माध्यम से सत्ता हासिल करना स्वीकार्य है, तो उसी व्यवस्था में जनता का विरोध आपको संदिग्ध क्यों लगने लगता है ??पश्चिम से विकसित आधुनिक तकनीक स्वीकार है। पश्चिमी देशों के साथ व्यापार स्वीकार है। पश्चिम से प्रभावित संसदीय लोकतंत्र स्वीकार है। चुनावी व्यवस्था स्वीकार है।

आधुनिक संचार माध्यम स्वीकार हैं। तो फिर, जब उसी लोकतंत्र में कोई छात्र अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरता है, कोई बेरोजगार रोजगार मांगता है, कोई किसान अपनी फसल का उचित मूल्य मांगता है, या कोई नागरिक सरकार की नीतियों का विरोध करता है, तो उसके आंदोलन के पीछे पश्चिमी प्रभाव तलाशने की जरूरत क्यों पड़ती है ?? यह तो संस्कृति की रक्षा है या राजनीतिक सुविधा के अनुसार सिद्धांत बदलने की कला जी कही जाएगी ??

इतिहास का एक पन्ना पलटिए..

जब महात्मा गांधी अंग्रेजों के खिलाफ असहयोग आंदोलन चला रहे थे, क्या वह भारत को अस्थिर करने का प्रयास था ?? जब 1930 में गांधी जी ने दांडी मार्च किया, क्या वह कानून और व्यवस्था को चुनौती नहीं थी ??

जब 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन हुआ, क्या उस समय अंग्रेजी हुकूमत ने आंदोलनकारियों को अपनी सत्ता के लिए खतरा नहीं माना था। हां ये भी है कि आज कुछ बड़े दिखने वाले नामचीन संगठन उस समय अंग्रेजों के साथ थे।

अंग्रेज भी यही चाहते थे कि भारतीय शांत रहें, व्यवस्था चलती रहे और उनके शासन को चुनौती न मिले। लेकिन इतिहास ने हमें सिखाया कि किसी सरकार की स्थिरता से कहीं अधिक महत्वपूर्ण जनता की स्वतंत्रता और न्याय है। भारत में विरोध की परंपरा कोई पश्चिम से आयातित वस्तु नहीं है। इस देश में बुद्ध ने स्थापित मान्यताओं को चुनौती दी। कबीर ने धार्मिक पाखंड पर सवाल उठाए। ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले ने सामाजिक अन्याय तथा शिक्षा पर एकाधिकार को चुनौती दी। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने जातिगत उत्पीड़न और सामाजिक असमानता के विरुद्ध संघर्ष किया। भगत सिंह ने केवल अंग्रेजी शासन का विरोध नहीं किया, बल्कि शोषणमुक्त समाज का सपना देखा।

भारत की महानता इस बात में नहीं है कि यहां कभी विरोध नहीं हुआ। भारत की महानता इस बात में है कि यहां विरोध, तर्क, असहमति और परिवर्तन की लंबी परंपरा रही है। जब वर्तमान शासक दल भाजपा विपक्ष में थी, तब महंगाई के खिलाफ आंदोलन होते थे। भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन होते थे। सरकार से इस्तीफा मांगा जाता था। सड़कों पर उतरकर सत्ता से सवाल पूछे जाते थे। शायद तब, आंदोलन लोकतंत्र की ताकत हुआ करते थे।

लेकिन आज यदि युवा रोजगार, परीक्षा की पारदर्शिता, चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता या नागरिक अधिकारों को लेकर आंदोलन करते हैं, तो उन आंदोलनों के पीछे विदेशी प्रभाव या राजनीतिक षड्यंत्र की आशंका क्यों जताई जाती है ?? क्या आंदोलन की नैतिकता इस बात से तय होगी कि आंदोलन किस सरकार के खिलाफ हो रहा है ?? कभी जनता द्वारा विरोध जनजागरण, लेकिन जब विरोध सरकार का हो तो विदेशी प्रभाव ?? जब सत्ता परिवर्तन से किसी दल को लाभ हो तो लोकतंत्र की विजय, लेकिन जब सत्ता परिवर्तन की मांग सत्तासीनों के विरुद्ध उठे तो व्यवस्था को अस्थिर करने का प्रयास ?? इसे मापदंड कहा जाएगा।

संविधान का अनुच्छेद 19(1) (ए) नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है और अनुच्छेद 19(1) (बी) शांतिपूर्ण तथा बिना हथियार एकत्र होने का अधिकार देता है। इन अधिकारों पर संवैधानिक रूप से उचित प्रतिबंध संभव हैं, लेकिन सरकार से असहमति अपने आप में कोई अपराध नहीं है। संविधान ने नागरिकों को केवल पांच साल में एक बार वोट डालने का अधिकार देकर चुप रहने का आदेश नहीं दिया। लोकतंत्र का अर्थ है कि जनता चुनाव के बीच भी सवाल पूछ सकती है, आलोचना कर सकती है और शांतिपूर्ण विरोध कर सकती है।

एक दिलचस्प ऐतिहासिक तथ्य भी समझिए। भारत की संविधान सभा में अनेक ऐसे सदस्य थे जिन्होंने दुनिया के संविधानों का अध्ययन किया। डॉ. आंबेडकर स्वयं उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका और ब्रिटेन गए थे। उन्होंने आधुनिक संवैधानिक विचारों का गंभीर अध्ययन किया और भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप उनका उपयोग किया। क्या हम डॉ. आंबेडकर की संवैधानिक दृष्टि को इसलिए खारिज कर देंगे कि उन्होंने पश्चिमी राजनीतिक विचारों का भी अध्ययन किया था ??

विचारों की महानता उनकी भौगोलिक उत्पत्ति से नहीं, उनकी उपयोगिता और मानवीय मूल्यों से तय होती है। कोई विचार पश्चिम से आया है, इसलिए वह गलत नहीं हो जाता और कोई विचार भारत का है, इसलिए वह आलोचना से ऊपर नहीं हो जाता।यही वैज्ञानिक दृष्टिकोण है। यही बौद्धिक ईमानदारी है। पश्चिमी प्रभाव को लेकर चिंता जताई गई है। पश्चिमी देशों की नीतियों, उपभोक्तावाद, साम्राज्यवाद या सांस्कृतिक वर्चस्व की आलोचना करना बिल्कुल उचित है। हर कोई जनता है कि पश्चिम की हर चीज अनुकरणीय नहीं है किंतु पश्चिमी वर्चस्व का विरोध और लोकतांत्रिक असहमति को विदेशी प्रभाव से जोड़ना दो अलग बातें हैं। हमें पश्चिम का अंधानुकरण नहीं करना चाहिए, लेकिन पश्चिम से विकसित अच्छे विचारों को केवल इसलिए ठुकराना भी नहीं चाहिए कि वे पश्चिम से आए हैं।

और सबसे बड़ी बात..

भारतीय युवाओं को सवाल पूछने के लिए किसी विदेशी सभ्यता से प्रशिक्षण लेने की आवश्यकता नहीं है।

जब उसका पेपर लीक होता है, तो उसका गुस्सा भारतीय होता है।

जब उसे नौकरी नहीं मिलती, तो उसकी परेशानी भारतीय होती है।

जब किसान अपनी उपज का मूल्य मांगता है, तो उसका संघर्ष भारतीय होता है। जब कोई नागरिक सत्ता से जवाब मांगता है, तो उसका अधिकार भारतीय संविधान से आता है।

हर विरोध के पीछे विदेशी हाथ तलाशने के बजाय कभी उन परिस्थितियों को भी देखिए जो नागरिकों को सड़कों पर आने के लिए मजबूर करती हैं। भारत कोई ऐसी प्रयोगशाला नहीं है जहां लोकतंत्र के अधिकार केवल सत्ता के समर्थकों को मिलें और विरोधियों के हिस्से में उपदेश आएं। यह गांधी का भारत है, भगत सिंह का भारत है, फुले का भारत है, पेरियार का भारत है और डॉ. आंबेडकर के संविधान से संचालित भारत है।

यहां सरकारें जनता से बनती हैं। जनता सरकारों से नहीं बनती।

यहां प्रधानमंत्री संवैधानिक पद है, कोई राजा का सिंहासन नहीं।

यहां सत्ता की आलोचना राष्ट्र का अपमान नहीं है।

यहां सरकार बदलने की शांतिपूर्ण और संवैधानिक मांग लोकतांत्रिक राजनीति का हिस्सा है।

और सबसे महत्वपूर्ण बात..

सरकार के खिलाफ होना, देश के खिलाफ होना नहीं है।

उन लोगों से एक सवाल है जो हर असहमति को संदेह की नजर से देखते हैं। यदि लोकतंत्र आपको सत्ता तक पहुंचाने का माध्यम है, तो वही लोकतंत्र जनता को आपकी सत्ता से सवाल पूछने का अधिकार भी देता है। आप लोकतंत्र के लाभ तो स्वीकार करें, लेकिन उसकी असहमति से असहज हो जाएं, यह कैसे चलेगा?? लोकतंत्र कोई ऐसी थाली नहीं है जिसमें आप अपनी पसंद के अधिकार चुन लें और बाकी अधिकारों को पश्चिमी सभ्यता का दुष्प्रभाव बताकर बाहर फेंक दें। भारत के युवाओं को पश्चिमी सभ्यता से बचाने से पहले उन्हें बेरोजगारी, अन्याय, भ्रष्टाचार और अवसरों की असमानता से बचाने पर चर्चा कीजिए। क्योंकि एक सवाल पूछने वाला युवा लोकतंत्र के लिए खतरा नहीं है। लोकतंत्र के लिए खतरा तब पैदा होता है, जब सत्ता सवालों से डरने लगती है।

और इतिहास गवाह है..

जिस दिन किसी देश का युवा सवाल पूछना बंद कर देता है, उस दिन लोकतंत्र कमजोर पड़ने लगता है। इसलिए युवाओं को सवाल पूछने दीजिए। उन्हें असहमत होने दीजिए। उन्हें शांतिपूर्ण विरोध करने दीजिए। क्योंकि लोकतंत्र में सरकार की जय-जयकार करना अनिवार्य नहीं, लेकिन संविधान का सम्मान करना अनिवार्य है।

–महावीर सिंह,
पूर्व आईएएस एवं एक किसान, महावीर सिंह फौजदार, अध्यक्ष जाट महासभा अजमेर)

अर्बन नक्सल विमर्श, सत्ता परिवर्तन और भारतीय संविधान

सूर्यप्रताप सिंह राजावत

भारतीय संविधान की उद्देशिका के प्रथम शब्द हैं-हम, भारत के लोग। ये शब्द भारत की संवैधानिक संप्रभुता के मूल आधार को अभिव्यक्त करते हैं। 26 नवंबर 1949 को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित तथा 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ हमारा संविधान केवल शासन चलाने का दस्तावेज नहीं, बल्कि राष्ट्र की संप्रभुता, लोकतांत्रिक संस्थाओं, नागरिक स्वतंत्रताओं और विधि के शासन का आधार है। लेकिन एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है: क्या हम, भारत के लोग का अर्थ यह है कि कोई भी व्यक्ति, संगठन अथवा राजनीतिक समूह अपनी इच्छानुसार सत्ता परिवर्तन के लिए संवैधानिक संस्थाओं को दरकिनार कर सकता है? क्या लोकप्रिय समर्थन का दावा करके निर्वाचित सरकार को हटाने के लिए किसी भी प्रकार के साधनों को उचित ठहराया जा सकता है? इन प्रश्नों पर गंभीर संवैधानिक विमर्श आवश्यक है।

सत्ता परिवर्तन: लोकतांत्रिक अधिकार या संवैधानिक व्यवस्था को चुनौती? -अक्टूबर 2026 में निर्वाचन आयोग और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित विवादों के बीच सत्ता परिवर्तन की माँग सार्वजनिक विमर्श का विषय बनी। 15 अक्टूबर 2026 को दिल्ली में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि वे सत्ता परिवर्तन चाहते हैं और इसे नागरिकों का लोकतांत्रिक अधिकार बताया। इसी संवाददाता सम्मेलन में ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष नेहा बोरा तथा कॉकरोचजनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके भी उपस्थित थे। नेहा बोरा ने बांग्लादेश के Gen Z आंदोलन का उल्लेख करते हुए उसे भारत के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया।

'अर्बन नक्सल' मानसिकता और वैचारिक प्रश्न-'अर्बन नक्सल' अथवा 'अर्बन नक्सल मानसिकता' जैसे शब्द भारतीय राजनीतिक विमर्श में प्राय: उन व्यक्तियों या समूहों के संदर्भ में इस्तेमाल किए जाते हैं जिन पर माओवादी विचारधारा अथवा नक्सली आंदोलन के प्रति सहानुभूति रखने का आरोप लगाया जाता है जो सत्ता परिवर्तन में हिंसा को वैध मानते हैं अक्टूबर 2026 में सत्ता परिवर्तन संबंधी बयानों के बाद भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने आरोप लगाया कि संबंधित विरोध प्रदर्शनों के पीछे केवल चुनाव सुधारों का प्रश्न नहीं, बल्कि सरकार को अस्थिर करने और सत्ता परिवर्तन का व्यापक उद्देश्य भी हो सकता है। भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने इस राजनीतिक अभियान को कथित 'अर्बन नक्सल' एजेंडे से जोड़ते हुए आलोचना की। फ्रांस में हालिया विरोध-प्रदर्शनों, बांग्लादेश में 2024 के जनांदोलन और नेपाल में 2025 के आंदोलन ने दिखाया है कि जन-असंतोष किस प्रकार हिंसा और राजनीतिक उथल-पुथल में बदल सकता है। भारत में निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े विरोध-प्रदर्शनों के बीच वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण द्वारा सत्ता परिवर्तन की माँग और ''छें की अध्यक्ष नेहा बोरा द्वारा बांग्लादेश आंदोलन का उल्लेख राजनीतिक बहस का विषय बना है। कांग्रेस नेता पवनखेड़ा ने भी सत्ता परिवर्तन की बात कही है। भारत की संप्रभुता की रक्षा संविधान, लोकतांत्रिक संस्थाओं और विधि के शासन के सम्मान में निहित है। फिर भी यह विमर्श एक व्यापक संवैधानिक प्रश्न अवश्य उठाता है: क्या किसी राजनीतिक आंदोलन के नाम पर ऐसी विचारधारा अथवा रणनीति को वैधता दी जा सकती है जो लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करके राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने का समर्थन करती हो? यदि किसी व्यक्ति या संगठन द्वारा सशस्त्र विद्रोह, हिंसक उथल-पुथल अथवा बलपूर्वक सरकार गिराने की वकालत की जाती है, तो उसके आचरण का परीक्षण संविधान और लागू कानूनों के अनुसार होना चाहिए।

सशस्त्र विद्रोह का संवैधानिक संप्रभुता में कोई स्थान नहीं-भारतीय लोकतंत्र का आधार यह है कि राजनीतिक सत्ता संविधान द्वारा निर्धारित प्रक्रियाओं के माध्यम से प्राप्त की जाती है। संसद और राज्य विधानमंडलों का गठन चुनावों से होता है। सरकारें संवैधानिक नियमों के अनुसार कार्य करती हैं और न्यायपालिका कानूनों तथा सरकारी कार्यों की न्यायिक समीक्षा कर सकती है। सशस्त्र विद्रोह और हिंसक साधनों से सत्ता प्राप्त करने का प्रयास इस संवैधानिक व्यवस्था के मूल सिद्धांतों से असंगत है। संवैधानिक लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक समूह को यह अधिकार नहीं है कि वह अपनी वैचारिक श्रेष्ठता या कथित जनसमर्थन के आधार पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया का स्थान बल प्रयोग को दे दे।अत: यह सिद्धांत स्पष्ट होना चाहिए:संवैधानिक संप्रभुता के अंतर्गत सशस्त्र विद्रोह द्वारा सत्ता प्राप्त करने का कोई वैध स्थान नहीं है।

'हम, भारत के लोग' का वास्तविक अर्थ-संविधान की उद्देशिका जनता को संवैधानिक व्यवस्था का मूल स्त्रोत स्वीकार करती है। इसका अर्थ यह नहीं कि प्रत्येक नागरिक या संगठन को असीमित संप्रभु शक्ति प्राप्त है। जनता की संप्रभुता संविधान द्वारा स्थापित संस्थाओं, अधिकारों, कर्तव्यों और प्रक्रियाओं के माध्यम से अभिव्यक्त होती है।डॉ. बी. आर. आंबेडकर ने 4 नवंबर 1948 को संविधान सभा में संवैधानिक नैतिकता के महत्त्व पर बल दिया था।

लोकतांत्रिक असहमति और संवैधानिक मर्यादा-भारत में राजनीतिक परिवर्तन का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हैं। यदि किसी राजनीतिक दल या नागरिक समूह को सरकार की नीतियों, निर्वाचन प्रक्रिया या संवैधानिक संस्थाओं के कामकाज पर आपत्ति है, तो उसे शांतिपूर्ण विरोध, न्यायिक उपचार, सार्वजनिक विमर्श और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का सहारा लेना चाहिए। जब निर्वाचन आयोग से संबंधित कोई विवाद सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष विचाराधीन हो, तब संवैधानिक नैतिकता यह अपेक्षा करती है कि सभी राजनीतिक दल न्यायपालिका में विश्वास बनाए रखें और न्यायिक प्रक्रिया के परिणाम की प्रतीक्षा करें। न्यायालय में लंबित विषयों पर जनमत को प्रभावित करने के उद्देश्य से चलाए जाने वाले मीडिया ट्रायल तथा अप्रमाणित आरोप संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर अनावश्यक प्रश्न खड़े कर सकते हैं। लोकतंत्र में असहमति और आलोचना का अधिकार महत्त्वपूर्ण है, किंतु उसके साथ संस्थागत मर्यादा और जिम्मेदारी भी आवश्यक है। न्यायपालिका में आस्था, तथ्यों पर आधारित विमर्श और न्यायिक प्रक्रिया के प्रति संयम ही संवैधानिक लोकतंत्र की वास्तविक कसौटी हैं।भारत की संवैधानिक संप्रभुता किसी एक राजनीतिक दल, सरकार, विपक्ष, संगठन या विचारधारा की संपत्ति नहीं है। यह उस संवैधानिक व्यवस्था में निहित है जिसे भारत के लोगों ने स्वीकार किया है। सत्ता परिवर्तन लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है, लेकिन उसका औचित्य और तरीका महत्त्वपूर्ण है। शांतिपूर्ण असहमति लोकतंत्र को मजबूत करती है; हिंसा और सशस्त्र विद्रोह उसकी संस्थागत नींव को चुनौती देते हैं। भारत में सरकारें बदल सकती हैं, नीतियाँ बदल सकती हैं और राजनीतिक विचारधाराएँ बदल सकती हैं; लेकिन सत्ता प्राप्त करने की प्रक्रिया संविधान के अधीन ही रहनी चाहिए। संवैधानिक संप्रभुता की रक्षा का अर्थ है-लोकतांत्रिक असहमति का सम्मान करना और साथ ही सशस्त्र विद्रोह द्वारा सत्ता प्राप्त करने की अवधारणा को अस्वीकार करना।मुझे इस संदर्भ में संविधान सभा में डॉ. बी. आर. अम्बेडकर द्वारा 25 नवंबर 1949 को दिए गए उनके ऐतिहासिक वक्तव्य के ये शब्द स्मरण हो आते हैं-यदि हम लोकतंत्र को केवल औपचारिक रूप में ही नहीं, बल्कि वास्तविक रूप में भी बनाए रखना चाहते हैं, तो हमें क्या करना चाहिए? मेरी दृष्टि में, सबसे पहले हमें अपने सामाजिक और आर्थिक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए संवैधानिक तरीकों का दृढ़ता से पालन करना चाहिए। इसका अर्थ है कि हमें क्रांति के रक्तरंजित तरीकों का परित्याग करना होगा।

–सूर्य प्रताप सिंह राजावत,
अधिवक्ता, राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 26 अक्टूबर, 2026

आश्विन मास, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, सोमवार, विक्रम संवत-2083, अश्विनी नक्षत्र सायं 7:41 तक, वज्र योग दिन 2:17 तक, बव करण प्रात: 9:42 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति– सूर्य-तुला, चन्द्रमा-मेष, मंगल-कर्क, बुध-तुला, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज कुमार योग दिन 9:42 से सायं 5:41 तक है। आज सत्य व्रत, श्री वाल्मिीकी जयन्ती है। आज से कार्तिक स्नान आरम्भ होगा और जैन ओली पूर्ण होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया– अमृत सूर्योदय से 8:00 तक, शुभ 9:23 से 10:47 तक, चर 1:34 से 2:58 तक, लाभ-अमृत 2:58 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल– 7:30 से 9:00 तक, सूर्योदय 6:36, सूर्यास्त 5:45

मेष

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आवश्यक कार्य के लिए यात्रा संभव है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आवश्यक कार्य के लिए यात्रा संभव है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मिथुन

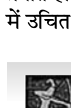

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

कर्क

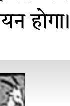

महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

सिंह

नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

कन्या

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ और आवश्यक कार्यों में व्यवधान हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

तुला

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

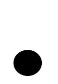

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है।

धनु

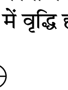

परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मकर

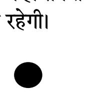

घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। घर-परिवार में मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे।

''मन की बात'' में स्वदेशी और नवाचार पर जोर : संजय भाटिया

जयपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ''मन की बात'' की 139वीं कड़ी का सामूहिक श्रवण भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी संजय भाटिया, जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा, प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, मीडिया प्रभारी प्रमोद वशिष्ठ, आईटी संयोजक अविनाश जोशी और प्रबुद्धजन प्रकोष्ठ संयोजक राजेंद्र सिंह शेखावत सहित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और संगठन महामंत्री अजेय कुमार सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम सुना।

संजय भाटिया ने कहा कि ''मन की बात'' देशवासियों के सेवा, समर्पण और नवाचारों को राष्ट्रीय पहचान देने का माध्यम है। प्रधानमंत्री ने 'वोकल फॉर लोकल', खादी, स्थानीय कारीगरों और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने का आव्हान किया।

उन्होंने कहा कि हेवल नदी का पुनर्जीवन, प्राकृतिक कपास, श्रीअन्न की खेती, ई-संजीवनी के लगभग 50 करोड़ दूरचिकित्सा परामर्श और आईआईटी मद्रास में मस्तिष्क अनुसंधान जैसे उदाहरण पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य और वैज्ञानिक नवाचार का महत्व बताते हैं।

प्रधानमंत्री ने महर्षि वाल्मीकि और स्वतंत्रता सेनानी भाई परमानंद के आदर्शों का भी उल्लेख किया। भाटिया ने कार्यकर्ताओं से स्वदेशी, स्वच्छता, जल संरक्षण और राष्ट्रीय एकता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आव्हान किया।

NAME CHANGE

I have changed my name from Anita Sharma to Anita Saini for all purpose. R/o 1 Suiwal Bhawan shyam colony bas badanpura galta gate jaipur.(Raj.)

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in,
Phone No. 0141-2782772
क्रमांक:DHC-II/1381 दिनांक-13/10/26

जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा वाणिज्यिक भूखण्ड संख्या 19, सेक्टर-4, मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 18.00 वर्ग मीटर / वर्ग गज का आवंटन श्री ताराचन्द पुत्र श्री नाथू राम बलाई को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र कमांक 1167 दिनांक 30.01.2014 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त भूखण्ड का भौतिक कब्जा दिनांक 13.02.2014 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र कमांक 3719 दिनांक 04.03.2014 को श्री ताराचन्द पुत्र श्री नाथू राम बलाई के नाम अदेय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। तत्पश्चात श्री ताराचन्द के द्वारा श्री संजय माहेश्वरी पुत्र श्री जगदीश प्रसाद को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष मे उक्त भूखण्ड के मुख्त्यारनामा आम प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 03.02.2014 को करवाया गया। मुख्त्यारनामा आम धारक द्वारा श्री ताराचन्द के पक्ष मे उक्त भूखण्ड के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर मे दिनांक 25.03.2014 को करवाया गया। मुख्त्यारनामा आम धारक श्री संजय माहेश्वरी के द्वारा उक्त वाणिज्यिक भूखण्ड का बेचान जरिये विक्रय पत्र के श्रीमती कैलाश कंवर बाहेती पत्नी श्री जगदीश प्रसाद बाहेती को कर दिया गया। इनके द्वारा उक्त वाणिज्यिक भूखण्ड के विक्रय प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर मे दिनांक 03.04.2014 को करवाया गया। श्रीमती कैलाश कंवर बाहेती के द्वारा उक्त वाणिज्यिक भूखण्ड का बेचान जरिये विक्रय पत्र के श्रीमती शिल्पा उपाध्याय पत्नी श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा को कर दिया गया। इनके द्वारा उक्त वाणिज्यिक भूखण्ड के विक्रय प्रपत्रो का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर मे दिनांक 17.07.2026 को करवाया गया। श्रीमती शिल्पा उपाध्याय पत्नी श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा ने लीजडीड हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं पंजीकृत वसीयतनामा प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त वाणिज्यिक भूखण्ड को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध मे किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस मे व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि मे कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति / आवेदक श्रीमती शिल्पा उपाध्याय पत्नी श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा के पक्ष मे उक्त वाणिज्यिक भूखण्ड के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवसन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

आम सूचना

सर्वसाधारण को इस आम सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि निम्न संपत्तिः- **633-ए स्कीम, विद्युत नगर-ए, बीड खातीपुरा, प्रिंस रोड, अजमेर रोड, जयपुर।** के संबंध में मेरे अभिभाष्यों द्वारा माननीय न्यायालय, जिला एवं सेशन न्यायाधीश, जयपुर महानगर द्वितीय, जयपुर के समक्ष धारा 148(A), सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के अंतर्गत कैविएट प्रस्तुत की जा रही है। अतः यदि उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का वाद, प्रार्थना पत्र अथवा अन्य न्यायिक कार्य-वाही प्रस्तुत करता है या प्रस्तुत करने का इच्छुक है, तो कृपया यह ध्यान रखा जाए कि उक्त कैविएट प्रभावी है तथा बिना कैविएटदारों को सूचना एवं सुनवाई का अवसर प्रदान किए कोई आदेश पारित न किया जाए।

कैविएटदारः-
1. श्री राधाकृष्ण अग्रवाल पुत्र स्व. चौथमल अग्रवाल, आयु 75 वर्ष, निवासी- 633, तिलक आंगन, प्रिंस रोड, अजमेर रोड, विद्युत नगर-ए, जयपुर-302021
2. श्रीमती शुभम अग्रवाल पुत्री राधाकृष्ण अग्रवाल, आयु 41 वर्ष, निवासी- 633, तिलक आंगन, प्रिंस रोड, अजमेर रोड, विद्युत नगर-ए, जयपुर-302021

यह आम सूचना सर्वसाधारण के ज्ञानार्थ प्रकाशित की जा रही है। **जावेद खान (अधिवक्ता) मो.- 9571654662**

आम सूचना

सर्वसाधारण को इस आम सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि निम्न संपत्तिः- **632-ए स्कीम, विद्युत नगर-ए, बीड खातीपुरा, प्रिंस रोड, अजमेर रोड, जयपुर।** के संबंध में मेरे अभिभाष्यों द्वारा माननीय न्यायालय, जिला एवं सेशन न्यायाधीश, जयपुर महानगर द्वितीय, जयपुर के समक्ष धारा 148(A), सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के अंतर्गत कैविएट प्रस्तुत की जा रही है। अतः यदि उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का वाद, प्रार्थना पत्र अथवा अन्य न्यायिक कार्य-वाही प्रस्तुत करता है या प्रस्तुत करने का इच्छुक है, तो कृपया यह ध्यान रखा जाए कि उक्त कैविएट प्रभावी है तथा बिना कैविएटदारों को सूचना एवं सुनवाई का अवसर प्रदान किए कोई आदेश पारित न किया जाए।

कैविएटदारः-
1. शांती अग्रवाल पत्नि श्री राधाकृष्ण अग्रवाल, आयु 72 वर्ष, निवासी-633, तिरू आंगन, प्रिंस रोड, अजमेर रोड, विद्युत नगर-ए, जयपुर-302021
2. शुभम अग्रवाल पुत्री श्री राधाकृष्ण अग्रवाल, आयु 41 वर्ष, निवासी- 633, तिरू आंगन, प्रिंस रोड, अजमेर रोड, विद्युत नगर-ए, जयपुर-302021

यह आम सूचना सर्वसाधारण के ज्ञानार्थ प्रकाशित की जा रही है। **जावेद खान (अधिवक्ता) मो.- 9571654662**

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

अजमेर डिस्कॉम के सभी जिलों में किसानों को दिन में मिलेगी बिजली

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की किसानों को दीपावली से पहले बड़ी सौगात

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दीपावली से पहले किसानों को बड़ी सौगात दी है। नागौर जिले के बिरलोका में 220 केवी ग्रिड सब-स्टेशन (जीएसएस) सफलतापूर्वक प्रारंभ हो गया है। इससे अजमेर विद्युत वितरण निगम (डिस्कॉम) के सभी 14 जिलों में किसानों को दिन के समय दो ब्लॉक में बिजली आपूर्ति मिल सकेगी। इस व्यवस्था से क्षेत्र के किसानों को रात में सिंचाई कार्य से राहत मिलेगी तथा कृषि कार्य अधिक सुरक्षित एवं सुविधाजनक हो सकेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

■ नागौर के बिरलोका में 220 केवी जी.एस.एस. सफलतापूर्वक शुरू

खींवसर सहित अन्य क्षेत्रों को मिलेगा लाभ

उल्लेखनीय है कि अब तक अजमेर डिस्कॉम के 14 में से 13 जिलों में किसानों को दिन में दो ब्लॉक में बिजली आपूर्ति की व्यवस्था लागू थी। बिरलोका जीएसएस के शुरू होने से शेष जिले में भी इस व्यवस्था का विस्तार होगा।

इस परियोजना से बिरलोका, नारवा, हिसाबा, पांचला सिद्धा, खींवसर, पांचौड़ी सहित आसपास के क्षेत्रों को लाभ मिलेगा। विशेष रूप से संपूर्ण खींवसर तहसील में किसानों को दिन के समय दो ब्लॉक में बिजली उपलब्ध कराने की व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

विद्युत छीजत घटेगी, आपूर्ति गुणवत्ता सुधरेगी

लगभग 170 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस जीएसएस में 160 एमवीए क्षमता का 220/132 केवी पावर ट्रांसफॉर्मर स्थापित किया गया है। अत्याधुनिक स्काडा प्रणाली के उपयोग से पश्चिमी राजस्थान में उत्पादित सौर ऊर्जा का नागौर जिले में बेहतर उपयोग संभव होगा। इसके साथ ही विद्युत छीजत में कमी आएगी तथा वोल्टेज स्तर, बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता और विश्वसनीयता में सुधार होगा।

26 जिलों में दिन में मिल रही बिजली

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कृषक हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए वर्ष 2027 तक प्रदेश के किसानों को दिन में बिजली आपूर्ति की बजट घोषणा की और इस दिशा में प्रतिबद्धता से कार्य करते हुए अब तक प्रदेश के 26 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है।

राजस्थान विधानसभा के अमृत महोत्सव के लिए राष्ट्रपति को आमंत्रित किया

स्पीकर वासुदेव देवनानी की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु से भेंट

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने रायपुर में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु से शिष्टाचार भेंट की। देवनानी ने राष्ट्रपति को राजस्थान विधानसभा के प्रतीक चिह्न (लोगो) की प्रतिकृति भेंट की और उन्हें राजस्थान विधानसभा के 75 वें वर्ष के अमृत महोत्सव में आयोजित किए जा रहे देशभर की महिला विधायकों के सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया। देवनानी ने राष्ट्रपति को इस महत्वपूर्ण ऐतिहासिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में पधारने का अनुरोध करते हुए कहा कि उनके सानिध्य में राजस्थान विधान सभा को संवैधानिक आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ करने की प्रेरणा मिलेगी।

देवनानी ने राष्ट्रपति को बताया कि राजस्थान विधान सभा वर्तमान में संसदीय लोकतंत्र की समृद्ध विरासत का जश्न मनाते हुए अपना 75वां अमृत महोत्सव मना रही है। इन महत्वपूर्ण समारोहों के एक जीवंत और अभिन्न अंग के रूप में, विधान सभा द्वारा 15 जुलाई 2026 को ''पूर्व और वर्तमान सदस्यों का विधायी गौरव यात्रा समागम'' आयोजित किया गया। विधान सभा के इतिहास में पहली बार आयोजित इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन और लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शिरकत की और समारोह को संबोधित किया। इस अनूठी पहल की सभी ने सर्वसम्मति से सराहना की।

देवनानी ने राष्ट्रपति के साथ राजस्थान विधानसभा की 75 वर्ष की गौरवशाली यात्रा के साथ ही पिछले दो वर्षों में राज्य विधान सभा में किए नवाचारों की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि राजस्थान विधानसभा के नये भवन का उद्घाटन देश के राष्ट्रपति आर. वेंकटरमन ने किया था। विधान सभा को देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु और अटल बिहारी वाजपेयी भी सम्बोधित कर चुके है। राष्ट्रपति मुर्मु द्वारा भी 14 जुलाई, 2023 को विधान सभा को सम्बोधित किया गया था।

देवनानी ने कहा कि राष्ट्रपति मुर्मु द्वारा उस दौरान दिया गया प्रेरणादायक भाषण राजस्थान विधान सभा की सामूहिक स्मृति में गहराई से अंकित है। उनके द्वारा दिये गये संदेश विधान सभा को निरन्तर ऊर्जा प्रदान कर रहे हैं। देवनानी ने राष्ट्रपति को बताया कि विधान सभा के गठन के बाद पहली बार विधान सभा के सभी द्वारों के नाम रखने के साथ ही विधान सभा का प्रतीक चिह्न (लोगो) भी जारी किया गया है।

इस लोगो में अशोक चिह्न, राष्ट्रीय ध्वज, विधान सभा का भव्य भवन, राज्य पशु ऊँट, राज्य पक्षी गोडावण, राज्य वृक्ष खेजड़ी के साथ संस्कृत के ध्येय वाक्य राष्ट्राय धर्मनिष्ठा विधायिका और धान की बाली का समावेश किया गया है।

बीकानेर में 22 हजार किलो खाद्य तेल सीज

नेपाल में निर्मित ''चॉइस'' ब्रांड का सूरजमुखी तेल और ''बाबा रामदेव छाप'' सरसों का तेल शामिल

जयपुर (कासं)। दीपावली के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा विभाग ने बीकानेर में कार्रवाई करते हुए बीछवाल औद्योगिक क्षेत्र स्थित मैसर्स लक्ष्मी नारायण भंवर लाल के गोदाम से करीब 22 हजार किलोग्राम खाद्य तेल सीज किया।

■ खाद्य सुरक्षा टीम ने 3 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया, 6 नमूने लिए

इसमें नेपाल में निर्मित ''चॉइस'' ब्रांड का सूरजमुखी तेल और ''बाबा रामदेव छाप'' सरसों का तेल शामिल है। 'चॉइस' सूरजमुखी तेल की लेबलिंग और प्रचार से जुड़े पहलुओं की जांच की जा रही है। विभाग ने एक ही दिन में तीन प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के छह नमूने लिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन तथा प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ के निर्देशन में प्रदेशभर में अभियान चलाया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त अविचल चतुर्वेदी के निर्देश पर अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह के मार्गदर्शन और संयुक्त आयुक्त वी.पी. शर्मा के पर्यवेक्षण में केंद्रीय खाद्य सुरक्षा दल ने यह कार्रवाई की।खाद्य सुरक्षा दल ने मैसर्स लक्ष्मी नारायण भंवर लाल के गोदाम से खाद्य तेल के तीन नमूने लिए। इसके अलावा मैसर्स नागड़ नारायण एग्रो इंडस्ट्रीज से नारियल पेड़ा का एक नमूना तथा रानी बाजार औद्योगिक क्षेत्र स्थित मैसर्स श्री बिशनलाल बाबूलाल की निर्माण इकाई से दो नमूने लिए गए। निरीक्षण में मिली कमियों के संबंध में संबंधित फर्मों को सुधार नोटिस जारी किए जाएंगे।

अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह ने बताया कि दीपावली के दौरान खाद्य तेल, घी, मावा, मिठाइयों सहित अन्य खाद्य पदार्थों के निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। भ्रामक लेबलिंग, अनुचित प्रचार तथा मिलावटी या असुरक्षित खाद्य पदार्थों के कारोबार पर विभाग सख्त कार्रवाई करेगा। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 और संबंधित नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर खाद्य नमूने लेने, उत्पाद सीज करने, अनुज्ञापत्र निलंबित या निरस्त करने तथा मामले की प्रकृति के अनुसार अभियोजन सहित वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

विभाग ने खाद्य कारोबारियों से निर्धारित मानकों तथा पैकेजिंग और लेबलिंग संबंधी नियमों का पालन करने की अपील की है।

भजनलाल सरकार ने युवाओं को रोजगार, कौशल और स्वरोजगार के नए अवसर दिए : मदन राठौड़

प्रदेश में युवाओं को 1.93 लाख सरकारी नियुक्तियां दीं, 1.18 लाख पदों पर भर्ती जारी : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार, कौशल विकास, स्वरोजगार और उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराने के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार के 34 माह के कार्यकाल में 1.93 लाख से अधिक सरकारी नियुक्तियां दी गई हैं, जबकि 1.18 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है और 70031 पदों पर भर्ती की तैयारी है। सरकार ने 410 से अधिक परीक्षाएं बिना पेपर लीक आयोजित की हैं। वहीं, 5 लाख से अधिक युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराया गया है और आगामी समय में 10 लाख रोजगार अवसर उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

राठौड़ ने कहा कि बड़े उद्योगों के माध्यम से 20 से 25 लाख रोजगार सृजित करने की योजना है। एमएसएमई और राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) से जुड़े उद्यमों को प्रोत्साहित करने के लिए 500 करोड़ रुपये के निवेश से न्यूनतम ब्याज दर पर 10 लाख रुपये तक ऋण उपलब्ध कराने की पहल की जा रही है। आईटीआई उत्तीर्ण युवाओं को रोजगार और स्टार्टअप से जोड़ने पर भी जोर दिया जा रहा है।राठौड़ ने कहा कि राजीविका के माध्यम से महिला स्वयं सहायता समूहों को आजीविका संवर्धन के लिए 1,000 करोड़ रुपये और बैंक ऋण के रूप में 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक उपलब्ध कराने की योजना है। राजस्थान महिला निधि के माध्यम से लखपति दीदियों को 1.5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर 1.50 लाख रुपये तक ऋण देने तथा 25 लाख महिलाओं को लखपति दीदी श्रेणी में लाने पर जोर दिया जा रहा है। ग्रामीण महिलाओं के लिए 25 हजार सोलर दीदियों का कैडर विकसित करने की पहल भी की जा रही है। राठौड़ ने बताया कि कृषि शिक्षा प्रोत्साहन के तहत 90401 छात्राओं को 155 करोड़ रुपये की सहायता का प्रावधान है। कृषि स्नातक छात्राओं को 15 हजार रुपये, स्नातकोत्तर छात्राओं को 25 हजार रुपये और कृषि पीएचडी करने वाली छात्राओं को 40 हजार रुपये प्रोत्साहन दिया जाता है। खेल अकादमियों में 895 विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। आवासीय खेल विद्यार्थियों को 4,000 रुपये तथा छात्रावास एवं आवासीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को 3250 रुपये प्रतिमाह भोजन भत्ता दिया जा रहा है। इसके अलावा 4,776 जनजातीय युवाओं को कौशल प्रशिक्षण से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य युवाओं को शिक्षा, कौशल, सरकारी भर्ती, निजी रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर आत्मनिर्भर बनाना तथा प्रदेश के आर्थिक विकास में उनकी भागीदारी बढ़ाना है।

सेवा भारती समिति का वार्षिकोत्सव आज

जयपुर। नर सेवा-नारायण सेवा के ध्येय वाक्य के साथ समाज के वंचित, अभावग्रस्त एवं उपेक्षित वर्ग में सेवा कार्य कर रही सेवा भारती समिति, जयपुर का वार्षिकोत्सव 26 अक्टूबर को दोपहर 2:30 बजे आयोजित होगा। समिति के महानगर अध्यक्ष महेश चन्द्र गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन दीप स्मृति सभागार, टैगोर इंटरनेशनल स्कूल, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर में किया जाएगा। कार्यक्रम में संत आशीर्वाद पूज्य संत मुन्नादास खोड़ा, नवल पीठाधीश्वर, झोटवाड़ा का प्राप्त होगा। मुख्य वक्ता के रूप में सरकार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दत्तात्रेय होसबाले का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंगलम् ग्रुप, जयपुर के निदेशक संजय गुप्ता होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में उद्योगपति एवं समाजसेवी निखिल जैन तथा 3 एस ग्लोबल ग्रीन्स प्रा. लि. के प्रबंध निदेशक विजेन्द्र सिंह तंवर उपस्थित रहेंगे। उल्लेखनीय है कि जयपुर महानगर में सेवा भारती द्वारा वर्तमान में 257 बस्तियों में कुल 379 सेवा कार्य संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें 133 शिक्षा, 48 स्वास्थ्य, 52 स्वावलम्बन और 146 सामाजिक आयाम के कार्य शामिल हैं।

यूजीसी नियमों की वापसी और सवर्ण आयोग की मांग गूंजी

विद्याधर नगर स्टेडियम करणी सेना के नेतृत्व में सवर्ण आक्रोश सभा आयोजित

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। विद्याधर नगर स्टेडियम में रविवार को राष्ट्रीय करणी सेना के नेतृत्व में आयोजित सवर्ण आक्रोश सभा में विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों ने अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। सभा में यूजीसी नियमों की वापसी, आरक्षण व्यवस्था में सुधार, एससी-एसटी एक्ट में संशोधन, ईडब्ल्यूएस प्रक्रिया के सरलीकरण, सवर्ण आयोग के गठन और गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने जैसी मांगें उठाई गईं। राष्ट्रीय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव सिंह शेखावत की अगुवाई में आयोजित सभा में सुबह से ही युवाओं और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों का पहुंचना शुरू हो गया।

■ सीकर रोड जाम करने जा रहे युवाओं को पुलिस ने रोका, समझाइश कर लौटाया

विद्याधर नगर स्टेडियम में रविवार को राष्ट्रीय करणी सेना के नेतृत्व में आयोजित सवर्ण आक्रोश सभा में अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की।

सभा के दौरान उपमुख्यमंत्री एवं स्थानीय विधायक दीया कुमारी को मौके पर बुलाकर ज्ञापन सौंपने की मांग उठी। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि दिया कुमारी स्वयं सभा स्थल पर आकर समाज के प्रतिनिधियों से ज्ञापन लें, इसके बाद ही सभा समाप्त कर स्टेडियम खाली किया जाएगा। इस मांग को लेकर माहौल तनावपूर्ण हो गया। पुलिस अधिकारियों ने आयोजकों से बातचीत कर समझाइश के जरिए स्थिति संभालने का प्रयास किया।

इसी बीच युवाओं के एक समूह ने सीकर रोड जाम करने की चेतावनी दी और सड़क की ओर बढ़ने लगा। मौके पर तैनात पुलिस बल ने उन्हें रोककर समझाइश की और वापस सभा स्थल की ओर भेजा। पुलिस की तत्परता से सड़क पर जाम की स्थिति बनने से बच गई।

सभा के दौरान अनशन कर रहीं लक्ष्मी तंवर को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बजरंग सिंह शेखावत ने जूस पिलाकर अनशन समाप्त कराया। प्रशासन की ओर से उनकी मांगों को मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का आश्वासन दिया गया, जिसके बाद उन्होंने अनशन समाप्त किया।

राष्ट्रीय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव सिंह शेखावत ने कहा कि सभा किसी एक समाज तक सीमित नहीं है, बल्कि सर्व समाज के अधिकारों और न्याय से जुड़े मुद्दों को उठाने का मंच है। उन्होंने आरक्षण व्यवस्था में सुधार, यूजीसी नियमों की वापसी, एससी-एसटी एक्ट में संशोधन और ईडब्ल्यूएस प्रक्रिया को सरल बनाने की मांगों पर सरकार से गंभीरता से विचार करने की अपील की। शेखावत ने कहा कि सवर्ण आयोग का गठन कर समाज की समस्याओं के समाधान के लिए संस्थागत व्यवस्था बनाई जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि मांगों को मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का आश्वासन मिला है, लेकिन समाज अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस निर्णय और कार्रवाई चाहता है। सभा का समापन प्रशासन और आयोजकों के बीच बातचीत के बीच हुआ।

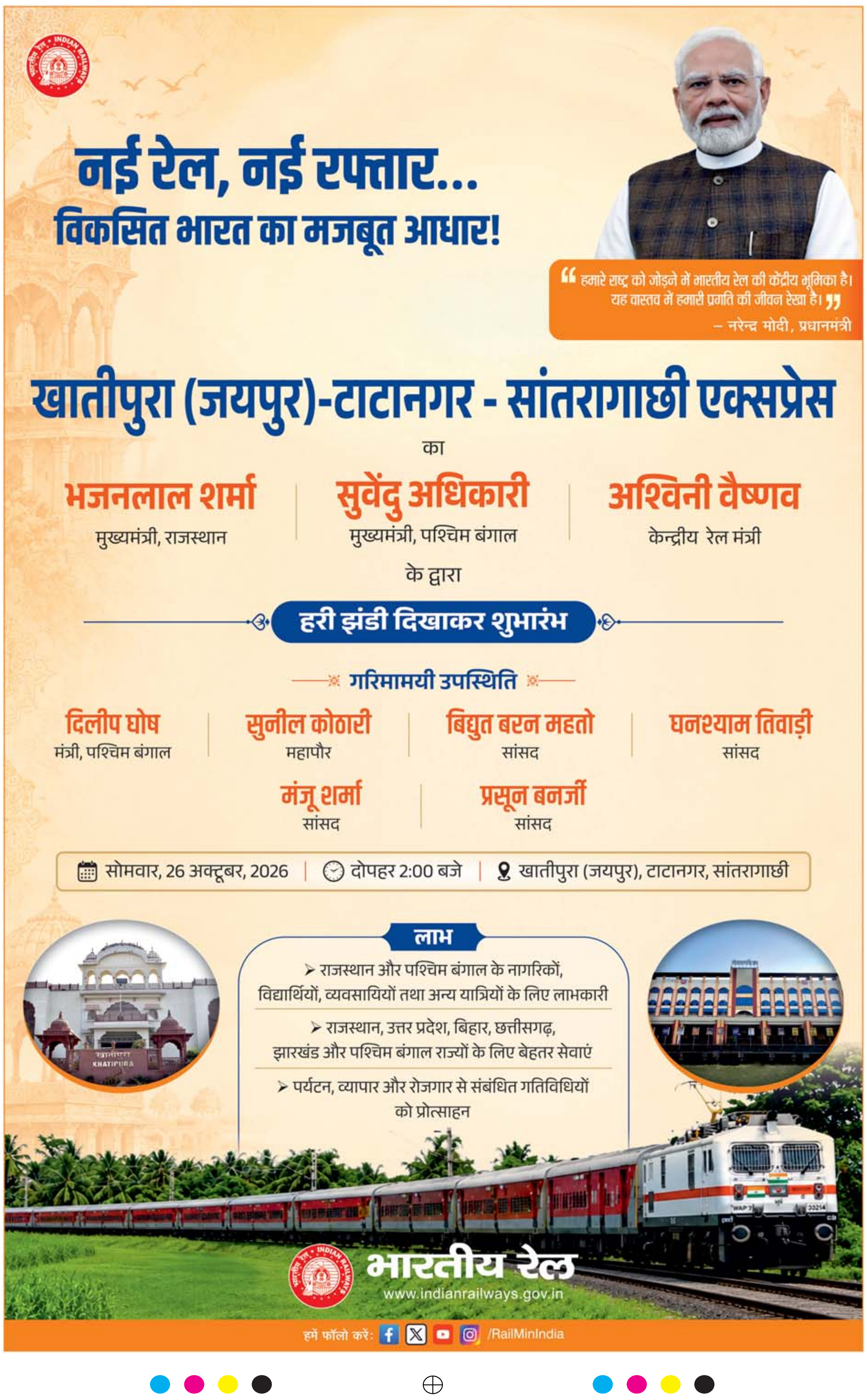

सरपंच बनने की खुशी में रैली के दौरान आतिशबाजी करने पर टोकने से भिड़े दो पक्ष, आठ जने घायल

अलवर जिले में डाबरी ग्राम पंचायत में आपसी विवाद में दो महिलाओं की हालत गंभीर, अलवर रेफर

अलवर, (निसं)। पंचायत चुनाव के परिणाम आने के बाद नौगांवा में चुनावी रंजिश से जुड़े विवाद सामने आने लगे हैं। डाबरी ग्राम पंचायत में सरपंच बनने की खुशी में रैली निकालने और आतिशबाजी करने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया और दोनों पक्षों के आठ लोग घायल हो गए। इनमें चार लोगों के सिर में चोट आने पर टांके लगाने पड़े, जबकि दो महिलाओं की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें अलवर रेफर किया गया। वहीं, बलरामपुर ग्राम पंचायत के पाटनभान में भी चुनावी रंजिश को लेकर दो पक्षों में पत्थरबाजी और लाठीबाजी हुई। पुलिस ने शांतिभंग करने के आरोप में 12 लोगों को गिरफ्तार किया है।

विवाद के बाद मौके पर पुलिस जाब्ता तैनात किया गया।

- **बलरामपुर ग्राम पंचायत के पाटनभान में भी चुनावी रंजिश को लेकर पत्थरबाजी और लाठीबाजी, 12 जनों को गिरफ्तार किया**
- **पाटनभान निवासी असलूप ने आरोप लगाया कि सरपंच और समर्थक जीत की खुशी में डीजे पर अश्लील गाने बजाते हुए रैली निकाल रहे थे**

ग्रामीणों के अनुसार, डाबरी में सरपंच बनने की खुशी में एक पक्ष की ओर से रैली निकाली जा रही थी और आतिशबाजी की जा रही थी। इसी दौरान जानवरों से दूर रहकर आतिशबाजी करने के लिए कहने पर दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और उनके बीच लाठी-डंडे चलने लगे।

ग्रामीणों के मुताबिक, दूसरा पक्ष चुनाव में हारी उम्मीदवार का समर्थक था। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। मारपीट में घायल लोगों को नौगांवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। चार घायलों के सिर में चोट आने पर टांके लगाए गए। वहीं, दो महिलाओं की गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें अलवर रेफर कर दिया। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है।

पाटनभान में डीजे पर गाने बजाने को लेकर विवाद :- बलरामपुर ग्राम पंचायत के पाटनभान में भी चुनावी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और दोनों पक्षों में पत्थरबाजी होने लगी। इस दौरान लाठियां भी चलीं, जिससे गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पाटनभान निवासी असलूप ने आरोप लगाया कि सरपंच और उनके समर्थक जीत की खुशी में डीजे पर अश्लील गाने बजाते हुए रैली निकाल रहे थे। गाने बजाने से रोकने पर समर्थकों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया।

थानाधिकारी हरदयाल सिंह ने बताया कि पाटनभान के मामले में शांतिभंग करने के आरोप में कुल 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस मामले में आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

नाबालिग पोती की हत्या के आरोप में दादा गिरफ्तार

बूंदी, (निसं)। जिले के नैनवां थाना क्षेत्र में नाबालिग पोती की हत्या के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी दादा मोहननाथ को गिरफ्तार किया है। आरोपी दुगारी गांव की कालबेलिया बस्ती का निवासी है। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

परिवादी नारायण नाथ ने 24 अक्टूबर को रिपोर्ट दर्ज करवाई कि वह करीब साढ़े तीन बजे घर लौटा तो उसकी नाबालिग बेटी पूजा कमरे में खून से लथपथ और बेहोश अवस्था में मिली। परिवादी की पत्नी ने बताया कि उसने मोहन नाथ को खून लगे हाथों और कपड़ों के साथ मोटरसाइकिल लेकर घर से जाते देखा था। परिजन घायल बालिका को बूंदी के सरकारी अस्पताल ले गए, जहां से उसे कोटा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। वहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा के निर्देश पर आरोपी की तलाश के लिए पुलिस टीम गठित की गई। नैनवां वृत्ताधिकारी ओमप्रकाश के सुपरविजन में थानाधिकारी हेमराज मीणा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने कार्रवाई त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी मोहन नाथ को हिरासत में लेकर अनुसंधान के बाद गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में नैनवां थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में अग्रिम अनुसंधान जारी है।

डंपर ने बाइक को टक्कर मारी, दो जनों की मौत

बीकानेर, (निसं)। जिले के बज्जू क्षेत्र में 954 आरडी बीकमपुर रोड पर डंपर की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के समय बाइक पर तीन युवक सवार थे।

जानकारी के अनुसार, तीनों युवक बाइक पर 954 आरडी बीकमपुर रोड से गुजर रहे थे। इसी दौरान एक डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयंकर थी कि दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। इस हादसे में तीसरे युवक मोहन जाट ने बाइक से कूदकर अपनी जान बचाई। सड़क हादसे में जाटावास, बज्जू निवासी लेखराम (20) पुत्र मानाराम जाट और बीठनोक निवासी बलदेव (22) पुत्र रामेश्वरलाल ब्राह्मण की मौत हो गई। वहीं, जाटावास, बज्जू निवासी मोहन (18) पुत्र टीकूराम जाट गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर बज्जू पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई शुरू की। फिलहाल पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। फूलासर छोटा ग्राम पंचायत में पंचायत चुनाव के चलते एक प्रत्याशी के यहां तीनों हलवाई का काम कर रहे थे। रात को काम निपटाकर घर वापस लौट रहे थे। बीठनोक निवासी बलदेव ब्राह्मण की शादी दो साल पहले हुई थी और वो एक छोटी बेटी का पिता है। वहीं, लेखराम अपने भाई बहनों में सबसे छोटा था और अविवाहित था।

डूंगरपुर के डूका ग्राम पंचायत में उप सरपंच चुनाव के दौरान बीएलओ की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। जिले में भंडारी पंचायत समिति क्षेत्र के डूका ग्राम पंचायत में बीएलओ अशोक बारिया की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। उप सरपंच पद पर चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया के दौरान उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गई। उन्हे तुरंत ही गुजरात के मोडासा अस्पताल लेकर गए, लेकिन बचाया नहीं जा सका। वही बीएलओ की मौत के बाद परिवार में मातम का माहौल है।

- **नामांकन प्रक्रिया के दौरान बीएलओ अशोक कुमार बारिया की तबीयत बिगड़ गई थी, अस्पताल में दम तोड़ा**

जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत डूका में 22 अक्टूबर को जिला परिषद और पंचायत समित सदस्य, 24 अक्टूबर को सरपंच और वार्डपंच पद के चुनाव हुए। बीएलओ अशोक कुमार बारिया (40) भी अपने ही पंचायत चुनाव में ड्यूटी पर थे। रात में स्कूल में ही रुक गए थे।वे राजकीय प्राथमिक विद्यालय पालनपुरा में टीचर थे। वे पंचायत की मतदानकर्मियों से जुड़ी कई व्यवस्थाओं को संभाल रहे थे। शनिवार को सरपंच पद के चुनाव और फिर देर रात तक चली मतगणना की वजह से वे स्कूल में ही रुक गए थे। वहीं रविवार को भी पंचायत में उपसरपंच पद के लिए चुनाव थे। इसके लिए स्कूल परिसर में ही नामांकन की प्रक्रिया चल रही थी। इस दौरान उनकी अचानक से तबीयत बिगड़ गई। आसपास के लोगों ने संभाला और मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। उन्हें तुरंत गुजरात के मोडासा अस्पताल लेकर गए, लेकिन डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। इसके बाद गांव में मातम पसर गया। मतदान दल ने इसकी सूचना प्रशासन को दी है। वहीं उनकी मौत के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है। अब सभी की नजरें पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और पुलिस की आगे की कार्रवाई पर टिकी हैं।

अशोक कुमार बारिया अपने परिवार के प्रमुख सहारे थे। उनकी 5 बेटियां हैं और कोई बेटा नहीं है। परिवार के लिए यह घटना किसी बड़े सदमे से कम नहीं है। जिस पिता के सहारे बेटियों का भविष्य संवरना था, उनके अचानक चले जाने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना की खबर से परिचितों और क्षेत्र में शोक का माहौल है।

सरपंच चुनाव परिणाम के बाद बीकानेर के केला गांव में हंगामा

बीकानेर, (निसं)। जिले की छतरगढ़ पंचायत समिति के केला गांव में सरपंच चुनाव का परिणाम घोषित होने के बाद विवाद हो गया। जमीला पत्नी इकबाल की जीत के बाद कुछ लोगों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। देखते ही देखते स्थिति तनावपूर्ण हो गई और पुलिस-प्रशासन की तीन गाड़ियों में तोड़फोड़ कर दी गई।

- **पुलिस के तीन वाहनों में तोड़फोड़, पुलिसकर्मी व कर्मचारी घायल**

जानकारी के अनुसार, देर रात तक चली मतगणना के बाद चुनाव परिणाम घोषित किया गया। इसके बाद कुछ लोगों ने विरोध जताते हुए हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान पुलिस और प्रशासन की टीम पर भी हमला किए जाने की सूचना है। पत्थरबाजी में कई पुलिसकर्मियों और कर्मचारियों के घायल होने की बात सामने आई है। हंगामा बढ़ने पर पुलिस ने उपद्रव कर रहे लोगों को नियंत्रित करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया। सूचना मिलने पर उपखंड अधिकारी पवन कुमार और थाना अधिकारी नवनीत सिंह सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी हालात संभालने में जुटे रहे। घटना के बाद केला गांव में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है।

स्मैक सहित आरोपी को पकड़ा

बूंदी, (निसं)। अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली थाना पुलिस ने 3 ग्राम 20 मिलीग्राम स्मैक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा ने बताया कि उप निरीक्षक देशराज सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए चेकिंग के दौरान जुगल किशोर तंवर उर्फ बंटी (44), निवासी कागदी देवरा, बूंदी के पास से 3 ग्राम 20 मिलीग्राम स्मैक बरामद की और मादक पदार्थ जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है।

धौलपुर के दिहोली थाने की खिड़की तोड़कर शातिर तस्कर फरार

एसपी ने ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर दो पुलिसकर्मियों को निलंबित किया

धौलपुर, (निसं)। दिहोली थाने में पुलिस कस्टडी से एक शातिर तस्कर के फरार होने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। एनडीपीएस एक्ट के तहत पीसी रिमांड पर चल रहा आरोपी पुलिसकर्मियों को चकमा देकर थाने की खिड़की तोड़कर भाग निकला। इस घटना के बाद से पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने मामले को बेहद गंभीरता से लेते हुए ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में दो पुलिसकर्मियों को तुरंत निलंबित कर दिया है।

- **1.30 करोड़ के गांजे की तस्करी के मामले में थाने में पीसी रिमांड पर चल रहा था आरोपी**

प्राप्त जानकारी के अनुसार, करीब 8 दिन पूर्व धौलपुर पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए आंध्र प्रदेश निवासी दो तस्करों को 261 किलो अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया था, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 1 करोड़ 30 लाख रुपये आंकी गई थी। पकड़े गए दो आरोपियों में से एक आरोपी वर्तमान में जेल में बंद है, जबकि दूसरा आरोपी पुलिस की पीसी रिमांड पर था, जिससे दिहोली थाने में पूछताछ की जा रही थी। शनिवार-रविवार की दरमियानी अवधि में आरोपी टी श्रीनिवास ने थाने की बैरक या कमरे की खिड़की को निशाना बनाया और उसे तोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए रफूचक्कर हो गया। कस्टडी से आरोपी के गायब होने की भनक लगते ही थाने में हड़कंप मच गया और आनन-फानन में उच्चाधिकारियों को सूचित किया गया।

घटना की सूचना मिलते ही एसपी विकास सांगवान ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने फरार आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में नया मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही लापरवाही बरतने वाले दो कांस्टेबलों को सस्पेंड कर दिया गया है। एसपी ने बताया कि फरार तस्कर की धरपकड़ के लिए पुलिस की कई विशेष टीमें गठित की गई हैं, जो जिले के सीमावर्ती इलाकों और संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं। पुलिस का दावा है कि आरोपी को जल्द ही दोबारा गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अवैध खनन मामले में तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में चलाये जा रहे अवैध खनन व परिवहन के विरूद्ध विशेष अभियान में उनियारा वृताधिकारी अशोक कुमार एवं नगरफोर्ट थानाधिकारी राजेन्द्र ताडा के नेतृत्व में गठित थाना टीम ने कार्रवाई करते हुए नगरफोर्ट क्षेत्र में स्थित एचपी पेट्रोल पम्प के सामने टोक रोड पर अवैध पत्थर भरकर परिवहन करने के लिए जा रहे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया गया। इसी प्रकार इस अभियान में बरोनी थाना पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए ग्राम पहाडी व अभयपुरा से दो ट्रैक्टर-ट्रॉली को अवैध बजरी से भरे हुए को जब्त किया गया। इस दौरान पुलिस ने सभी ट्रैक्टरों के चालकों व मालिकों के विरूद्ध एमएमडीआर एक्ट मे प्रकरण दर्ज कर जाकर अनुसंधान जारी है।

दौसा में बदमाशों ने घर के बाहर से व्यक्ति का अपहरण किया

कार में बेरहमी से पीटा, खाते से 92 हजार रुपए ट्रांसफर करवाए

दौसा, (निसं)। जिले में बदमाशों के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। सिकंदरा थाना क्षेत्र में शनिवार रात बदमाशों ने एक व्यक्ति को उसके घर के बाहर से अगवा कर लिया। आरोपी पीड़ित को कार में डालकर काफी देर तक इधर-उधर घुमाते रहे और उसके साथ मारपीट करते रहे। इस दौरान बदमाशों ने मोबाइल का पासवर्ड पूछकर उसके बैंक खाते से ऑनलाइन 92 हजार रुपए भी ट्रांसफर करवा लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पीड़ित को बावनपाड़ा के पास एक सुनसान जगह पर पटककर फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित सिकंदरा थाने पहुंचा और अज्ञात बदमाशों के खिलाफ अपहरण व लूट का मामला दर्ज कराया।

- **आरोपी पीड़ित को सिकंदरा थाना क्षेत्र में बावनपाड़ा के पास सुनसान जगह पर छोड़कर मौके से फरार हो गए**

सिकंदरा थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह के अनुसार, थाना क्षेत्र के ईटका गांव निवासी पीड़ित ने प्राथमिकी में बताया कि शनिवार देर रात करीब 11:30 बजे वह अपने घर के बाहर बंधे मवेशियों को देखने के लिए निकला था। इसी दौरान एक कार में सवार बदमाशों ने उसे रास्ता पूछने के बहाने अपने पास बुलाया। पीड़ित जैसे ही रास्ता बताने के लिए कार के नजदीक पहुंचा, आरोपियों ने उसे अचानक पकड़ लिया और जबरन गाड़ी के अंदर खींच लिया। इसके बाद बदमाश उसे अगवा कर अपने साथ ले गए। पीड़ित के मुताबिक, कार में आरोपी उसके साथ लगातार मारपीट करते रहे और उसे धमकाकर मोबाइल का पासवर्ड पूछ लिया। आरोपियों ने पीड़ित के मोबाइल फोन के जरिए उसके बैंक खाते से ऑनलाइन 92 हजार रुपए ट्रांसफर करवा लिए, वारदात के दौरान पीड़ित बदमाशों के कब्जे में रहा। इसके बाद आरोपी उसे सिकंदरा थाना क्षेत्र में बावनपाड़ा के पास सुनसान जगह पर छोड़कर मौके से फरार हो गए। बदमाशों के जाने के बाद पीड़ित ने पुलिस थाने पहुंचकर पूरी घटना की जानकारी दी। पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपहरण और लूट का मामला दर्ज कर लिया है।

दशहरा मेला में अवैध हथियार सहित तीन आरोपी पकड़े

कोटा, (निसं)। किशोरपुरा पुलिस टीम ने दशहरा मेला में अवैध हथियार तेज धारदार चाकू सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस टीम ने मेला में उत्पात मचाने के आरोप में 11 व्यक्तियों को पकड़ा है। शहर पुलिस ने बताया कि शहर में आयोजित 133वाँ राष्ट्रीय दशहरा मेला में कार्रवाई के लिये किशोरपुरा थानाधिकारी चेतन शर्मा के नेतृत्व में टीम गठित की गई है। टीम ने दशहरा मैदान में स्थित पशु मेले मे कार्रवाई करते हुए आरोपी दादाबाड़ी निवासी शोयब उर्फ शोफ्टी, जयहिंद नगर निवासी राहुल मेघवाल और नयापुरा निवासी लक्की मेरोठा को गिरफ्तार किया, जिनके कब्जे से चाकू बरामद किया गया। शहर एसपी ने बताया कि दशहरा मेले में तैनात पुलिस टीम ने मेले में उत्पात मचाने के मामले में कार्रवाई करते हुए अरविन्द मीणा, खुशवीर पारेता, अंकित जाटव, महावीर व राजू बागड़ी को शांतिभंग में गिरफ्तार किया तथा लड़ाई-झगड़ा करने के मामले में कार्रवाई करते हुए राहुल सैनी, राकेश पडीरवाल, नीरज मीणा, गोलू, दीपू उर्फ दीपक एवं मोहित मीणा को गिरफ्तार किया गया।

भरतपुर में ट्रक ने साइकिल सवार मजदूर को कुचला, मौत

भरतपुर, (निसं)। आगरा-जयपुर नेशनल हाइवे पर सारस चौराहे के पास बने बालाजी कट पर रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। साइकिल से मजदूरी करने भरतपुर आ रहे एक मजदूर को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि ट्रक मजदूर के ऊपर से गुजर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान सेवर थाना क्षेत्र के गांव बरसो निवासी श्यामवीर पुत्र रतन सिंह (40 वर्ष) के रूप में हुई है।

मृतक के परिजन किशनदास ने बताया कि श्यामवीर रविवार सुबह साइकिल से मजदूरी करने के लिए भरतपुर आ रहा था। जब वह नेशनल हाइवे पर सारस चौराहे से पहले बने कट को पार कर रहा था, तभी तेज रफ्तार ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। ट्रक उसके पेट के ऊपर से निकल गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर मथुरा गेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आरबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया और परिजनों को सूचना दी। पुलिस की नाकाबंदी के दौरान ट्रक को पकड़ लिया गया। मृतक के भाई सुंदरलाल की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू की। मथुरा गेट थाना के एएसआई हरगोपाल सिंह ने बताया कि सुबह करीब पौने नौ बजे सारस चौराहे के पास बालाजी कट पर हादसे की सूचना मिली थी। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और मृत अवस्था में मिले व्यक्ति के शव को अस्पताल पहुंचाया।

लाखों के जेवर व नगदी की चोरी का आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में 24 तोला सोना और 5 लाख की नगदी चोरी के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। चोर मकान के ताले और बेडरूम की खिड़की तोड़कर अंदर घुसे और अलमारी में रखे करीब 24 तोल सोने के आभूषण, 100 ग्राम चांदी और कैश चोरी कर ले गए थे। पुलिस इस मामले में आरोपी से पूछताछ कर रही है। मामले में देवीसिंह राजपुरोहित ने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

रिपोर्ट के अनुसार, 13 सितंबर को वह परिवार सहित ट्रेन से वृंदावन गए हुए थे और घर पर आगे के कमरे में उनके साले का लड़का मोहित रुका हुआ था, जबकि बेडरूम और कमरों के ताला लगा था।16 सितंबर की रात करीब 8.30 बजे मोहित के पास फोन आया कि उनके मकान के ताले टूटे हुए हैं और बेडरूम के पीछे की खिड़की तथा अलमारी का लॉक टूटा है। सुबह घर लौटने पर जब अलमारी की जांच की गई, तो उसमें रखे करीब 24 तोला वजनी सोने के गहने जिसमें दो चेन, अंगूठियां, आड, ठुसी, रखड़ी सेट, शीशफूल, कानों के झुमके-लटकन, फूंसी, मादलिया, मंगलसूत्र और फीणी आदि गायब थी। इसके अलावा चांदी की पांच जोड़ियां पायल, कड़ा पायल और लक्ष्मी जी के 5 सिक्के, सहित कुल 5 लाख रुपये नकद गायब मिले। इस पर थाने में रिपोर्ट दी गई। रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आस-पड़ोस में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। जिसमें सामने आया कि 15 और 16 सितंबर की रात करीब 12 बजे 2 संदिग्ध मोटरसाइकिल पर आए थे और मकान के आगे से निकलने के डेढ़ घंटे बाद वापस गए। मामले में उपनिरीक्षक चमनाराम को जांच सौंपी थी। जिसमें कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी दीपक जोशी (36) पुत्र मुन्नालाल को गिरफ्तार कर लिया है।

सूने मकान के ताले तोड़कर लाखों की चोरी

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के रामनगर में शनिवार रात चोरों ने बिजली विभाग के रिटायर कर्मचारी कैलाश के सूने मकान को निशाना बनाया। चोर ताले तोड़कर घर से लाखों रुपए के जेवर और नगदी चुरा ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार कैलाश परिवार के साथ शनिवार दोपहर उदयपुर के सिहाड़ गांव में भैरव जी के दर्शन के लिए गए थे। रात को घर लौटने पर उन्होंने मुख्य दरवाजे का कुंडा टूटा देखा। शोर मचाने पर पड़ोसी भी इकट्ठा हो गए। चोरों ने कैलाश की माता केसर बाई की जमा पूंजी और गहने चुराए। इनमें दो किलो चांदी के जेवर, तीन सोने की अंगूठी, दो तोला सोने की बजंती और पेटी में रखी नगदी शामिल है। कोतवाली पुलिस को सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और जांच की।

कोटा में बड़गांव चौकी पर तैनात कांस्टेबल दो हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। भ्ष्ट्राचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) टीम ने परिवादी की शिकायत पर ट्रेप कार्रवाई करते हुए थाना नान्ता के बड़गांव चौकी पर तैनात कांस्टेबल अभयसिंह को परिवादी से दो हजार रुपये की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

मामले में सामने आया कि आरोपी कांस्टेबल अभयसिंह ने सड़क दुर्घटना के मामले में परिवादी को झूठा फंसाने की धमकी देकर रूपये मांगे थे। कांस्टेबल परिवादी से पूर्व में 700 रूपये की रिश्वत राशि ले चुका है। एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय स्वर्णकार ने बताया कि परिवादी द्वारा शिकायत मिली की कुछ समय पहले एक डम्पर द्वारा मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी थी। मामले में उक्त मोटरसाइकिल के परिवादी की कार से टकराने के बाद उत्पन्न विवाद के संबंध में डम्पर मालिक द्वारा परिवादी के विरुद्ध थाना नान्ता में रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी, जिसकी जांच थाना नान्ता की बड़गांव चौकी पर तैनात कांस्टेबल अभयसिंह द्वारा की जा रही थी।

आरोपी कांस्टेबल

- **आरोपी कांस्टेबल ने सड़क दुर्घटना के मामले में परिवादी को झूठा फंसाने की धमकी देकर रूपये मांगे थे, कांस्टेबल परिवादी से पूर्व में 700 रूपये की रिश्वत राशि ले चुका था**

आरोप है कि कांस्टेबल अभयसिंह द्वारा परिवादी को उक्त प्रकरण में झूठा फंसाने की धमकी देकर रिश्वत राशि की मांग की जा रही थी। उक्त शिकायत पर रिश्वत मांग का सत्यापन करवाया गया। सत्यापन के दौरान आरोपी कांस्टेबल अभयसिंह द्वारा परिवादी से 700 रुपये रिश्वत राशि प्राप्त करना तथा शेष दो हजार रुपये रिश्वत राशि बाद में लेने की मांग करना पाया गया।

एसीबी एएसपी ने बताया कि रिश्वत मांग की पुष्टि के बाद एसीबी के पुलिस निरीक्षक पृथ्वीराज मीणा के नेतृत्व में गठित ट्रेप दल द्वारा कार्रवाई की गई, कार्रवाई के दौरान आरोपी कांस्टेबल अभयसिंह को बड़गांव चौकी पर परिवादी से 2,000 रुपये की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। मामले में एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव एवं महानिरीक्षक पुलिस एस परिमला के सुपरविजन में आरोपी से पूछताछ एवं अग्रिम कार्रवाई जारी है। आरोपी के निवास स्थान की तलाशी ली जा रही है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

आपसी विवाद में तीन जनों को पकड़ा

कोटा, (निसं)। एमबीएस अस्पताल परिसर में नो पार्किंग में से वाहन को उठाने एवं नियमानुसार 50 रूपये का जुर्माना मांगने के दौरान युवकों व स्टेंड पर कार्य करने वाले लड़कों के बीच झगड़े का मामला सामने आया है।

मामले में सामने आया कि वाहन चालक ने अन्य साथियो को बुलाकर स्टेंड पर कार्य कर रहे लड़कों पर लाठी व सरियों से हमला कर दिया। पुलिस ने हमला करने के आरोप में पुष्पेन्द्र, राकेश व अनिल को को गिरफ्तार किया है। रविवार को स्टेंड पर कार्य करने वाले लड़कों ने नो पार्किंग में खड़े एक वाहन को उठाकर पार्किंग में लाकर खड़ा किया, जब वाहन मालिक मौके पर पहुंचा तो स्टेंड संचालक ने वाहन मालिक से 50 रूपये जुर्माना रसीद कटवाने को कहा तो वाहन मालिक सहित उसके साथ मौजूद अन्य युवकों ने जुर्माना देने से मना किया, इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई और युवकों ने साथियों को बुलाया और स्टेंड पर काम करने वाले लड़कों पर अचानक से हमला कर दिया।

फर्जी बैंक खाते बेचने वाला बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़ा

निवेश के नाम पर 15 लाख रु. की ठगी से जुड़ा प्रकरण

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। साइबर पुलिस थाना जयपुर ने निवेश के नाम पर 15.04 लाख रुपए की ठगी के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी बुजुर्गों, आर्थिक रूप से कमजोर लोगों और विद्यार्थियों को पैसों का लालच देकर उनके नाम पर फर्जी ऑनलाइन मर्चेंट खाते खुलवाता था। बाद में इन खातों को मोटी रकम और कमीशन लेकर दूसरे राज्यों में सक्रिय साइबर ठगों को बेच देता था।

आरोपी राजकुमार उर्फ राजू

- **बुजुर्गों, मजदूरों और विद्यार्थियों को लालच देकर खाते खुलवाते थे आरोपी**
- **साइबर थाना पुलिस इस मामले में अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार किया**

पुलिस के अनुसार, परिवादी को ईजेडइन्वेस्ट कंपनी के नाम पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में निवेश कर अधिक मुनाफा दिलाने का झांसा दिया गया। इसके बाद छह अलग-अलग लेन-देन के जरिए 15 लाख 4 हजार 999 रुपए की ठगी की गई। मामले में साइबर पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस उपायुक्त (अपराध) अनुष्ठा कालिया के मार्गदर्शन में गठित टीम ने तकनीकी अनुसंधान और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की। मामले में अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

गिरफ्तार आरोपी राजकुमार उर्फ राजू कासोटिया (35) सीकर जिले के लोसल थाना क्षेत्र का निवासी है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि कमीशन के लालच में अपना बैंक खाता किसी अन्य व्यक्ति को इस्तेमाल के लिए न दें और आधार, पैन, एटीएम पिन व बैंक ओटीपी जैसी गोपनीय जानकारी साझा न करें।

'सरकारी योजना और कैशबैक के नाम पर हो रही साइबर ठगी'

जयपुर। सरकारी योजनाओं में आर्थिक सहायता और कैशबैक का लालच देकर की जा रही साइबर ठगी को लेकर राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने आमजन के लिए एडवाइजरी जारी की है। पुलिस ने फेसबुक और इंस्टाग्राम पर जनप्रतिनिधियों के नाम और तस्वीरों का इस्तेमाल कर चलाए जा रहे फर्जी विज्ञापनों से सतर्क रहने की अपील की है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक साइबर क्राइम वीके सिंह ने बताया कि ठग प्रमुख सार्वजनिक और राजनीतिक हस्तियों की फर्जी पहचान का इस्तेमाल कर नकली सरकारी योजनाओं का प्रचार करते हैं। लोगों को आर्थिक सहायता दिलाने का झांसा देकर फर्जी वेबसाइट, फोन नंबर और व्हाट्सएप खातों के जरिए संपर्क किया जाता है। ठग कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार या बदले हुए वीडियो के जरिए ऐसा दिखाते हैं, मानो कोई जनप्रतिनिधि स्वयं योजना की घोषणा कर रहा हो। विज्ञापन पर क्लिक करने के बाद लोगों को फोन नंबर या वेबसाइट पर भेजा जाता है। कुछ मामलों में 92 कोड़ वाले विदेशी नंबरों से संपर्क कर बताया जाता है कि व्यक्ति का आर्थिक सहायता के लिए चयन हो गया है। इसके बाद पंजीकरण शुल्क, प्रक्रिया शुल्क, कर या सत्यापन शुल्क के नाम पर बार-बार पैसे मांगे जाते हैं। भुगतान करने के बाद भी योजना का लाभ नहीं मिलता और पीड़ित से लगातार रकम वसूली जाती है। पुलिस के अनुसार स्क्रैच कार्ड और स्पिन-एंड-विन प्रतियोगिताओं के जरिए नकली कैशबैक या पुरस्कार जीतने का संदेश भेजा जाता है। इसके बाद भुगतान ऐप पर यूपीआई कलेक्ट रिक्वेस्ट स्वीकार करने या यूपीआई पिन दर्ज करने के लिए कहा जाता है। ऐसा करने पर खाते से रकम कटकर ठगों के खातों में जा सकती है। राजस्थान पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी सोशल मीडिया विज्ञापन पर भरोसा करने से पहले संबंधित विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर योजना की पुष्टि करें। जनप्रतिनिधि या उनके कार्यालय के नाम पर 92 नंबर से कॉल या संदेश आने पर सतर्क रहें और संबंधित कार्यालय से सीधे संपर्क करें।

सार-समाचार

रंगोली गार्डन में बंगाली समाज ने श्रद्धा और भक्तिभाव से की मां लक्ष्मी की पूजा

जयपुर। शरद पूर्णिमा पर वैशाली नगर स्थित रंगोली गार्डन में बंगाली समाज की ओर से मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना यानी लोक्खी पूजा श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ की गई। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और शांति की कामना की। बंगाली समाज में शरद पूर्णिमा पर मनाई जाने वाली लोक्खी पूजा का विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। इसे कोजागरी लोक्खी पूजा भी कहा जाता है। बंगाली मान्यता के अनुसार, इस दिन मां लक्ष्मी की आराधना करने से घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है। आयोजन में बंगाली परंपराओं और रीति-रिवाजों की झलक देखने को मिली। पूजा स्थल पर पारंपरिक अल्पना यानी बंगाली रंगोली सजाई गई। मां लक्ष्मी को भोग अर्पित करने के बाद श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया। लोक्खी पूजा के माध्यम से बंगाली समाज के लोगों ने अपनी धार्मिक मान्यताओं और सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़कर मां लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

डॉ. रवि जिंदल को मिला अवार्ड

जयपुर। ऑल इंडिया टेंट डेकोरेटर वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रवि जिंदल को व्यावसायिक संगठनों के विकास और सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए ऑनर ऑफ अशोका अवॉर्ड-2026 से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित समारोह में उन्हें गोल्ड मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। चार्ल्स वाल्टर्स काउंसिल फॉर इनोवेशन एंड रिसर्च की ओर से आयोजित समारोह में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश केजी बालाकृष्णन और न्यायाधीश राजेश टंडन ने डॉ. जिंदल को सम्मानित किया। इससे पहले उन्हें डॉक्टरेट की उपाधि, अटल बिहारी अचीवमेंट अवॉर्ड और थाईलैंड में भारत गौरव अवॉर्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है। जयपुर जिले के निवाना गांव में जन्मे डॉ. जिंदल को यह सम्मान मिलने पर ग्रामीणों में खुशी की लहर है। ग्रामीणों ने मिठाई खिलाकर उन्हें बधाई दी और उनकी उपलब्धि को गांव के लिए गौरव का क्षण बताया।

बीपीसीएल के 4 पेट्रोल पंपों का निरीक्षण

जयपुर। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने यात्रियों को स्वच्छ और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'ड्राइवफ्रेश' अभियान के तहत जयपुर जिले के चार पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया। बीपीसीएल जयपुर टेरिटरी (रिटेल) की ओर से किए गए निरीक्षण में टोंक रोड स्थित श्री देव पेट्रोलियम, अजमेर रोड स्थित दादू दवाल डीजल्स, दूदू स्थित श्री एरो पेट्रोलियम और 22 गोदाम स्थित बोपी जयपुर आउटलेट शामिल रहे। कंपनी के अनुसार निरीक्षण के दौरान चारों पेट्रोल पंप निर्धारित मानकों पर खरे उतरे। यहां स्वच्छता और ग्राहक सुविधाओं से जुड़े नियमों का पालन पाया गया। अभियान के तहत विशेष रूप से शौचालयों की नियमित साफ-सफाई, निगरानी और उचित रखरखाव सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है। बीपीसीएल की ओर से तकनीक के उपयोग और कर्मचारियों की निगरानी के माध्यम से स्वच्छता मानकों को बनाए रखने की व्यवस्था की गई है। कंपनी का उद्देश्य पेट्रोल पंपों को केवल ईंधन भरवाने का स्थान नहीं, बल्कि यात्रियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक पड़ाव बनाना है। यह पहल विशेष रूप से लंबी दूरी की यात्रा करने वाले परिवारों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर केंद्रित है। साथ ही, स्वच्छ भारत मिशन और डिजिटल इंडिया के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने की दिशा में भी इसे महत्वपूर्ण कदम बताया गया है।

भामसं की जिला कार्यकारिणी घोषित

जयपुर। भारतीय मजदूर संघ जिला जयपुर का अधिवेशन राजा पार्क स्थित आदर्श विद्या मंदिर में आयोजित हुआ। इसमें 600 से अधिक पदाधिकारियों और सदस्यों ने भाग लिया। अधिवेशन में श्रमिक हितों, लंबित मांगों के समाधान और संगठन की मजबूती पर चर्चा की गई। अंतिम सत्र में नई जिला कार्यकारिणी घोषित की गई। इसमें हनुमान सहाय शर्मा को जिला अध्यक्ष, अजय सक्सेना को जिला मंत्री और अक्षय कुमार मीणा को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। उद्घाटन सत्र में सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा, सह-संगठन मंत्री हरिओम शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेंद्र शर्मा और राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एसके राठौड सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रंजीत गुर्जर ने की। मुख्य वक्ता हरिवंश शर्मा ने दत्तोपंत ठेंगड़ी के विचारों और श्रमिक हितों के प्रति उनके समर्पण पर प्रकाश डाला। उन्होंने श्रमिक समस्याओं को संगठित रूप से उठाने और लंबित मांगों के समयबद्ध निस्तारण पर जोर दिया। साथ ही राज्य सरकार से श्रमिकों और कर्मचारियों से जुडे मुद्दे विधानसभा में प्रमुखता से उठाने का आग्रह किया। अधिवेशन तीन सत्रों में आयोजित हुआ। इसमें संगठनात्मक गतिविधियों, विभिन्न यूनियनों के बीच समन्वय और आगामी कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया गया। महिला कार्यकर्ताओं ने भी भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों और प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया गया तथा भोजन-प्रसादी के साथ अधिवेशन संपन्न हुआ।

महारैली के लिए 11 समितियां गठित

जयपुर। संविधान दिवस पर 26 नवंबर को बहुजन स्वराज संकल्प महारैली आयोजित होगी। इसकी तैयारियों को लेकर भीम आर्मी प्रमुख और आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने देशभर के प्रदेश अध्यक्षों और प्रभारियों के साथ बैठक कर रणनीति बनाई। पार्टी ने महारैली में 10 लाख लोगों की भागीदारी का लक्ष्य रखा है। आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य एवं राजस्थान प्रभारी सत्यपाल चौधरी के अनुसार तैयारियों के लिए 11 समितियां गठित कर जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। प्रचार-प्रसार और मीडिया की जिम्मेदारी सत्यपाल चौधरी तथा अमित कसाना को दी गई है। मंच, पंडाल, सुरक्षा, परिवहन, आवास, चिकित्सा, भोजन, वित्त और जनसंपर्क सहित विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए अलग-अलग समितियां बनाई गई हैं। चौधरी ने बताया कि चंद्रशेखर आजाद स्वयं तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं। प्रस्तावित महारैली को 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले दलित, पिछड़े और मुस्लिम वर्गों के बीच पार्टी का जनाधार मजबूत करने की रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है।

श्वेत जरी-गोटे की पोशाक में सजे ठाकुरजी

जयपुर। मंदिर श्री गोविंद देवजी महाराज में रविवार को शरद पूर्णिमा का उत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ठाकुरजी का विशेष श्रृंगार किया गया और श्वेत जरी-गोटे की पोशाक धारण कराई गई। मंदिर में दिनभर विशेष धार्मिक अनुष्ठान और झांकियों के दर्शन हुए। मंगला झांकी के पश्चात ठाकुरजी का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पंचामृत अभिषेक किया गया। इसके बाद शरद पूर्णिमा के अवसर पर श्वेत पार्चा जामा पोशाक, पुष्पों और विशेष अलंकारों से मनोहारी श्रृंगार किया गया। ठाकुरजी को पूर्णिमा का विशेष मुकुट भी धारण कराया गया। मंदिर के सेवा अधिकारी मानस गोस्वामी के अनुसार संध्या झांकी के बाद गौड़ेश्वराचार्य महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में शरद उत्सव की विशेष झांकी सजाई गई। रात्रि 7:15 से 7:30 बजे तक श्रद्धालुओं ने ठाकुरजी के विशेष दर्शन किए।

नशा तस्करी के काले धन से खरीदी हुई 15 लाख की संपत्ति फ्रीज

जयपुर। अजमेर जिले में अरांई थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के आरोपी दिनेश रेबारी की करीब 15 लाख रुपए की अवैध संपत्ति फ्रीज करवाई है। कार्रवाई के तहत तस्करी के कथित काले धन से खरीदी गई वेन्यू कार और आबादी भूमि के प्लॉट को फ्रीज करने के आदेश जारी किए गए हैं।

अजमेर पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया कि पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देश पर एनडीपीएस एक्ट के तहत चालानशुदा आरोपियों की अवैध संपत्तियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दिनेश रेबारी (28) निवासी छोटालाम्बा थाना अरांई के खिलाफ पुलिस की ओर से एनडीपीएस एक्ट के दो मामलों में न्यायालय में चालान पेश किया जा चुका है। दोनों मामले विचाराधीन हैं। आरोपी वर्तमान में अरांई थाने में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में फरार है और उसकी तलाश जारी है।

जांच के दौरान पुलिस ने तस्करी से अर्जित धन से खरीदे गए वाहन और जमीन से संबंधित दस्तावेज जुटाए। इसके बाद 25 सितंबर 2026 को एनडीपीएस एक्ट की धारा 68(एफ)(2) के तहत संपत्ति फ्रीज करने का प्रस्ताव ई-कोर्ट पोर्टल के माध्यम से सक्षम प्राधिकारी एवं प्रशासक, दिल्ली के समक्ष पेश किया गया। प्राधिकारी ने संपत्तियां फ्रीज करने के आदेश जारी किए।

फ्रीज की गई संपत्तियों में करीब 8.70 लाख रुपए कीमत की वेन्यू कार और ग्राम छोटालाम्बा में करीब 5.73 लाख रुपए कीमत का आबादी भूमि का प्लॉट शामिल है। दोनों संपत्तियों की कुल अनुमानित कीमत 14.43 लाख रुपए है। पुलिस के अनुसार आरोपी की ओर से बचाव में दस्तावेज और तथ्य प्रस्तुत किए गए, जिन पर पुलिस ने जवाब देकर प्रभावी पैरवी की।

प्रधानमंत्री मोदी पर टिप्पणी के लिए खड़गे माफी मांगे : राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बिहार के पटना में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई टिप्पणी और कार्यक्रम में एक व्यक्ति के साथ मारपीट की घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। राठौड़ ने कहा कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद प्रधानमंत्री पद की गरिमा और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। राठोड़ ने कहा कि विपक्ष को सरकार की नीतियों की आलोचना करने का अधिकार है, लेकिन व्यक्तिगत टिप्पणियों और हिंसा के बजाय संवाद एवं तर्क का रास्ता अपनाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की भाषा राजनीतिक शालीनता के अनुरूप नहीं है। उन्होंने सोनिया गांधी की "मौत का सौदागर" टिप्पणी और मणिशंकर अय्यर की प्रधानमंत्री मोदी पर की गई विवादित टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस नेताओं की ऐसी बयानबाजी पहले भी सामने आयी है। राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को 37 से अधिक देशों के सर्वोच्च सम्मान मिल चुके हैं।

चार साल से फरार हिस्ट्रीशीटर चोरी की छह स्कूटियों के साथ गिरफ्तार

आरोपी आदतन वाहन चोर, अलग-अलग थानों में 24 मामले दर्ज

जयपुर। माणकचौक थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरी के मामले में चार साल से फरार चल रहे हिस्ट्रीशीटर अभिषेक शर्मा उर्फ राज (30) निवासी जौहरी बाजार जयपुर हाल मानसरोवर गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे और निशानदेही पर चोरी की छह एक्टिवा व स्कूटी बरामद की गई हैं। आरोपी के खिलाफ जयपुर के विभिन्न थानों में चोरी सहित करीब 24 आपराधिक मामले दर्ज हैं। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त करण शर्मा ने बताया कि आरोपी ऐसी पार्किंग और सुनसान जगहों को चुनता था, जहां सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हों। स्कूटी चोरी करने के बाद वह पेट्रोल खत्म होने तक उसे चलाता और फिर किसी स्थान पर छोड़कर दूसरी स्कूटी चुरा लेता था। पुलिस से बचने के लिए वह बार-बार अपना ठिकाना बदलता था। गिरफ्तार आरोपी अभिषेक शर्मा उर्फ राज वर्ष 2022 में माणक चौक थाने का हिस्ट्रीशीटर बना था। उसके खिलाफ माणक चौक, अशोक नगर, गांधी नगर, मोती डूंगरी, मानसरोवर, कोतवाली, मुहाना और जवाहर सर्किल सहित विभिन्न थानों में 23 से 24 आपराधिक मामले दर्ज बताए गए हैं। इस कार्रवाई में थानाधिकारी राकेश ख्यालिया, हेड कांस्टेबल मालीराम तथा कांस्टेबल कैलाश, महेश, गिरधर, मंजीत और सुमेर सिंह शामिल रहे। आरोपी की तलाश, गिरफ्तारी और चोरी के वाहन बरामद करने में कांस्टेबल कैलाश की विशेष भूमिका रही।

माणकचौक पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरी के मामले में 4 साल से फरार हिस्ट्रीशीटर अभिषेक को गिरफ्तार किया।

शरद पूर्णिमा पर मोतीडूंगरी गणेशजी ने धारण किया चांदी का मुकुट

जयपुर। शरद पूर्णिमा पर रविवार को जयपुर के प्रसिद्ध श्री मोती डूंगरी गणेशजी महाराज मंदिर में भक्ति और उल्लास का वातावरण रहा। इस अवसर पर प्रथम पूज्य गणेशजी महाराज का विशेष शृंगार किया गया।

भगवान को नवीन श्वेत पोशाक धारण कराई गई और चांदी का सफेद मुकुट पहनाया गया। श्वेत वस्त्रों और चांदी के मुकुट से सजे गणेशजी महाराज का स्वरूप श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। मंदिर महंत कैलाश शर्मा के अनुसार शरद पूर्णिमा की परंपरा के अनुरूप मंदिर परिसर में सफेद फूलों से भव्य फूल बंगला सजाया गया। फूलों की सजावट के बीच विराजमान गणेशजी महाराज ने भक्तों को दर्शन दिए। मंदिर में हुए विशेष शृंगार और फूल बंगले की सजावट ने उत्सव की धार्मिक छटा को और बढ़ा दिया। प्रथम पूज्य के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिला। भक्तों ने मंदिर पहुंचकर भगवान गणेश के दर्शन किए और परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली तथा मंगलकामना की प्रार्थना की। शरद पूर्णिमा के अवसर पर भगवान गणेशजी महाराज को खीर का विशेष भोग अर्पित किया गया।

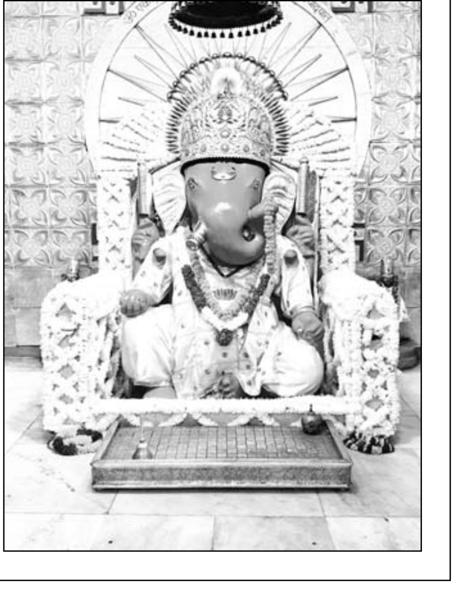

शराब पीकर वाहन दौड़ाने वालों पर जयपुर पुलिस ने शिकंजा कसा

जयपुर (कासं)। शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ जयपुर पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है। राजधानी जयपुर में शुरू विशेष अभियान के तहत 557 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। वहीं पिछले 24 घंटे में 271 चालकों पर कार्रवाई हुई।

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देशन में आयुक्तालय के चारों जिलों में नाकाबंदी कर वाहन चालकों की जांच की जा रही है। पिछले 24 घंटे में जयपुर पूर्व जिले में 74, पश्चिम में 37, उत्तर में 25 और दक्षिण में 33 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। वहीं, यातायात पुलिस ने 102 चालकों पर कार्रवाई की। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने कहा कि शराब पीकर वाहन चलाना कानूनन अपराध है। इससे सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ता है और चालक के साथ अन्य लोगों की जान भी जोखिम में पड़ती है। सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करने के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। इय अभियान शुरू होने से अब तक जयपुर पूर्व जिले में 112, पश्चिम में 85, उत्तर में 64 और दक्षिण में 68 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। यातायात पुलिस ने इस दौरान सर्वाधिक 228 कार्रवाई की हैं।

बिना लेबल की 3840 होममेड चॉकलेट सीज

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। त्योहारों के दौरान मिलावट पर अंकुश लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने 'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' अभियान के तहत ड्राई फ्रूट्स, मिठाइयों और चॉकलेट विक्रेताओं के यहां निरीक्षण एवं कार्रवाई की। इस दौरान विद्याधर नगर स्थित ड्राई फ्रूट्स हाउस से बिना अनिवार्य लेबलिंग वाली 3840 होममेड चॉकलेट, 51 पैकेट आयातित चॉकलेट तथा अंजीर एवं खजूर से बनी मिठाइयों के 70 पैकेट सीज किए गए। वहीं, फफूंद लगे करीब दो किलोग्राम सूखे नारियल को मौके पर ही नष्ट करवाया गया।

आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण, राजस्थान अविचल चतुर्वेदी के निर्देश पर अभिहित अधिकारी डॉ. रवि शेखावत के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। जांच के दौरान होममेड चॉकलेट पॉलीथिन में लिपटी मिलीं, जिन पर आवश्यक खाद्य लेबलिंग नहीं थी।

टीम ने नॉटी नट्स से टाइनी मिनी सौंफ तथा गणपति पैराडाइज, विद्याधर नगर स्थित कामदार ड्राई फ्रूट्स से बादाम कतरन के नमूने लिए। वैशाली नगर स्थित महेश्वरी टी कॉर्पोरेशन सहित अन्य प्रतिष्ठानों से भी बादाम कतरन और मुनक्का के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए।

- **विद्याधर नगर स्थित ड्राई फ्रूट्स हाउस पर खाद्य सुरक्षा टीम की कार्रवाई**
- **टीम ने ड्राई फ्रूट्स और मिठाइयों के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे**

डॉ. रवि शेखावत ने खाद्य कारोबारियों को प्रतिष्ठानों में स्वच्छता बनाए रखने, खाद्य पदार्थों का सुरक्षित भंडारण करने, उचित पैकेजिंग और अनिवार्य लेबलिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षा से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने आमजन से अपील की है कि त्योहारों पर ड्राई फ्रूट्स, मिठाइयां और चॉकलेट खरीदते समय निर्माण एवं अंतिम उपयोग की तिथि, सामग्री का विवरण और अन्य आवश्यक जानकारी जरूर जांचें। खुले या बिना उचित लेबल वाले खाद्य पदार्थ खरीदने से बचें। विभाग ने स्पष्ट किया कि जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए निरीक्षण, नमूनीकरण और नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

मोबाइल स्टोर का ताला तोड़ने वाला गिरफ्तार

जयपुर। खोह नागोरियान थाना पुलिस ने दिनदहाड़े मोबाइल दुकान का ताला तोड़कर चोरी करने के मामले का खुलासा करते हुए शातिर नकबजन नोसाद अली उर्फ सोनू (32) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी का माल भी बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ जयपुर के विभिन्न थानों में चोरी, नकबजनी और अन्य मामलों में पहले से कई प्रकरण दर्ज हैं।

जयपुर पूर्व पुलिस उपायुक्त रंजीता शर्मा ने बताया कि आरोपी नोसाद अली उर्फ सोनू निवासी सांगानेर जयपुर नशे का आदी है। वह नशे की पूर्ति के लिए दिन में सूने मकानों और परिसरों की रैकी करता था। मौका मिलते ही ताले तोड़कर कीमती सामान और नकदी चुरा लेता था। इसके बाद चोरी का माल कम कीमत पर बेचकर रकम नशे में खर्च कर देता था और उसके खिलाफ शिप्रापथ, मालपुरा गेट, मुहाना, प्रताप नगर, नारायण विहार और खोह नागोरियान थानों में आर्म्स एक्ट, आबकारी अधिनियम, चोरी और नकबजनी सहित विभिन्न धाराओं में कई मामले दर्ज हैं। इस कार्रवाई में थानाधिकारी सुनील गोदारा, सहायक उपनिरीक्षक जयपाल, सहायक उपनिरीक्षक वीरेन्द्र चौधरी और कांस्टेबल धीरज, बजरंग लाल व सन्नी कुमार शामिल रहे।

नालसार हैदराबाद ने वीजीयू की राष्ट्रीय वार्ता प्रतियोगिता जीती

जयपुर (कासं)। विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी (वीजीयू) के विधि विभाग की ओर से आयोजित चतुर्थ वीजीयू आर.के. रस्तोगी मेमोरियल राष्ट्रीय वार्ता प्रतियोगिता का रविवार को विश्वविद्यालय के मुख्य सभागार में समापन हुआ। दो दिवसीय प्रतियोगिता में देश के प्रमुख विधिक संस्थानों, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों और विधि संकायों की 60 टीमों ने भाग लिया।

प्रतिभागियों ने दीवानी, कॉरपोरेट और वाणिज्यिक विवादों पर आधारित परिस्थितियों में वार्ता कौशल, तर्कशक्ति और आपसी सहमति से समाधान निकालने की क्षमता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में नालसार विधि विश्वविद्यालय, हैदराबाद ने प्रथम और द वेस्ट बंगाल नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूडिशियल साइंसेज, कोलकाता ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। यूपीईएस, देहरादून के देव प्रताप सिंह को सर्वश्रेष्ठ वार्ताकार तथा एसवीकेएमएस, इंदौर को 'स्पिरिट ऑफ द कॉम्पिटिशन' का पुरस्कार दिया गया। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं आयोजन के संरक्षक राजदीपक रस्तोगी ने स्वर्गीय आर.के. रस्तोगी के आदर्शों को याद करते हुए कहा कि अदालतों पर मुकदमों का बोझ कम करने के लिए वैकल्पिक विवाद समाधान आवश्यक है। वार्ता विवादों को अदालत के बाहर सुलझाने का सरल और शीघ्र माध्यम है। विशिष्ट अतिथि, पूर्व आईएएस पवन अरोड़ा ने कहा कि वार्ता हार-जीत नहीं, बल्कि समाधान का माध्यम है। उन्होंने विधि विद्यार्थियों से सेवा, त्याग और समर्पण की भावना से कार्य करने का आव्हान किया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ आईएएस अभय कुमार ने कहा कि अच्छा वार्ताकार बनने के लिए अच्छा श्रोता होना और तथ्यों पर आधारित दृष्टिकोण अपनाना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि भविष्य में वार्ताकारों की भूमिका बढ़ेगी, जिससे कार्य आसान होंगे और मानवीय क्षमता का बेहतर उपयोग हो सकेगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की शैक्षिणक, अनुसंधान और आधारभूत उपलब्धियों को दर्शाती 'जर्नी ऑफ वीजीयू' प्रस्तुति भी दिखाई गई। विधि विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. शिल्पा राव ने आयोजन समिति, अतिथियों, निर्णायकों, प्रतिभागी संस्थानों, शिक्षकों और स्वयंसेवकों का आभार जताया।

- **यूपीईएस देहरादून के देव प्रताप सिंह बने सर्वश्रेष्ठ वार्ताकार, 60 टीमों ने लिया भाग**

विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी के विधि विभाग की ओर से आयोजित चतुर्थ वीजीयू आर.के. रस्तोगी मेमोरियल राष्ट्रीय वार्ता प्रतियोगिता के समापन समारोह में विजेताओं को सम्मानित किया गया।

ARBiT it happens here...

राष्ट्रदूत
MONDAY
26 October 2026
A-B

October 26: Accession Day in Jammu and Kashmir

October 26 is observed as Accession Day in Jammu and Kashmir, commemorating the historic day in 1947 when the princely state formally acceded to India. Faced with challenges during the turbulent period of partition, Maharaja Hari Singh signed the Instrument of Accession, integrating Jammu and Kashmir into the Indian Union. This day is remembered for its historical significance and the role it played in shaping the region's political landscape. Across Jammu and Kashmir, Accession Day is marked with official events, flag hoisting ceremonies, and reflections on the state's journey, highlighting unity, sovereignty, and India's commitment to the region.

#NARINDER SINGH KAPANY

The Forgotten Pioneer of Fibre Optics

He questioned this idea: if light travels straight, why can't it be made to bend? This simple question would shape his life's work

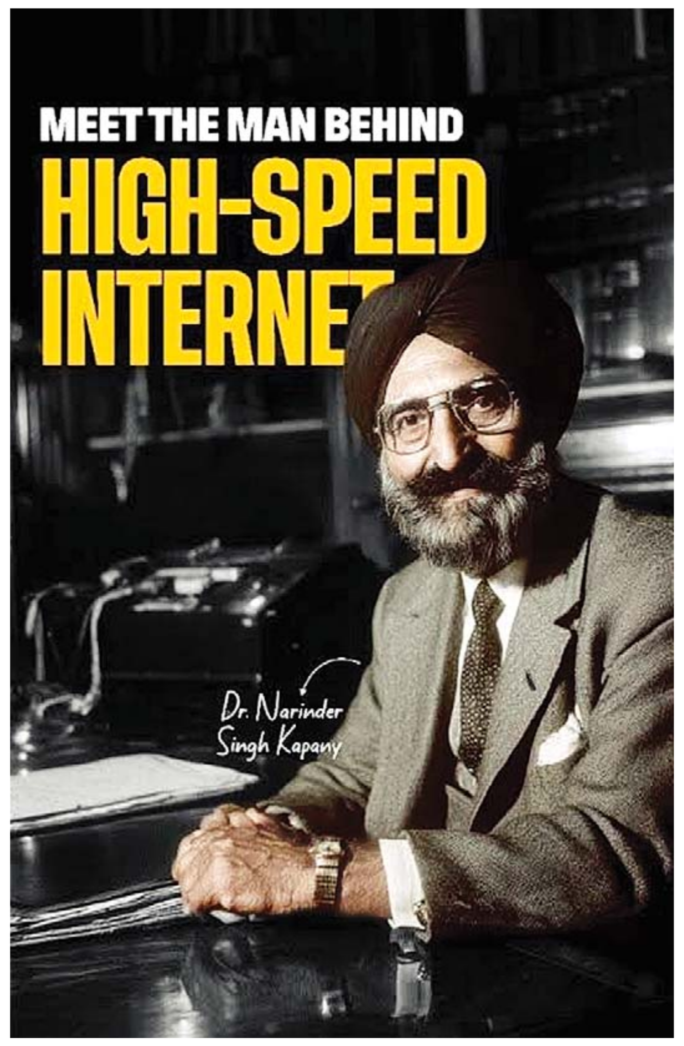

The story of Narinder Singh Kapany is one of brilliance, missed opportunities, and global impact. Often called the "Father of Fibre Optics," Kapany's work laid the foundation for technologies that power today's internet, medical imaging, and modern communications.

Kapany was born in 1926 in Dehradun into a Sikh family with a strong cultural lineage. From an early age, he displayed curiosity about science. As a student, he was taught that light travels in straight lines, but he questioned this idea: if light travels straight, why can't it be made to bend? This simple question would shape his life's work.

After completing his early education in India, Kapany moved to London for higher studies. He pursued a PhD where he began working on the concept of guiding light through transparent materials. This led him to explore the principle of Total Internal Reflection, a phenomenon where light reflects entirely within a medium instead of passing through it.

One major challenge at the time was that when optical fibres touched each other, light would leak out, making transmission inefficient. Kapany's key innovation was introducing cladding, a protective outer layer around the fibre that prevented light from escaping. This breakthrough made it possible to transmit light over distances with minimal loss.

His research was groundbreaking and was published in leading journals, including Nature, bringing him international recognition. However, despite his success abroad, Kapany wanted to return to India and contribute to its scientific development. At the time, Jawaharlal Nehru had a vision of building a strong scientific ecosystem in the country. Kapany even wrote to authorities, seeking opportunities. Yet, due to bureaucratic delays and red tape, no concrete position materialized. The lack of timely support meant India missed the chance to retain one of its most promising scientific minds.

Kapany eventually moved to the United States, joining the University of Rochester, where he continued his pioneering research. Later, he became part of the emerging innovation culture of Silicon Valley, founding companies and holding over 100 patents in optics and photonics.

Although Kapany's work made fibre optics possible, the Nobel Prize in Physics in 2009 went to Charles Kao, who optimized fibre optics for long-distance communication. Kao's contributions were crucial in reducing signal loss, enabling practical global telecommunications. Still, many believe Kapany's foundational work deserved wider recognition.

Beyond science, Kapany was deeply committed to culture and community. He founded the Sikh Foundation and established the first Sikh art gallery in San Francisco, helping preserve and promote Sikh heritage globally.

Kapany passed away in 2020, leaving behind a legacy that quietly powers the modern world. In recognition of his immense contributions, he was posthumously awarded the Padma Vibhushan, one of India's highest civilian honors.

His life is both inspiring and instructive, a reminder of how curiosity can change the world, and how nations must nurture talent before it finds recognition elsewhere.

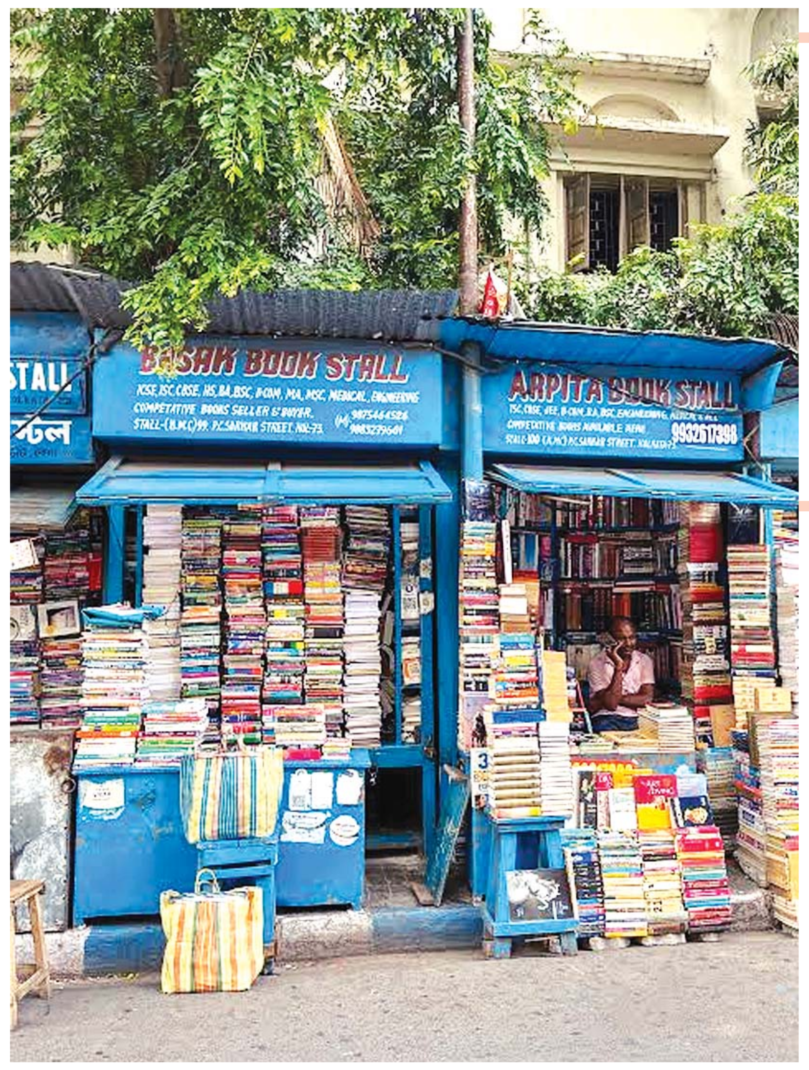

> But College Street is made special not only by its books. It is made special by its people. The booksellers know their trade and their collections intimately. Their small shops often appear overflowing with books, with volumes stacked on tables, shelves and pavements. To an outsider, it may seem chaotic. To a regular visitor, however, there is a strange order in that chaos.

College Street A Beauty That Needs No Makeover

#BOI PARA

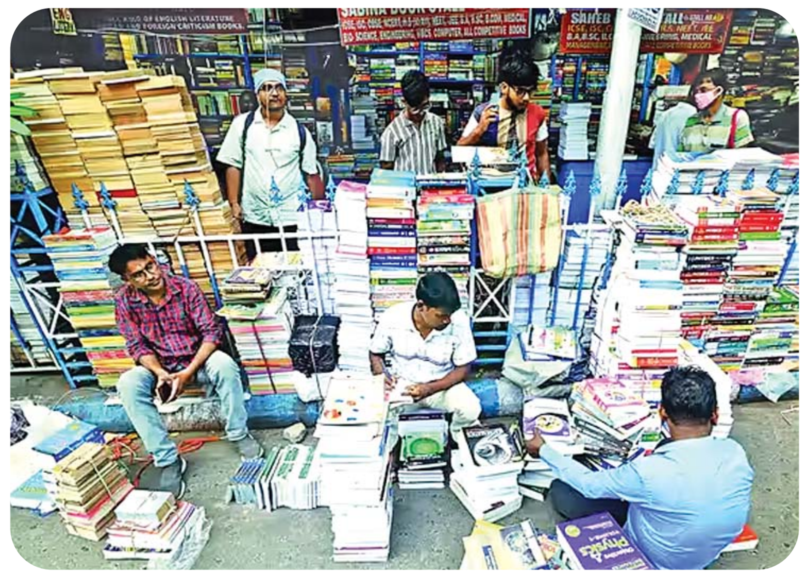

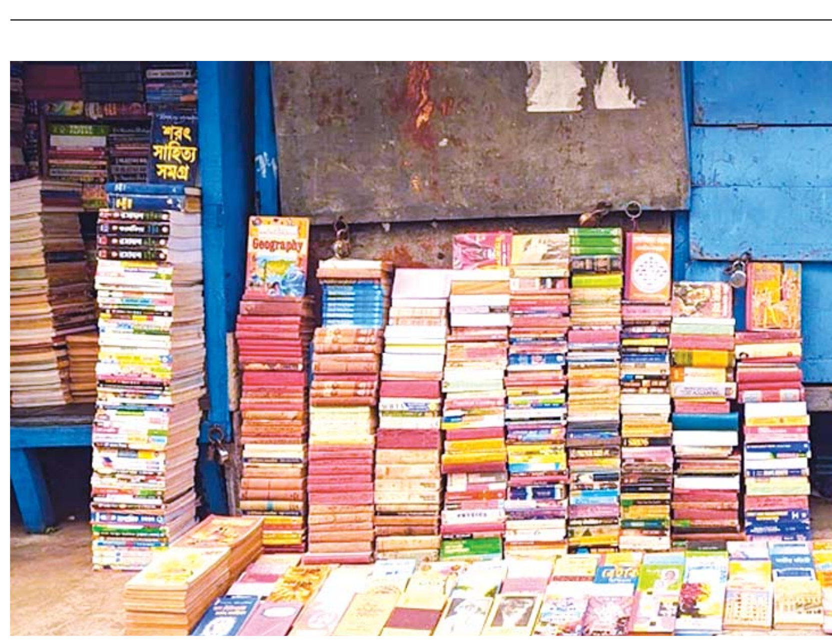

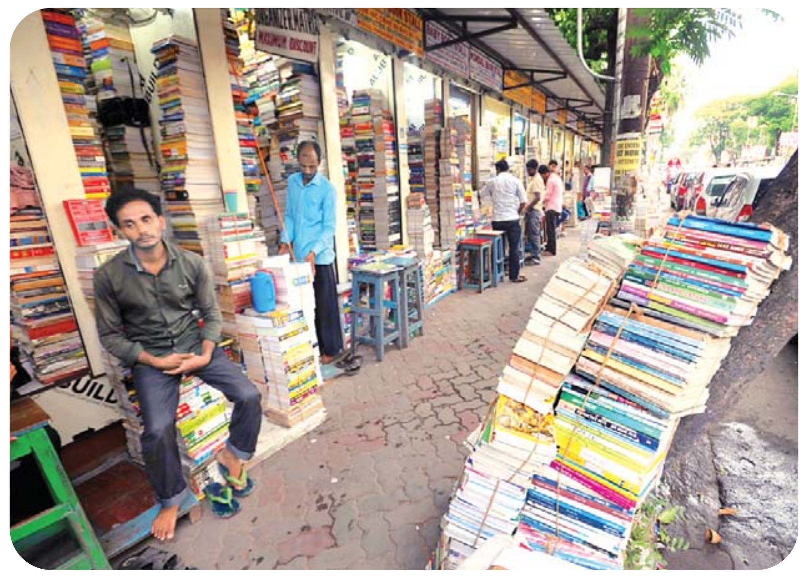

● Bulbul Joshi

There are places in a city that are merely locations, and then, there are places that become a part of its soul. College Street in Kolkata is one such place. Known affectionately as Boi Para, or the "Book Colony," it is not simply a street lined with bookshops. It is a living world of books, ideas, conversations, memories and people. For generations, students, teachers, writers, intellectuals and book lovers have walked along its crowded pavements in search of knowledge and, often, in search of something they did not even know they were looking for. It's a street that is so much more than just a thoroughfare, think of it as a cultural artery pulsating with literary fervour. The world's largest book market, and Asia's largest second-hand book locality, Boi Para, (which translates to "Book Town" in Bengali), is a vibrant and historic street in Central Kolkata, India. Spanning 900 meters, it stretches from Bidhan Sarani Road to Bowbazar, intersecting MG Road and Surya Sen Street. This iconic street is a melting pot of intellectual activity, bustling bookstores, and architectural marvels.

Geoffrey Moorhouse made an interesting observation about College Street. He wrote that one could wander through many of its shops and discover one genuine and pleasurable old edition after another. The booksellers, he noticed, were quite happy with a visitor's company and conversation about books even after realizing that no sale was going to be made. They were perhaps the only tradesmen in the city who would leave you alone if that was what you preferred. For Moorhouse, these booksellers and their world were part of a climate inseparable from Calcutta.

That observation captures the special character of College Street. It is a place where commerce and culture exist side by side. A person may enter a shop looking for a textbook and leave with an old novel. Someone may arrive in search of a particular author and spend an hour browsing through piles of forgotten books. A student may bargain over the price of a second-hand book, while a collector searches patiently for a rare edition. The pleasure is not merely in buying books; it is in discovering them.

College Street has long been associated with education and intellectual life. With institutions such as Presidency College and the University of Calcutta nearby, the area became a natural meeting place for students, teachers and thinkers. Over the years, its bookshops and publishing houses transformed it into one of the most famous literary neighbourhoods in India.

If it's printed, it's probably here

College Street boasts the title of being the biggest book market in the world. Visitors flock here like bees to honey, drawn by an extensive collection of books. From brand new editions and second hand finds to rare archives and even regular textbooks, it's highly likely that any book ever printed would be found here.

But College Street is made special not only by its books. It is made special by its people. The booksellers know their trade and their collections intimately. Their small shops often appear overflowing with books, with volumes stacked on tables, shelves and pavements. To an outsider, it may seem chaotic. To a regular visitor, however, there is a strange order in that chaos.

And then there is the Indian Coffee House, where generations of students, writers, artists and intellectuals have gathered over cups of coffee. Conversations, arguments, dreams and ideas have filled its tables. The culture of adda, the leisurely exchange of thoughts and opinions, is deeply connected with the spirit of College Street.

Many people think that College Street needs an image makeover. Perhaps, they look at its old buildings, crowded pavements, traffic and piles of books and imagine that the area would be better if it were cleaner, more modern and more polished.

I don't think so. Beautiful things don't need makeup

The beauty of College Street lies precisely in the fact that it does not look manufactured. It has wrinkles, scars and imperfections, but those imperfections are records of its life. Its old bookshops are not simply commercial establishments; they are repositories of memory. Its piles of second-hand books are not merely clutter; they are treasures waiting to be discovered.

Of course, College Street deserves care. Better cleanliness, safer pavements, improved facilities and protection of its historic character would certainly make the experience better for everyone. But improvement should not mean erasing its identity. The aim should not be to transform College Street into another fashionable commercial district. It should be to preserve what makes it unique while allowing it to grow naturally.

In an age when books can be ordered with a click and information can be found instantly on a screen, the experience of walking through a book market has become even more precious. There is something deeply human about picking up an old book, turning its yellowed pages and wondering about the hands that held it before you. That is what College Street offers, the possibility of surprise. You may find the book you came looking for, or you may discover a book you never knew existed. You may meet a bookseller who knows the history of a particular author, or you may become part of a conversation with complete strangers.

College Street is therefore more than a marketplace. It is a state of mind. It represents a culture of reading, discussion, curiosity and discovery that cannot be created simply by renovating buildings or repainting walls.

Cities inevitably change. Buildings are renovated, shops disappear and new technologies transform the way people live. But some places deserve to retain their imperfections because those imperfections are part of their identity.

College Street is one such place.

So, does College Street really need an image makeover?

No.

Let it remain a little crowded, a little chaotic, a little dusty and gloriously old-fashioned. Let the books continue to spill onto the pavements. Let the booksellers continue to talk to readers. Let students bargain, collectors browse and strangers discover unexpected treasures.

College Street does not need to be made beautiful.

It already is.

Beautiful things don't need makeup.

rajeshsharma1049@gmail.com

#GHAR AAJA GHIR AAYE

The Rift That Changed Hindi Film Music

"Lata, you will sing in my next film." With those words, one of Indian cinema's most celebrated musical partnerships was restored

In the history of Hindi cinema, few partnerships have produced as many timeless melodies as that of Sachin Dev Burman (S. D. Burman) and Lata Mangeshkar. Their collaboration created songs that continue to define the golden era of Indian music. Burman once expressed the depth of his admiration by saying that all he needed to create a masterpiece was a harmonium and Lata's voice. Yet, despite their extraordinary musical bond, the two legendary artists did not work together for nearly four years after a disagreement that became one of Bollywood's most talked-about stories.

The disagreement is often linked to the recording of "Pag Thumak Chalat" from the 1958 film *Sitaron Se Aage*. After the recording, S. D. Burman reportedly felt that the song could be improved and wanted it to be recorded again. By then, Lata Mangeshkar's schedule was packed with concerts and recordings, making it difficult to arrange another session. Accounts differ on exactly what happened next, but the misunderstanding grew into a professional rift. Burman believed that Lata had become difficult to work with, while Lata had her own perspective on the incident. Whatever the reason, the result was that one of Hindi cinema's greatest composer-singer partnerships came to a halt.

For the next four years, S. D. Burman worked with other talented singers, while Lata Mangeshkar continued to dominate the playback singing industry. Although both enjoyed tremendous success independently, music lovers felt the absence of a partnership that had produced unforgettable classics.

The reunion came through an unexpected source, Rahul Dev Burman (R. D. Burman). As he prepared for his debut as an independent music director with the film *Chhote Nawab* (1961), he approached Lata Mangeshkar to sing his first composition. Respecting the young composer's talent and believing that music should always come before personal differences, Lata agreed.

The song was "Ghar Aaja Ghir Aaye." During the rehearsals, S. D. Burman was also present. The meeting became a turning point. Putting the past behind him, Burman warmly blessed Lata and is said to have told her, "Lata, you will sing in my next film." With those words, one of Indian cinema's most celebrated musical partnerships was restored.

That promise was soon fulfilled. S. D. Burman's next major project introduced another future legend, Gulzar, who made his debut as a lyricist with the hauntingly beautiful song "Mora Gora Ang Lai Le" from *Bandini* (1963), sung by Lata Mangeshkar. The song marked not only Gulzar's arrival but also the successful return of the Burman-Lata collaboration.

Their renewed partnership reached even greater heights with films such as *Guide* (1965). Interestingly, Burman is said to have revisited the musical ideas that had once contributed to their disagreement. Elements associated with the earlier composition eventually found new life in "Saiyan Beiman," demonstrating how great composers often reshape and refine melodies rather than abandon them. Whether entirely intentional or not, it symbolized how music had triumphed over misunderstanding.

The story of Chhote Nawab carries another fascinating legacy. The film featured the song "Ghar Aaja Ghir Aaye," but it is also remembered for a fantasy sequence in which an old man is transformed into a child. That child actor later grew up to become singer-songwriter Lucky Ali, adding another remarkable footnote to the film's place in Indian cinema.

The temporary separation between S. D. Burman and Lata Mangeshkar could have ended one of the greatest collaborations in Indian music. Instead, it became a reminder that artistic differences can be overcome when mutual respect and a shared love for music prevail. Their reunion enriched Hindi cinema with songs that remain treasured decades later, proving that some musical partnerships are simply destined to endure.

THE WALL

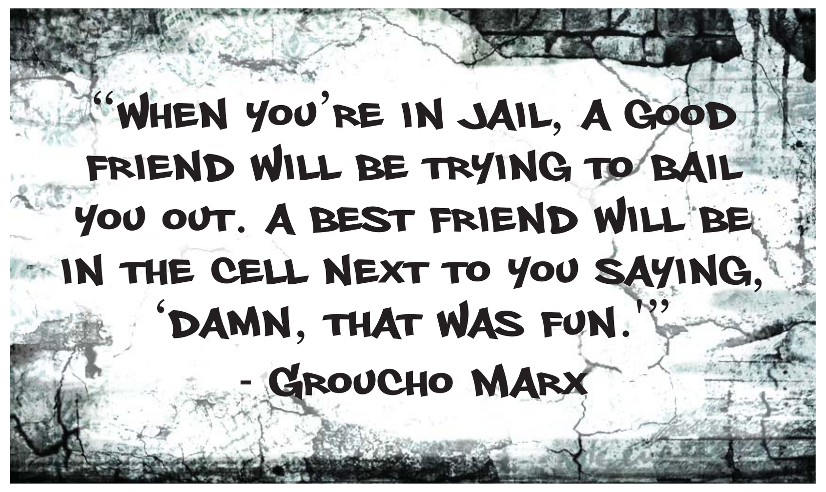

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

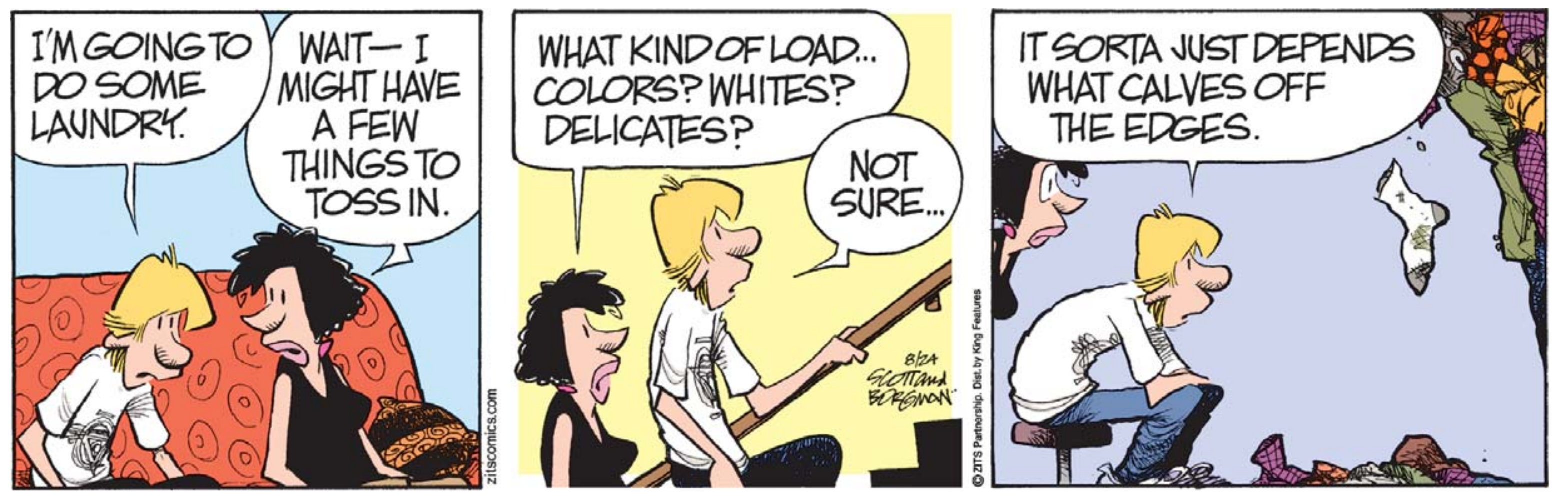

खड़े ट्रक से भिड़ी ट्रेवल्स बस, कंडक्टर की मौत, सवारियों को मामूली चोटें आई

हादसे में पीछे से एक कार भी आकर भीड़ गई, कार में सवार लोग घायल हो गए

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में नेशनल हाइवे-48 पर एक साथ तीन गाड़ियां भीड़ गई। बताया जा रहा है कि हाइवे के किनारे खड़े एक ट्रक से निजी ट्रेवल्स की बस भीड़ गई। इसमें बस के कंडक्टर की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, बस के अंदर की तरफ बैठी

- **बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में नेशनल हाइवे-48 पर हुआ हादसा**

सवारियों को मामूली चोटें आई हैं। इसके पीछे ही एक कार भी आकर भीड़ गई, जिससे कार भी क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग घायल हो गए।

बिछीवाड़ा थानाधिकारी देवेंद्र देवल ने बताया कि उदयपुर की ओर से एक ट्रक अहमदाबाद की ओर जा रहा था। ट्रक में आलू की बोरियां भरी हुई थी। भुवाली के पास हाइवे पर ट्रक खराब हो गया तो वह किनारे खड़ा था। शाम के समय उदयपुर से गुजरात की ओर जा रही एक निजी ट्रेवल्स की बस खड़े ट्रक से टकरा गई। बस के कंडक्टर साइड का हिस्सा ट्रक के पीछे की तरफ टकराया, जिससे दरवाजे के पास ही बैठे कंडक्टर की दर्दनाक मौत हो गई। जोरदार टक्कर में बस के अंदर बैठी सवारियों को भी जोर का झटका लगा। कई सवारियों को चोटें भी आई। इसके कुछ देर बाद ही उदयपुर की ओर से आ रही एक कार फिर बस के पीछे से टकरा गई। हादसे में कार का हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। कार सवार को भी चोटें आई। सूचना पर बिछीवाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची। बस में बैठी सवारी खुद को संभालते हुए दूसरी गाड़ियों से आगे के लिए रवाना हो गए। वहीं बस कंडक्टर के शव को अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया गया है।

सड़क हादसे में कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गये। वहीं मौके पर लोगों की भीड़ लग गई।

सीकर में कॉपर चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

सीकर, (निसं)। सीकर की कोतवाली थाना पुलिस ने कंस्ट्रक्शन साइट पर कॉपर की चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी आदतन नशेड़ी है, रोजाना 4-5 हजार की स्मैक का नशा करते हैं। इसी के लिए दोनों चोरी करते थे। आरोपी कंस्ट्रक्शन साइट पर चोरी करने के बाद कॉपर वायर को जलाकर उससे तांबा निकालते और फिर बेच देते थे।

- **दोनों आरोपी आदतन नशेड़ी हैं, रोजाना 4-5 हजार की स्मैक का नशा करते हैं**

कोतवाली थाना एसएचओ सुनील कुमार जांगिड़ ने बताया कि आरोपी राहुल कुमार(22) पुत्र पप्पू कुमार निवासी वार्ड नंबर 64 और मुकेश वाल्मीकि (24) पुत्र प्रकाश वाल्मीकि निवासी वार्ड नंबर 64 को गिरफ्तार किया गया है। 23 अक्टूबर को पुलिस थाने में वार्ड नंबर 24 निवासी नरसी ने मुकदमा दर्ज करवाया था। परिवादी ने कहा कि उसके घर और उनके पड़ोस में कंस्ट्रक्शन चल रहा था। यहां से कॉपर वायर सहित अन्य सामान चोरी हो गया। पिछले करीब डेढ़ साल में इस तरह की 20 से ज्यादा वारदात हो चुकी थी। ऐसे में पुलिस ने इस घटना के बाद लगातार सीसीटीवी फुटेज चेक करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी कॉपर वायर चोरी करने के बाद उसको भट्टी में जलाते और फिर उससे तांबा निकालकर मार्केट में बेच देते थे। पुलिस ने नशा करने वालों के परिवार से अपील है कि नशा करने वालों को नशा मुक्ति केंद्र में दाखिल करें। क्योंकि नशे का जुगाड़ नहीं होने पर वह इस तरह चोरी की वारदात करते हैं

पुलिस की इन्वेस्टीगेशन में सामने आया है कि आरोपी अव्वल दर्जे के नशेड़ी हैं, जो रोजाना करीब चार से पांच हजार रुपए का स्मैक का नशा करते हैं। आरोपी नशे के लिए ही चोरी की वारदात करते हैं। कई बार चोरी होने के बाद माल की राशि कम होने के चलते पीड़ित भी पुलिस में मुकदमा भी दर्ज नहीं करवाता। फिलहाल इन दोनों आरोपियों से उनके द्वारा की गई चोरियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

दिल्ली से जैसलमेर एयर इंडिया की हवाई सेवा शुरू हुई

जैसलमेर, (निसं)। स्वर्णनगरी जैसलमेर में पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में रविवार से एयर इंडिया की दिल्ली-जैसलमेर हवाई सेवा शुरू हुई। दिल्ली से सीधी हवाई कनेक्टिविटी मिलने से जैसलमेर आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों को सुविधा मिलने और पर्यटन कारोबार को गति मिलने की उम्मीद है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, पहले दिन दिल्ली से विमान दोपहर 1:30 बजे रवाना होकर दोपहर 3:20 बजे जैसलमेर पहुंचा। वापसी में विमान शाम 4:05 बजे जैसलमेर से रवाना होकर शाम 5:50 बजे दिल्ली पहुंचेगा। जैसलमेर अपने ऐतिहासिक सोनार दुर्ग, गड़ीसर सरोवर, प्राचीन हवेलियों, सम के रेतीले धोरों और अनूठी मरुस्थलीय संस्कृति के लिए देश-दुनिया में प्रसिद्ध है। पर्यटन सीजन के दौरान दिल्ली से सीधी हवाई सेवा पर्यटकों के लिए यात्रा को आसान बना सकती है। अब पर्यटकों को कम समय में स्वर्णनगरी पहुंचने का विकल्प मिलेगा, जिससे पर्यटन क्षेत्र को नई गति मिलने की उम्मीद है।

रेलवे काउंटर से टिकट लेने वालों को भी यात्रा बीमा मिलेगा

जोधपुर, (कासं)। रेलवे आरक्षण काउंटर से टिकट लेने वाले यात्री भी अब महज 45 पैसे प्रति यात्री प्रीमियम देकर यात्रा के दौरान संभावित दुर्घटना से आर्थिक सुरक्षा का विकल्प चुन सकेंगे। भारतीय रेल 27 अक्टूबर 2026 से पीआरएस काउंटरों पर टिकट बुक कराने वाले यात्रियों के लिए भी वैकल्पिक यात्रा बीमा योजना शुरू करेगी। इसके तहत पात्र दुर्घटना की स्थिति में 10 लाख रुपए तक का बीमा कवरेज उपलब्ध होगा। बीमा लेने के लिए मोबाइल नंबर देना और डिजिटल भुगतान करना अनिवार्य होगा।

उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि अब तक यह सुविधा मुख्य रूप से आईआरसीटीसी के माध्यम से ऑनलाइन ई-टिकट बुक कराने वाले यात्रियों के लिए उपलब्ध थी। नई व्यवस्था के तहत पीआरएस आरक्षण काउंटरों से टिकट बुक कराने वाले यात्री भी अपनी इच्छा और जरूरत के अनुसार बीमा का विकल्प चुन सकेंगे। यह सुविधा देशभर में लागू होगी। यात्रा बीमा पूरी तरह वैकल्पिक रहेगा। यात्री की स्पष्ट सहमति के बिना बीमा नहीं दिया जाएगा। बीमा लेने के इच्छुक यात्रियों को मोबाइल नंबर दर्ज कराना होगा। निर्धारित प्रीमियम का भुगतान टिकट किराए के साथ यूपीआई, डेबिट या क्रेडिट कार्ड अथवा क्यूआर कोड जैसे डिजिटल माध्यमों से ही किया जा सकेगा। नकद भुगतान करने वाले यात्रियों को यह सुविधा उपलब्ध नहीं होगी। कर सहित प्रीमियम 45 पैसे प्रति यात्री निर्धारित है। पॉलिसी से संबंधित जानकारी पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजने का प्रावधान किया गया है।

योजना की शर्तों के अनुसार, पात्र रेल दुर्घटना या निर्धारित अप्रिय घटना में मृत्यु अथवा पूर्ण स्थायी दिव्यांगता होने पर 10 लाख रुपए तक और स्थायी आंशिक दिव्यांगता पर 7.5 लाख रुपए तक का बीमा कवरेज मिलेगा। चोट के कारण अस्पताल में भर्ती होने पर उपचार खर्च के लिए 2 लाख रुपए तक तथा शव परिवहन के लिए 10 हजार रुपए तक का प्रावधान है। बीमा राशि का भुगतान पॉलिसी की शर्तों और निर्धारित पात्रता के अनुसार होगा। यह सुविधा कन्फर्म और आरएसी टिकटों पर लागू होगी। सामान्य एवं अनारक्षित टिकटों तथा बिना बर्थ या सीट के टिकट लेने वाले पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों पर यह योजना लागू नहीं होगी।

जोधपुर मंडल के सीनियर डीसीएम हितेश यादव ने बताया कि रेलवे बोर्ड के निर्देशों के अनुसार आरक्षण काउंटरों पर जरूरी तकनीकी और परिचालन व्यवस्थाएं की जा रही हैं। कर्मचारियों को बीमा विकल्प की जानकारी देने, यात्रियों की सहमति दर्ज करने और डिजिटल भुगतान प्रक्रिया के संबंध में दिशा-निर्देश दिए जाएंगे, ताकि सुविधा सुगमता और पारदर्शिता के साथ उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि इस पहल से ऑनलाइन टिकट बुक कराने के बजाय आरक्षण काउंटरों से टिकट लेना पसंद करने वाले यात्रियों को भी वैकल्पिक यात्रा बीमा चुनने का अवसर मिलेगा।

मांडल के गुड्डा गांव में कार पर पथराव के बाद हंगामा

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र के गुड्डा गांव में रविवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब कुछ लोगों ने एक चलती कार को निशाना बनाते हुए जमकर पथराव कर दिया। इस अचानक हुए हमले में कार के शीशे पूरी तरह चकनाचूर हो गए। बताया जा रहा है कि पथराव के साथ-साथ कार सवार व्यक्ति के साथ हाथापाई और धक्का-मुक्की भी की गई, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। फायरिंग का भी आरोप लगाया जा रहा है, लेकिन पुलिस ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

सूत्रों के अनुसार, रविवार की सुबह गुड्डा गांव स्थित स्कूल के पास भदालीखेड़ा नवनिर्वाचित सरपंच अख्तरी के पुत्र जुबेर पठान जोधपुर नंबर की एक कार से जा रहे थे, तभी कुछ लोगों ने उस पर अचानक हमला बोल दिया। इस उपद्रव में कार का अगला और साइड का शीशा बुरी तरह टूट गया। घटना के बाद से ही क्षेत्र में यह चर्चा है कि इस वारदात के पीछे पंचायत चुनाव की रंजिश हो सकती है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक किसी भी प्रकार की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

मसाणिया भैरव धाम राजगढ़ में नशा मुक्ति जागरुकता अभियान चलया

नसीराबाद, (निसं)। मसाणिया भैरव धाम राजगढ़ में रविवार को आयोजित मेले के दौरान नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर देश और प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने नशे का त्याग करने तथा जीवन में दोबारा नशा नहीं करने का संकल्प लिया। अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली गई और श्रद्धालुओं को नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया।

धाम के प्रवक्ता अविनाश सेन ने बताया कि रविवार को सबसे पहले राजगढ़ ग्राम पंचायत की नवनिर्वाचित सरपंच पूजा रावत ने धाम पहुंचकर बाबा भैरव, मां कालिका और मुख्य उपासक चम्पालाल महाराज से आशीर्वाद लिया। मंदिर कमेटी की ओर से उनका स्वागत किया गया। इस दौरान सुरेंद्र सिंह, गणपत सिंह और भोलासिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे। वहीं नशामुक्ति जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित रैली को मुख्य उपासक चम्पालाल महाराज और सरपंच पूजा रावत ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

चम्पालाल महाराज ने रैली को रवाना किया।

रैली में शामिल श्रद्धालु नशामुक्ति के नारे लगाते हुए आगे बढ़े। उनके हाथों में नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने वाले संदेश लिखी तख्तियां और बैनर थे। अविनाश सेन के अनुसार, चम्पालाल महाराज की प्रेरणा से धाम में पिछले कई वर्षों से नशामुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। रविवार को भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने नशे की लत छोड़ने का संकल्प लिया। कई श्रद्धालुओं ने नशे की वस्तुएं त्यागकर उन्हें चम्पालाल महाराज के चरणों में अर्पित किया।

श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए चम्पालाल महाराज ने कहा कि भैरव बाबा की कृपा से इस पवित्र धाम से नशामुक्ति का संदेश समाज के हर वर्ग तक पहुंचना चाहिए। नशे का त्याग किए बिना शिक्षा से जुड़ना और सुखद भविष्य की दिशा में आगे बढ़ना कठिन है। उन्होंने कहा कि शिक्षित समाज में नशे का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। नशा विनाश का कारण बनता है, जबकि शिक्षा विकास का रास्ता खोलती है। समाज को नई दिशा देने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को नशे से दूर रहने का संकल्प लेना चाहिए।उन्होंने संदेश दिया, घर परिवार को बचाना है तोनशामुक्तिको अपनाना है।

रविवारीय मेले में सीकर जिले के बाल भजन गायक विरेन सेन ने बाबा भैरव और मां कालिका के भजनों की प्रस्तुति दी। जन्म से दृष्टिबाधित विरेन सेन ने शनिवार रात और रविवार सुबह अपनी मधुर आवाज में भजन सुनाकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालु भजनों पर झूमते नजर आए।

मेले में शारदीय नवरात्र के घटस्थापना से दशमी तक प्रज्वलित रही अखंड ज्योति की विशेष चिमटी भी श्रद्धालुओं को वितरित की गई। धाम की ओर से इसे विशेष औषधीय गुणों वाली चमत्कारी चिमटी बताया गया। रैली कीव्यवस्थाएंसंभालने में रमेश सेन, राहुल सेन, ताराचंद सेन, कैलाश सेन, दिलीप राठी, अजय बुढ़ानिया, सतीश सेन, सत्यनारायण, नवीन और शुभम सहित अन्य लोगों ने सहयोग किया।

सहायक निदेशक की रिपोर्ट पर नरेश मीणा के खिलाफ मामला दर्ज

छबड़ा, (निसं)। डीएपी उर्वरक वितरण के दौरान हुए हंगामे, कृषि विभाग के कर्मचारियों को धक्का देकर हटाने और अभद्र भाषा के प्रयोग के आरोपों को लेकर सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) ने नरेश मीणा के खिलाफ थाने में विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामले में अनुसंधान शुरू किया है।

सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) सुरेश कुमार मालव ने थाने में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 21 अक्टूबर को छबड़ा में निजी विक्रेताओं को 148 मीट्रिक टन डीएपी उर्वरक प्राप्त हुआ था। उपखंड अधिकारी के निर्देश पर किसानों को प्रति दुकान तीन-तीन बैग वितरित करने की व्यवस्था की गई थी। इसके लिए कृषि विभाग के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई और पुलिस से जाप्ता उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया था। 22 अक्टूबर को दुकानों पर अत्यधिक भीड़ के कारण विक्रेता दुकानें नहीं खोल पाए।

इसकी सूचना तहसीलदार और थानाधिकारी को दी गई। भीड़ में शामिल कुछ लोगों ने पेड़ों की टहनियां तोड़कर डंडे बना लिए और कृषि विभाग के कर्मचारियों को मारने के लिए उनके पीछे दौड़े। कर्मचारी मौके से भागकर अपनी जान बचाकर पुलिस थाने पहुंचे। इसके बाद पुलिस के निर्देश पर डीलरों से टोकन तैयार करवाए गए और स्कूल मैदान में वितरण शुरू किया गया। कुछ समय बाद नरेश मीणा भी मैदान में पहुंचे। यहां भीड़ ने पुलिस और कृषि विभाग के कर्मचारियों को धक्का देकर वहां से हटा दिया। बाद में उपखंड कार्यालय में उपखंड अधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, थानाधिकारी और तहसीलदार की मौजूदगी में नरेश मीणा के साथ वार्ता हुई। इस दौरान नरेश मीणा पर सहायक निदेशक कृषि के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करने का आरोप लगाया गया। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

मांडल की लुहारिया ग्राम पंचायत में सरपंच चुनाव परिणाम पर विवाद

भीलवाड़ा, (निसं)। मांडल तहसील की लुहारिया ग्राम पंचायत में सरपंच पद के चुनाव परिणाम को लेकर विवाद गहरा गया है। चुनाव में सरपंच पद के प्रत्याशी मुस्तफा खान पठान ने चुनाव कार्य में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है और निष्पक्ष पुनः मतगणना की मांग की है।

प्रार्थी मुस्तफा खान पठान ने बताया कि वे ग्राम पंचायत लुहारिया से सरपंच पद के प्रत्याशी हैं। उनका आरोप है कि पहली बार हुई मतगणना में उन्हें 50 से अधिक मतों से विजयी घोषित किया गया था, लेकिन इसके बाद पुनः गणना करवाते हुए उन्हें 16 मतों से हारा हुआ घोषित कर दिया गया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि मतों की गणना सही और संतुष्ट तरीके से नहीं कराई गई। नियमों को ताक पर रखकर वार्ड वार मतों की गणना करने के बजाय सभी मतों का एक साथ ढेर कर गणना करवाई गई। इसके अलावा, प्रक्रिया के दौरान किसी भी अन्य सरपंच प्रत्याशी के हस्ताक्षर भी नहीं करवाए गए।

प्रत्याशी ने यह भी आरोप लगाया है कि चुनाव कार्य में जुटे सरकारी कर्मचारी मिले हुए हैं और वे पिछले 3-4 दिनों से एक अन्य सरपंच प्रत्याशी के घर पर ही भोजन कर रहे थे। प्रार्थी ने निर्वाचन अधिकारी से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच करते हुए दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और वार्ड-वार स्पष्ट रूप से पुनः मतगणना करवाई जाए।

कार से जेवर व नकदी चोरी, मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। शहर के सेवाश्रम चौराहा पर खड़ी कार का कॉच फोड़ कर चोर पर्स से जेवर व नकदी चुरा ले गया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता प्रतिक्षा दवे पत्नी विक्की श्रीमाली निवासी महावीर नगर सेक्टर 14 ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़िता प्रतिक्षा दवे ने बताया कि 23 अक्टूबर को सांय सेवाश्रम पुलिया निचे कार खड़ी कर मेघा मेला देखने के लिए बीएन मैदान पर गई थी। जहां से वापस लौटी तो कार का कांच टूटा हुआ एवं सीट पर रखे पर्स से 1 लाख रूपये नकदी, मंगलसूत्र सहित अन्य जेवर व दस्तावेज गायब थे। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस की पूछताछ में गैंगस्टर के गुर्गे विष्णु साध से चौंकाने वाले खुलासे हुये

बीकानेर, (निसं)। धर्मनगर द्वार के बाहर रहने वाले सर्राफा व्यवसायी जुगल नारायण सोनी को गैंगस्टर रोहित गोदारा के नाम से धमकी देकर 5 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी गई थी। गैंगस्टर रोहित के खास गुर्गे वीरेन्द्र चारण ने परिवार को जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस इस मामले में शुक्रवार को गैंगस्टर के गुर्गे विष्णु साध और बड़े सर्राफा व्यवसायी मनीष लांबा को जयपुर से बीकानेर लेकर आई और उनसे पूछताछ की। एएसपी सिटी चक्रवर्ती सिंह राठौड़, सीओ सिटी अनुज डाल और नयाशहर पुलिस थाने के एसएचओ सुरजीत सिंह ने लगातार दो दिन तक पूछताछ की तो चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। ऐसे लोगों के नाम सामने आए हैं जो गैंगस्टर के खौफ के कारण उन्हें करोड़ों रुपयों की फिरौती दे चुके हैं और मुकदमे दर्ज नहीं कराए। पुलिस इसकी तस्दीक करने में जुटी है।

- **पूछताछ में ऐसे लोगों के नाम सामने आए हैं जो गैंगस्टर के खौफ के कारण उन्हें करोड़ों रुपयों की फिरौती दे चुके हैं और मुकदमे दर्ज नहीं कराए, पुलिस इसकी तस्दीक करने में जुटी है**

इसके अलावा यह भी सामने आया है कि स्थानीय लोग बड़े कारोबारियों की जानकारी गैंगस्टर तक पहुंचा रहे हैं। इनमें वो लोग भी शामिल हैं जो पहले गैंगस्टर को फिरौती दे चुके हैं और बाद में अपना पीछा छुड़ाने के लिए दूसरे कारोबारियों के नाम गैंगस्टर तक पहुंचा रहे हैं। पूर्व में भी पुलिस और गुप्तचर एजेंसियों की जांच में इसका खुलासा हो चुका है। पुलिस डिटेन किए गए दोनों अभियुक्तों से दो दिन से पूछताछ कर रही है। कोटगेट थाने में दर्ज एक मामले में भी पुलिस को विष्णु की तलाश थी। उसके मनीष लांबा के ठिकाने पर मिलने से पुलिस लांबा के बारे में भी गहनता से छानबीन करने में जुटी है। पुलिस अधिकारी अभी अधिकृत रूप से कुछ भी बताने को तैयार नहीं हैं। गौरतलब है कि पिछले कुछ सालों से बीकानेर जिले में लॉरेंस और रोहित की गैंग लगातार सक्रिय रही है। बड़े कारोबारियों को लगातार धमकी देकर फिरौती मांगी जा रही है। इसके लिए कारोबारियों पर फायरिंग की घटनाएं भी कराई गई हैं। हैरानी की बात ये है कि गैंगस्टर के शहर में एक हजार से ज्यादा फॉलोअर्स बताए जा रहे हैं, लेकिन के हाथ उन तक नहीं पहुंच पा रहे।

व्यास कॉलोनी थाना क्षेत्र में कारोबारी के घर उसकी पत्नी की मौजूदगी में गुर्गे भेजकर धमकाया गया। रोहित गोदारा के भेजे आरोपी नामजद हुए। जेठू सिंह, पंकज नायक, रतन सिंह पलाना व किशन सिंह उर्फ मजूम को नामजद कर जांच आगे बढ़ाई है। पूगल में जय प्रकाश ज्याणी ने 1 करोड़ की फिरौती नहीं दी तो उसके घर पर फायरिंग करवा दी। इस मामले में जितेंद्र सिंह और सुरेंद्र सिंह उर्फ ढोलू हरियाणा) के खिलाफ जानलेवा हमले व रंगदारी की धाराओं में कार्रवाई की गई।

श्रीडूंगरगढ़ में कारोबारी जगदीश तावणिया से 5 करोड़ की फिरौती मांगी। पुलिस ने पारीक चौक निवासी 22 वर्षीय माधव पारीक को नामजद कर पकड़ा। नयाशहर थाना क्षेत्र में डॉ. श्यामसुन्दर अग्रवाल के घर देर घुसकर 25 लाख रुपये नकद और हर महीने 1 लाख रुपये की बंधी (मंथली) मांगी। इनकार करने पर दोपहर में उनके अस्पताल के चैंबर में घुसकर दोबारा जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुख्य आरोपी विष्णु साध निवासी जस्सूसर गेट, अभिषेक पंवार, भवानी स्वामी को गिरफ्तार किया।

पिछले साल सितंबर में शार्दुल गंज निवासी सगे भाई और कारोबारी सुखदेव चायल और धनपत चायल को धमकाकर 5 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी और नहीं देने पर उनके घर पर फायरिंग की गई। व्यास कॉलोनी निवासी शेयर मार्केट कारोबारी पीयूष श्रृंगारी को धमकी देकर 5 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी गई। होटल,ज्वैलरी और घी व्यवसायी दीपक पारीक को धमकी देकर फिरौती मांगी शहरी परकोटे में फिरौती के लिए एक कारोबारी जुगल राठी की कार पर फायरिंग की गई।

गैंगस्टर रोहित गोदारा का पता लगाने में बीकानेर की पुलिस पूरी तरह विफल रही है। उसका ठिकाना तक नहीं पता। फर्जी पासपोर्ट बनाकर दुबई भागने के बाद राजस्थान पुलिस की सिफारिश पर उसके खिलाफ लुक आउट नोटिस जून 2022 में जारी किया गया था। उसकी धरपकड़ के लिए इंटरपोल ने मार्च 2023 में रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था, ताकि उसे दुनिया भर में यात्रा करने से रोका और गिरफ्तार किया जा सके। हाल ही में अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर हुई फायरिंग मामले में संलिप्तता सामने आने के बाद मुंबई पुलिस ने भी उसके खिलाफ लुक आउट नोटिस की कार्रवाई को आगे बढ़ाया है।

ओमप्रकाश जोशी, रिटायर्ड आरपीएस का कहना है कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां (पुलिस या जांच विभाग) अदालत या गृह मंत्रालय की अनुमति से ही कानूनी रूप से टेलीकॉम ऑपरेटर के माध्यम से संदिग्ध नंबरों के इंटरसेप्ट या टैप करती हैं। रोहित गोदारा जैसे गैंगस्टर को पकड़ने के लिए उसके संदिग्ध कॉल इंटरसेप्ट करना चाहिए। रोहित के परिवार, दोस्त, गुर्गों और उनके भी रिश्तेदारों के कॉल ट्रेस करने जरूरी हैं। इंटरसेप्ट की प्रक्रिया से टावर टू टावर एक रूट मैप बनता है, जिससे अपराधी तक पहुंचने में मदद मिलती है, लेकिन बीकानेर पुलिस के पास इस काम की एक्सपर्ट टीम ही नहीं है। शहर में कहां-कहां नशा बिक रहा है, कौन बेच रहा है, क्या पता नहीं है। पर, सब टारगेट पूरे कर वाहवाही लूट रहे हैं।

कार-बाइक की भिड़ंत में तीन गंभीर घायल

मसूदा, (निसं)। मसूदा-विजयनगर मार्ग पर रविवार सुबह मारुति कार और मोटरसाइकिल की भिड़ंत में एक महिला सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों घायलों को एम्बुलेंस की सहायता से मसूदा उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां चिकित्सक लीना बेनीवाल और नर्सिंग स्टाफ ने प्राथमिक उपचार किया। हालत गंभीर होने पर तीनों को अजमेर के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय के लिए भेज दिया गया। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने जानकारी जुटाकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शेरगढ़ के समीप लालावास निवासी पांचू, रामप्रसाद और छोटी मसूदा से अपने गांव जा रहे थे। इसी दौरान उनकी मोटरसाइकिल की मारुति कार से जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर 108 एम्बुलेंस और निजी एम्बुलेंस की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। घटना की जानकारी मिलने पर मसूदा पुलिस अस्पताल पहुंची। पुलिस ने जानकारी जुटाकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

उदयपुर में फुटपाथी दुकानों में आग लगी

आगजनी में फुटपाथी दुकान में रखे कपड़े जल गये।

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर शहर के सेवाश्रम पुलिया के समीप लगने वाले सन डे मार्केट की फुटपाथी दुकानों में रविवार शाम अचानक आग लग गई। करीब चार दुकानें आग की चपेट में आ गई। घटना करीब 2.30 बजे की बताई जा रही है। मौके पर पहुंची दो दमकलों की सहायता से आग पर काबू पाया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शहर के ठोकर चौराहे से सेवाश्रम पुलिया तक हर रविवार को सन डे मार्केट लगता है जहां ठेलों व फुटपाथ पर अपनी दुकानें लगाकर व्यापारी सामान बेचते हैं। रविवार को सेवाश्रम पुलिया पर चार दुकानों में कपड़ों में अचानक आग लग गई और आग इतनी तेजी से कपड़ों में फैली की व्यापारी अपना सामान भी नहीं हटा सके और जान बचाकर वहां से भागे। आग की सूचना पर दो दमकल वाहनों को मौके पर भेजा गया। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग से फुटपाथ पर लगी चार दुकानों के कपड़े जलकर राख हो गए। वहीं कपड़ों के साथ रखी करीब चार हजार रूपए की राशि भी जल गई।

अलवर में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी पुरस्कृत

अलवर। खांडल विप्र सभा समिति, जिला अलवर की ओर से जिला स्तरीय खांडल समाज सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के वन मंत्री संजय शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सम्मेलन में समाज के वरिष्ठजनों, प्रतिभावान विद्यार्थियों और सरकारी सेवा में चयनित युवाओं को सम्मानित किया गया। सम्मेलन में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए सत्र 2024-25 और 2025-26 में दसवीं, बारहवीं, बीए, एमए सहित अन्य विशेष योग्यताओं में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही वर्ष 2019 के बाद पहली बार 75 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों का सम्मान किया गया। खांडल विप्र सभा भवन में रहकर

अलवर में खांडल विप्र सभा समिति का विद्यार्थी सम्मान समारोह को वन मंत्री संजय शर्मा ने सम्बोधित किया।

अध्ययन करने के बाद सरकारी सेवा में चयनित युवाओं को भी सम्मानित किया गया। उनकी उपलब्धियों की सराहना करते हुए समाज के अन्य युवाओं को शिक्षा और करियर के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देना, बुजुर्गों के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करना तथा युवाओं को शिक्षा के प्रति प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम के माध्यम से समाज में शिक्षा, प्रतिभा सम्मान

- **दसवीं, बारहवीं, बीए, एमए सहित अन्य विशेष योग्यताओं में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया**

और वरिष्ठजनों के आदर का संदेश दिया गया। सम्मेलन की तैयारियों में समिति के जिलाध्यक्ष मनोज कुमार सेवदा, मंत्री प्रवीण कुमार शर्मा और संरक्षक बाबूलाल बढ़ाढरा सहित समाज के अन्य पदाधिकारी जुटे रहे। कार्यक्रम में समाज के लोगों की भागीदारी के बीच प्रतिभाओं और वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया।

विष्णु लांबा "गार्डियन ऑफ ह्यूमैनिटी अवॉर्ड" से सम्मानित

टोंक। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के नवदशकोत्सव के उपलक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन में आयोजित ग्लोबल समिट 2026 में जिले के लांबा गांव निवासी एवं 'ट्री मैन ऑफ इंडिया' के नाम से प्रसिद्ध पर्यावरणविद् विष्णु लांबा को 'गार्डियन ऑफ ह्यूमैनिटी अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पर्यावरण संरक्षण, पौधारोपण और सामाजिक परिवर्तन के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। विष्णु लांबा ने पिछले 31 वर्षों में डेढ़ करोड़ से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का कार्य किया है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा संचालित कल्पतरु अभियान में भी उन्होंने विशेष सहभागिता निभाई तथा 40 लाख से अधिक पौधे लगाने के अभियान में योगदान दिया। पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ वह सामाजिक परिवर्तन की दिशा में भी सक्रिय हैं। वर्तमान में वह नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को हिंसा का मार्ग छोड़कर मुख्यधारा में लौटने तथा शांति और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

दिपावली के बाद अतिक्रमण पर फिर चलेगा पीला पंजा

- **शहर में अतिक्रमण चिन्हित करने का काम जारी, सूची तैयार कर नोटिस तैयार करने में लगी नगर पालिका**

किशनगढ़ बास। शहर में अतिक्रमण को लेकर अभी डर और असमंजस का माहौल बरकरार है। नगर पालिका प्रशासन द्वारा हाल ही में शहर के प्रमुख इलाकों में पीला पंजा चलाने के बाद अब दीपावली के बाद बड़े अभियान की तैयारी में जुटी है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या इस बार वर्षों पुरानी अतिक्रमण की समस्या का स्थाई समाधान होगा या फिर यह अभियान भी पिछले अभियानों की तरह खानापूर्ति बनकर रह जाएगा। नए नगर पालिका बोर्ड और अध्यक्ष पर लोगों का विश्वास टिका हुआ है।

इसकी वजह है नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा की गई पहल। सबसे पहले अपने खुद के वार्ड में पीला पंजा चलवाकर अतिक्रमण हटाने की शुरुआत और अपनों पर सबसे पहले की गई कार्रवाई से शहर वासियों में विश्वास बना है कि इस बार अतिक्रमण की समस्या का स्थाई रूप से अंत होकर रहेगा। क्योंकि आमतौर पर देखा जाता है कि अतिक्रमण हटाओ अभियान में जनप्रतिनिधि अपने लोगों को बचाने में लग जाते हैं, लेकिन यहां इस बार उल्टा है। नगर पालिका युवा अध्यक्ष विश्वास यादव ने यह कहते हुए कि सुधार की शुरुआत खुदसे होनी चाहिए, और सबसे पहले अपने वार्ड में खुद खड़े होकर अतिक्रमण हटवाया। उनके इस कदम की शहर में जमकर सराहना हुई। लोगों का कहना है कि जब अध्यक्ष ने अपने ही लोगों पर कार्रवाई कर दी तो अब किसी को बख्शा नहीं जाएगा। इसी कारण नए बोर्ड पर लोगों का भरोसा और मजबूत हुआ है। नगर पालिका प्रशासन ने दो दिन तक सघन अभियान के दौरान नए बस स्टैंड, मोठूका चौक, भूरपहाड़ी, तोप सर्किल, जिला न्यायालय और अस्पताल गेट के आसपास स्थाई व अस्थाई अतिक्रमण को जेसीबी से ध्वस्त कराया और किसी की एक नहीं सुनी।

सार-समाचार

दौसा जिला निर्वाचन अधिकारी का महवा और बांदीकुई मतदान क्षेत्र का दौरा

दौसा (निसं.)। आगामी पंचायत आम चुनाव-2026 को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा ने रविवार को महवा और बांदीकुई उपखंड क्षेत्र का दौरा कर चुनावी तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने उपखंड कार्यालयों में अधिकारियों के साथ बैठक की तथा विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सौम्या झा ने महवा उपखंड कार्यालय में आयोजित बैठक में चुनाव से संबंधित तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्वाचन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने बालाहेड़ी और वीरपुर में मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदान केंद्रों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए चुनाव प्रक्रिया के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक पहलुओं का अवलोकन किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसी क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी ने बांदीकुई उपखंड कार्यालय में भी अधिकारियों के साथ बैठक कर पंचायत आम चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्वाचन से जुडे कार्यों की प्रगति एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने पिछूपाडा खुर्द स्थित मतदान केंद्र का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान पंचायत समितियों के रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, पंचायत समिति विकास अधिकारी एवं चुनाव व्यवस्था से जुड़े अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

सांभर में अंतिम सांसें गिन रहीं हेरिटेज लायक ऐतिहासिक संपत्तियां

सांभरझील, (निसं)। रियासत काल का दौर देख चुकी अंग्रेजों के जमाने की ऐतिहासिक इमारतें जो की हेरिटेज के लायक है, अंतिम सांसें गिनने के करीब है। इसकी मुख्य वजह जो सामने आई है उसमें प्रशासनिक व राजनीतिक उपेक्षा पहला मोटा कारण बताया जा रहा है। अंठोजों के जमाने का पुराना जेल भवन जिसके संरक्षण व रख रखाव की जिम्मेदारी राजस्व विभाग यानी एसडीएम की ही है। नए भवन में कई सालों पहले शिफ्ट होने से पहले सब जेलर के अंडर में यह भवन था, खाली करने के बाद सब जेलर ने इसको वापस राजस्व विभाग को सोंपा या नहीं सोंपा वरना तो दोनों ही विभाग इसके लिए जिम्मेदार है, क्योंकि संपत्ति सरकारी इमारतें (नजूल संपत्ति) है, सब जेलर अथवा एसडीएम को इसके लिए राज्य सरकार को यहां की ऐतिहासिक इमारतों की वस्तुस्थिति से अवगत कराने के लिए जिला कलेक्टर को लिखा जाना चाहिए था। इस जेल भवन की पीछे की करीब 200 फुट लंबी दीवार डैमेज होकर कभी भी गिर सकती है। दीवारें आर-पार हो गई है। इसी प्रकार खुद एसडीएम कोर्ट की पुरानी बिल्डिंग लावारिस अवस्था में पड़ी है। इसके ठीक सामने सिविल न्यायाधीश कनिष्ठ खंड की पुरानी बिल्डिंग व इसके बगल में अपर लोक अभियोजक का कार्यालय अब सुनसान पड़े हैं। बताया जा रहा है कि कुछ असामाजिक तत्वों की ओर से इनको नुकसान पहुंचाया जा रहा है तो कुछ रख रखाव के अभाव में लगातार डेमेज हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि यहां के राजनेता अधिकांश तो इंस्टाठााम और फेसबुक पर अपने फॉलोवर्स बढ़ाने में लगे हुए हैं। उधर प्रशासन भी अब तो प्रतीत हो रहा है कि इन भवनों के गिरने के बाद भी सुध लेगा या नहीं यह तो आने वाला वक्त ही बता पाएगा, लेकिन तब तक यहां के रियासत काल का इतिहास मिट्टी में तब्दील हो ही जाएगा क्योंकि यहां के हालात को देखकर तो ऐसा साफ दिखाई दे रहा है।

यूजीसी के विरोध में सर्व समाज का प्रदर्शन

अलवर। अलवर शहर के शहीद स्मारक पर यूजीसी के विरोध में सर्व समाज की ओर से प्रदर्शन किया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने यूजीसी के मुद्दे पर विरोध दर्ज कराते हुए अपनी आवाज बुलंद की। प्रदर्शन के संयोजक आकाश मिश्रा ने इस मुद्दे पर राजनीतिक नेताओं का समर्थन नहीं मिलने पर नाराजगी जाहिर की। आकाश मिश्रा ने कहा कि यूजीसी के विरोध में सर्व समाज की ओर से प्रदर्शन किया जा रहा है, लेकिन इस मुद्दे पर किसी भी राजनीतिक नेता का समर्थन नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक नेताओं को भी इस मुद्दे पर अपनी भूमिका स्पष्ट करनी चाहिए। शहीद स्मारक पर आयोजित प्रदर्शन के माध्यम से सर्व समाज के लोगों ने यूजीसी के मुद्दे पर अपना विरोध जताया। संयोजक आकाश मिश्रा ने राजनीतिक समर्थन की कमी को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि इस मुद्दे पर नेताओं को भी अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। अब देखना होगा कि सर्व समाज की ओर से उठाई जा रही इस आवाज पर राजनीतिक नेताओं की क्या प्रतिक्रिया सामने आती है और यूजीसी के विरोध को लेकर आगे क्या रणनीति अपनाई जाती है।

महोत्सव में उमड़े श्रद्धालु

निवाई। श्री सकल दिगम्बर जैन समाज पहाड़ी के तत्वावधान में आचार्य सुंदर सागर महाराज के सानिध्य एवं आर्यिका सुधन्नमति माताजी व आर्यिका सुपथ्यमति माताजी के मंगलाचरण के साथ भगवान अरहनाथ का वार्षिकोत्सव एवं सामूहिक मस्तकाभिषेक धूमधाम एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। जिसको लेकर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। महोत्सव का शुभारंभ ध्वजारोहण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात विधि-विधान से शांतिधारा व सामूहिक मस्तकाभिषेक का आयोजन हुआ। मंत्रोच्चारण से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। महोत्सव में सैकड़ों महिला-पुरुषों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। डालू पहाड़ी व ज्ञानचंद पहाड़ी ने बताया कि धार्मिक अनुष्ठान एवं भक्ति संगीत कार्यक्रम में गायकों ने भजनों की प्रस्तुतियां दीं।

तीन दीक्षार्थियों की गोद भराई आज

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य सुन्दर सागर महाराज संघ के सानिध्य में दीक्षार्थियों की पंचमेवा से गोदभराई की गई, जिसमें श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। चातुर्मास कमेटी के मीडिया प्रभारी सुनील भाणजा एवं विमल जौंला ने बताया कि श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य सुन्दर सागर महाराज 22 पिच्छिका के साथ चातुर्मास के दौरान श्रद्धालुओं ने दीक्षार्थी बहिन सोनम दीदी एवं चाहत दीदी की पंचमेवा से गोदभराई की। रोनक बोहरा एवं संजय सिरस ने बताया कि दोनों दीक्षार्थी मध्यप्रदेश राज्य में टीकमगढ़ जिले में आयोजित दीक्षा महोत्सव में आचार्य विभव सागर महाराज संघ के सानिध्य में दीक्षा लेंगी। इस दौरान आचार्य सुन्दर सागर महाराज एवं आर्यिका सुलक्ष्य मति माताजी ने धर्म सभा को संबोधित किया। इसी प्रकार सोमवार को आचार्य विशुद्ध सागर महाराज व आदित्य सागर महाराज संघ के सानिध्य में जयपुर में तीन दीक्षार्थी दीक्षा लेंगे, जिनकी सोमवार को निवाई में गोद भराई की जाएगी। इस अवसर पर ब्रह्मचारिणियां लब्धि दीदी, प्राप्ति दीदी, वंशिका दीदी, उत्सव जैन, ऋषभ जैन, सुशील कुमार, नीरा जैन, हुकमचंद जैन, विष्णु बोहरा, नेमीचंद सिरस, संयम जैन व प्रियांशु जैन सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

मतदान दिवस के संबंध में निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की कड़ाई से पालना के निर्देश

- **अंतिम 48 घंटे एवं मतदान दिवस पर आदर्श आचार संहिता की पालना सुनिश्चित करें : जिला निर्वाचन अधिकारी**

दौसा (निसं.)। पंचायत आम चुनाव-2026 के तहत स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए मतदान से पूर्व अंतिम 48 घंटे तथा मतदान दिवस के संबंध में निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की कड़ाई से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। द्वितीय चरण में 28 अक्टूबर को होने वाले निर्वाचन को लेकर बांदीकुई, बसवा, बैजूपाड़ा, महवा, मंडावर एवं मनोहरपुर खेड़ला पंचायत समिति क्षेत्र में 26 अक्टूबर शाम 6 बजे से चुनाव प्रचार थम जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सौम्या झा ने बताया कि निर्वाचन से पूर्व अंतिम 48 घंटे की अवधि निर्वाचन प्रबंधन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवधि में चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों की पालना के साथ-साथ कानून-व्यवस्था एवं निर्वाचन प्रक्रिया की गोपनीयता बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों, राजनीतिक दलों एवं अभ्यर्थियों को सतर्कता के साथ निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के प्रावधानों के अनुसार मतदान समाप्ति के लिए निर्धारित समय से समाप्त होने वाली 48 घंटे की अवधि में चुनाव प्रचार समाप्त हो जाएगा। इस दौरान किसी भी प्रकार की सार्वजनिक सभा अथवा जुलूस आयोजित नहीं किया जा सकेगा। साथ ही भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के लागू आदेशों के अनुसार पांच से अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने एवं आवागमन संबंधी प्रतिबंधों की पालना सुनिश्चित की जाएगी। इस अवधि में लाउडस्पीकर एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। अस्पताल, विद्यालय एवं धार्मिक स्थलों की 100 मीटर की परिधि में भी लाउडस्पीकर के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। राजनीतिक प्रचार में लगे ऐसे व्यक्ति जो संबंधित पंचायत समिति क्षेत्र के मतदाता अथवा सांसद/विधायक नहीं हैं, उन्हें प्रचार अवधि समाप्त होने के तुरंत बाद निर्वाचन क्षेत्र छोड़ना होगा।

सूखा दिवस एवं शराब के भंडारण पर रहेगी कड़ी निगरानी:- निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अंतिम 48 घंटे की अवधि से संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में सूखा दिवस प्रभावी रहेगा। अनुज्ञप्त परिसरों में शराब के भंडारण एवं वितरण पर आबकारी कानूनों के तहत लागू प्रतिबंधों की कड़ाई से पालना सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही निर्वाचन संबंधी ओपिनियन पोल एवं एग्जिट पोल के प्रसारण पर भी निर्धारित अवधि में प्रतिबंध रहेगा। प्रथम निर्वाचन दिवस से अंतिम मतदान तिथि को मतदान समाप्त होने के 30 मिनट बाद तक एग्जिट पोल प्रतिबंधित रहेगा। मतदान समाप्ति से पूर्व की 48 घंटे की अवधि में किसी भी ओपिनियन पोल के परिणाम को प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रकाशित, प्रचारित या प्रसारित नहीं किया जा सकेगा। मतदान दिवस पर वाहनों एवं प्रचार गतिविधियों पर विशेष नियंत्रण:- जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान दिवस पर वाहनों के संचालन एवं अनुमति के संबंध में निर्वाचन आयोग के निर्देशों की कड़ाई से पालना की जाएगी। अभ्यर्थी एवं उनके निर्वाचन अभिकर्ता को नियमानुसार अनुमत वाहनों का ही उपयोग करना होगा तथा अनुमति पत्र वाहन की विंड स्क्रीन पर प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा। मतदाताओं को मतदान केंद्र तक लाने-ले जाने के लिए अभ्यर्थियों अथवा राजनीतिक दलों द्वारा निःशुल्क वाहन उपलब्ध कराना प्रतिबंधित रहेगा। मतदान केंद्र के 200 मीटर के दायरे में निजी वाहनों के उपयोग पर भी निर्धारित प्रतिबंध लागू रहेंगे। आवश्यक सेवाओं, सार्वजनिक परिवहन, ड्यूटी पर तैनात सरकारी अधिकारियों तथा बीमार एवं दिव्यांग व्यक्तियों के लिए नियमानुसार छूट रहेगी। मतदान केंद्र की 100 मीटर परिधि में प्रचार सामठी एवं ध्वनि विस्तारक प्रतिबंधित:- मतदान केंद्र भवन की 100 मीटर की परिधि में पोस्टर, बैनर अथवा किसी भी प्रकार की प्रचार सामठी प्रदर्शित नहीं की जा सकेगी। इस क्षेत्र में ध्वनि विस्तारक यंत्र एवं मेगाफोन का उपयोग भी प्रतिबंधित रहेगा। अभ्यर्थियों के निर्वाचन बूथ मतदान केंद्र से 200 मीटर से अधिक दूरी पर ही निर्धारित निर्देशों के अनुसार स्थापित किए जा सकेंगे।

पीएम श्री विद्यालय के विद्यार्थियों ने जयपुर में शैक्षिक भ्रमण किया

निवाई। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय निवाई के विद्यार्थियों का हरित विद्यालय फील्ड विजिट के अंतर्गत शैक्षिक एवं सांस्कृतिक दल जयपुर के ऐतिहासिक, प्राकृतिक व धार्मिक स्थलों के भ्रमण पर रहा। इस शैक्षिणक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ पर्यावरण, वन्यजीव संरक्षण, धार्मिक आस्था व राजस्थानी स्थापत्य कला से प्रत्यक्ष रूप से रूबरू कराना है।

दल प्रभारी हीरालाल राजोरा ने बताया किविद्यार्थियों ने नाहरगढ़ जैविक पार्क में प्राकृतिक वनस्पति व वन्यजीवों जानकारी ली। विद्यार्थियों ने शेरों, चीतों, भालुओं सहित विभिन्न दुर्लभ पेड़-पौधों को नजदीक से देखकर वन्य जीवन व पारिस्थितिकी तंत्र के रहस्यों की जानकारी ली। भ्रमण दल खोले के हनुमान जी के दर्शन करके वहाँ की भौगोलिक स्थिति व शांतिपूर्ण वातावरण का आनन्द लिया। इसके पश्चात दल ने जयपुर की आधुनिक पहचान व राजस्थानी स्थापत्य व लोक कला के केंद्र जवाहर सर्किल का अवलोकन किया।

किशनगढ़ कॉलेज प्रशासन के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

किशनगढ़ बास। किशनगढ़ पी.जी. कॉलेज में शनिवार को 'तरंग 2026' सांस्कृतिक एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने राजस्थानी संस्कृति, देशभक्ति और स्वच्छता का संदेश देती रंगारंग प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। कार्यक्रम में जादूगर रवि प्रकाश ने भी अपने जादू से छात्राओं एवं अतिथियों का भरपूर मनोरंजन किया।

कालेज समिति के संजय गोयल ने बताया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेश बटवाड़ा रहे, अध्यक्षता नगर पालिका वाइस चेयरमैन मनीष लखयाणी ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि नगर पालिका वार्ड पार्षद हेमेंद्र चौधरी रहे। कॉलेज अध्यक्ष उमेश कांत वशिष्ठ, डायरेक्टर विक्रम भडाना, भावना वशिष्ठ, किशनगढ़ आयुर्वेदिक नर्सिंग कॉलेज के मैनेजिंग डायरेक्टर नरेश वशिष्ठ और प्राचार्य डॉ. पूजा शर्मा ने सभी अतिथियों का माला, साफा पहनाकर एवं मोमेंटो देकर सम्मान किया। इस अवसर पर अतिथियों ने सम्बोधन मेंकहा कि युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति और संस्कारों से जुडा रहना चाहिए, तभी हमारा समाज और राष्ट्र उन्नित कर सकता है। वहीं ऐसे सांस्कृतिक आयोजन छात्र-छात्राओं में रचनात्मकता और एकता का संचार करते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मनीष लखयाणी ने यादें ताजा की ओर कहा अकॉलेज से बी.कॉम. किया है और कॉलेज की शैक्षिणक व सांस्कृतिक गतिविधियों की सराहना करते हुए छात्राओं को भविष्य के लिए प्रेरित किया।

- **अतिथियों ने सम्बोधन में कहा कि युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति और संस्कारों से जुड़ा रहना चाहिए**

सांस्कृतिक समिति की प्रमुख सुरभि शर्मा एवं वैभव गोयल ने बताया कि कार्यक्रम में बी.ए., बी.कॉम., बी.एससी. की छात्राओं ने राजस्थानी कालबेलिया नृत्य, समूह नृत्य एवं देशभक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी। छात्रों की गायन प्रतियोगिता में लोकगीत और सुगम संगीत को खूब सराहा गया। मंच पर छात्राओं द्वारा प्रस्तुत नाटक 'स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत' को दर्शकों ने खूब सराहा।

इस अवसर परअतिथियों एवं कॉलेज अध्यक्ष ने बी.ए., बी.कॉम., बी.एससी. की परीक्षा परिणाम में सबसे अधिक अंक लाने वाले छात्र-छात्राओं को मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कॉलेज प्राचार्य श्रीराम मेहरिया ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन से विद्यार्थियों को मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। इस दौरान राजेश यादव, नरेश वर्मा, हेमंत यादव, चंद्रभान शर्मा, मुनेश यादव, सलमा, प्रिया वर्मा, रंजीत वर्मा, नवीन कुमार, जयप्रकाश, लव कुमार, राकेश कुमार, हेमंत सोनी एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।। मंच संचालन प्रीति शर्मा, टीना और प्रिया ने किया।

भर्तृहरि नाटक के भावुक दृश्य से आंखें भरी

किशनगढ़ बास। शहर के रामलीला मंच पर शुक्रवार और शनिवार को इतिहास जीवंत हो उठा। मौका था अक्षय नाट्यय संस्थान द्वारा प्रस्तुत दो दिवसीय ऐतिहासिक नाटक 'महाराजा भर्तृहरि' के भव्य मंचन का। संगीत निर्देशक राजेंद्र भारद्वाज के निर्देशन में स्थानीय कलाकारों ने ऐसा सजीव अभिनय किया कि दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। कलाकारों का उत्साहवर्धन करते दर्शक और बीच-बीच में गूंजती तालियों की गड़गड़ाहट ने मंचन में चार चांद लगा दिए। नाटक का सबसे भावुक करने वाला पल वह रहा जब वैराग्य धारण कर चुके महाराजा भर्तृहरि अपनी ही पत्नी रानी पिंगला से 'माता' कहकर भिक्षा मांगते हैं। इस दृश्य ने पूरे पंडाल को भावुक कर दिया। दर्शकों की आंखें नम हो गईं। संगीत निर्देशक का 'अलख निरंजन बोलो अलख निरंजन...' महफिल और 'चलता हुआ सिंहासन' जैसे गीतों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। नवीन जैन ने बताया कि दो दिवसीय मंचन संस्था के वरिष्ठ कलाकार सतीश व संगीत निर्देशक राजेंद्र भारद्वाज के निर्देशन में शहर के किशनगढ़ पी.जी. कॉलेज प्रांगण स्थित रामलीला मंच पर किया गया।

मतदान केंद्रों के रूप में तय शिक्षण संस्थानों में अवकाश घोषित

- **द्वितीय चरण के लिए 27 से 31 अक्टूबर तथा तृतीय चरण के लिए 2 से 6 नवंबर तक संबंधित पंचायत समिति क्षेत्रों में रहेगा अवकाश**

दौसा (निसं.)। पंचायत आम चुनाव-2026 के सफल, सुचारू एवं व्यवस्थित संचालन के लिए मतदान दलों के आवागमन एवं ठहराव की व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं जिला कलक्टर डॉ. सौम्या झा ने संबंधित पंचायत समिति क्षेत्रों के मतदान केंद्रों के रूप में निर्धारित विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं अन्य संस्थानों में अवकाश घोषित किया है।

साथ ही, मतगणना स्थल पर भी मतगणना के दिन अवकाश घोषित किया गया है। जारी आदेश के अनुसार पंचायत आम चुनाव के द्वितीय एवं तृतीय चरण में जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के मतदान, पंच एवं सरपंच के नाम निर्देशन, मतदान तथा मतगणना सहित निर्वाचन प्रक्रिया के विभिन्न कार्य संपन्न कराए जाएंगे। इस दौरान मतदान दलों के संबंधित मतदान केंद्रों पर पहुंचने, ठहरने तथा निर्वाचन कार्य पूरा होने के बाद वापस लौटने तक आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। आदेश के अनुसार द्वितीय चरण के चुनाव के तहत पंचायत समिति महवा, मंडावर, मनोहरपुर खेडला, बसवा, बांदीकुई एवं बैजूपाड़ा में मतदान दलों के पहुंचने की तिथि 27 अक्टूबर से चुनाव प्रक्रिया पूरी होने की तिथि 31 अक्टूबर तक संबंधित शिक्षण संस्थानों में अवकाश रहेगा।

इसी प्रकार तृतीय चरण के चुनाव के तहत पंचायत समिति सिकराय, सिकंदरा, दौसा, लवाण, नांगल राजावतान, रामगढ़ पचवारा, शिवसिंहपुरा एवं लालसोट में मतदान दलों के पहुंचने की तिथि 2 नवंबर से चुनाव प्रक्रिया पूरी होने की तिथि 6 नवंबर तक अवकाश रहेगा।

जिलेभर में आरएसएस ने निकाला पथ संचलन, जगह-जगह पुष्पवर्षा से स्वागत

टोंक। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से जिलेभर में शरद पूर्णिमा पर पथ संचलन का आयोजन किया गया। इसी क्रम में जिला मुख्यालय करीब 600 स्वयंसेवकों ने घोष की धुन पर कदम से कदम मिलाते हुए अनुशासन और संगठन शक्ति का परिचय दिया। शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरे पथ संचलन का

- **रास्ते में कई जगह नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया**
- **घोष की गूंज और स्वयंसेवकों की अनुशासित कदमताल आकर्षण का केंद्र रही**

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से जिलेभर में शरद पूर्णिमा पर पथ संचलन का आयोजन किया गया।

लोगों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा और जयघोष के साथ स्वागत किया। पथ संचलन की शुरुआत गांधी खेल मैदान से प्रारम्भ होकर स्वयंसेवकों का काफिला डिपो, बड़ा कुआं और घंटाघर और शहर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ हाट बाजार मैदान पहुंचा, जहां कार्यक्रम का समापन हुआ। रास्ते में कई जगह नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया। घोष की गूंज और स्वयंसेवकों की अनुशासित कदमताल आकर्षण का केंद्र रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. एस.के.बृजेश मौजूद रहे तथा मंच का संचालन जिला सह संघचालक दिनेश बुंदेल और जिला प्रचारक अशोक ने किया। इसी प्रकार देवली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पथ संचलन समाजसेवी संगठनों, व्यापारियों और नगरवासियों ने निकाला जिनका कई स्थानों पर पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। इस दौरान नगरपालिका मंडल देवली ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन में उमड़ा जन सैलाब

निवाई। नगरपालिका मंडल द्वारा 15 दिवसीय विशाल दशहरा महोत्सव को लेकर प्रताप स्टेडियम में अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें श्रोताओं का सैलाब उमड़ पड़ा। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, विधायक रामसहाय वर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष नरेन्द्र जयसिंहपुरा, शहर अध्यक्ष नितिन छाबड़ा, समाज सेवी प्रभु बाडोलिया, उपखंड अधिकारी गंभीरसिंह व डीवाईएसपी रविप्रकाश शर्मा ने सरस्वती माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया।

अंतरराष्ट्रीय कवि व सम्मेलन संयोजक शशिकांत यादव ने हिंदू हो तो हिंदू रहो, जय जय श्री राम कहो, मन की भावनाओं का सम्मान होना चाहिए, हो मुसलमान दो अजान गूंजे आसमान, वतन परस्ती का मिजान होना चाहिए कविताओं की प्रस्तुतियां दी, जिस पर श्रोताओं ने जमकर तालियां बजाई। इसी प्रकार अंतरराष्ट्रीय गीतकार स्वयं श्रीवास्तव ने इक शख्स है, जो छोड़ के जाने पे लगा है, और दूसरा रिश्ते को बचाने पे लगा है, एक वो कि जिसकी आँख में दुनिया नई नई, एक मैं कि जिसका ध्यान पुराने पे लगा हैं, अंतरराष्ट्रीय कवि गौरव चौहान ने जो कहते हैं कर जाते हैं, जिगरा बहुत बड़ा है, अंगद अब भी पांव जमाए, लंका बीच खड़ा है। अरे रामद्रोहियों, अब तो अपनी छाती जरा टटोलो, हमने जहां कहा था देखो, झंडा वही गाढ़ा है, राष्ट्रीय ओज कवि महेश डांगरा ने गौ की पुकार सुन नारायण भी राम रूप ले आता है, गौ के आशीष से गौ सेवक भी चेयरमैन बन जाता है, अभिशापित नगरवधू पतिव्रत का मतलब क्या जाने, जो शौहर रोज बदलती हो, वो जौहर का मतलब क्या जाने, अंतरराष्ट्रीय गीतकार अमन अक्षर ने तुम्हारे पास होने का जो अहसास होता है, वो जैसे बंद सीप में कोई मोती खास होता है, दुनिया की सारी महफिलें फीकी सी लगती हैं।

भरतपुर में पहली बार राष्ट्र सेविका समिति का पथ संचलन

भरतपुर (निसं)। भरतपुर में राष्ट्र सेविका समिति की ओर से विजयादशमी उत्सव के उपलक्ष्य पर पहली बार पथ संचलन निकाला गया। समिति के 90 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। पथ संचलन के जरिए नारी शक्ति को जागरूक करने, महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं आत्मरक्षा के लिए सक्षम बनाने और भारतीय संस्कृति व संस्कारों के संरक्षण का संदेश दिया गया।

राष्ट्र सेविका समिति के 90 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भरतपुर में विजयादशमी उत्सव एवं पथ संचलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान महिलाओं ने उत्साह के साथ पथ संचलन में भाग लिया। समिति की पदाधिकारियों के अनुसार, भरतपुर विभाग में पहली बार पथ संचलन का

राष्ट्र सेविका समिति के 90 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पथ संचलन निकाला गया।

आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में शस्त्र पूजन भी किया गया।

राष्ट्र सेविका समिति की भरतपुर विभाग कार्यवाहिका सुनीता फौजदार ने बताया कि समिति के 90 वर्ष पूरे होने के अवसर पर विजयादशमी उत्सव और पथ संचलन का कार्यक्रम रखा गया। उन्होंने कहा कि भरतपुर विभाग में पहली

- **विजयादशमी उत्सव में शामिल हुईं सैकड़ों महिलाएं**

बार पथ संचलन निकाला जा रहा है। इस आयोजन को लेकर बहनों में खासा उत्साह है। समिति का प्रयास है कि भरतपुर विभाग में संगठन की गतिविधियों का धीरे-धीरे विस्तार किया जाए। उन्होंने बताया कि समिति का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को शारीरिक, बौद्धिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाना है, ताकि वे आत्मरक्षा के लिए सक्षम बन सकें और जीवन की विभिन्न चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें। वहीं, राष्ट्र सेविका समिति की जिला कार्यवाहिका प्रमिला सिंह ने बताया कि समिति का उद्देश्य मातृशक्ति को जागरूक करना, महिलाओं को स्वयं सिद्धा बनाना और उनमें आत्मविश्वास व आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करना है। इसके साथ ही भारतीय संस्कृति और संस्कारों को संरक्षित रखते हुए अगली पीढ़ी तक पहुंचाना भी समिति के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल है। उन्होंने बताया कि पथ संचलन कला मंदिर विद्यालय से शुरू होकर मथुरा गेट, चौबुर्जा और गंगा मंदिर क्षेत्र होते हुए बाजार मार्ग से लक्ष्मण मंदिर तक निकाला गया, जहां कार्यक्रम का समापन किया गया। इस आयोजन के माध्यम से समाज को भारतीय संस्कृति, संस्कारों, मातृशक्ति और राष्ट्रप्रेम से जुड़ने का संदेश दिया गया। समिति की पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इस तरह के आयोजन जारी रहेंगे, जिससे अधिक से अधिक महिलाएं संगठन से जुड़कर राष्ट्र और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित होंगी।

टोंक ऑस्कर का 11वां पुरस्कार सम्मान समारोह आयोजित

टोंक। टोंक ऑस्कर का ग्यारहवां पुरस्कार सम्मान समारोह एपीआरआइ में आयोजित किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि नगर परिषद सभापति मंयक गोयल तथा एल वर्मा, मयूरेश सोमानी, विशिष्ट अतिथि पार्षद अकबर खान, मुशाहिर खुसरो सैयद महमूद शाह, हनुमान बोहरा, डाक्टर मनु शर्मा विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम में नेवान बंसल, वहीदुल हक, इफ्तेखारुदीन चिश्ती, हाफिज कारी गुलाम अहमद, भगवान भण्डारी,डा. असरुदुल्लाह खान, अजीम अहमद कुरैशी मेहबूब अली मेहबूब, सलीम अस्मद एडवोकेट, अकील अहमद एडवोकेट, मोईन, किशोर, मोहम्मद आसिफ खाँन, हैदर अली सहारा, ऐजाज अहमद, सुनीता जैन, राजेंद्र, मम्मता जाट मंजूला,फहीम मुराद, रेखा, कुलदीप सिनसिनवार, विमला, मिर्जा नसीम बैग,वसीम अंजुम, नदीम, हनुमान बदाम, दीपक कुमार, अनिता राजवंशी, सरताज अहमद, कारी सखावत अफजल फुरकानी, नसिरुद्दीन, जलालुद्दीन अंसारी, अरशद शाहीन को पत्रकार सेवा पुरस्कार से नवाजा गया।

रणथंभौर सेवा समिति का दूसरा स्थापना दिवस मनाया

मुख्य अतिथि का गांधी जी की प्रतिमा भेंट कर स्वागत किया।

सवाईमाधोपुर। रणथंभौर सेवा समिति पिछले 2 वर्ष से निस्वार्थ भाव से पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता अभियान,बाल विवाह पर रोक, गरीब एवं अनाथ परिवार के बच्चों को शिक्षा से जोड़ना, वृद्धजनों का आर्थिक सहयोग करना, केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाना तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देना आदि कार्य कर रही है। स्थापना दिवस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महात्मा गांधी जीवन दर्शन संस्थान के जिला संयोजक एवं पार्षद विनोद जैन रहे है। रणथंबोर सेवा समिति के पदाधिकारियों द्वारा मुख्य अतिथि को गांधी जी की प्रतिमा भेंट कर भव्य स्वागत किया। स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान समिति के अध्यक्ष तोताराम खंगार के द्वारा रणथंबोर सेवा समिति के उद्देश्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई मुख्य अतिथि विनोद जैन के द्वारा कार्यकारिणी के पदाधिकारी को टी शर्ट एवं हैंडबैग देकर उनका उत्साह बढ़ाया और अपने संबोधन में रणथंबोर सेवा समिति के द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की गई।

सार-समाचार

युवाओं ने उत्साह से रक्तदान किया

अलवर। भार्गव युवा संघ, अलवर की ओर से सम्राट हेमचंद्र विक्रमादित्य की 525वीं जयंती समारोह के तहत रविवार, 25 अक्टूबर को रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर सेठ माखन लाल महावर चैरिटेबल ब्लड बैंक सोसायटी, रेड क्रॉस भवन, आयकर भवन के पास, मोती डूंगरी, अलवर में लगाया गया। शिविर का उद्देश्य रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में योगदान देना रहा। इस दौरान युवाओं ने स्वैच्छिक रक्तदान कर मानवता और सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश दिया। शिविर में पुनीत भार्गव, विदित भार्गव, नितिन भार्गव, कनिका भार्गव, प्रीति भार्गव, मयूर भार्गव, सौरभ भार्गव, अतुल भार्गव, तन्मय भार्गव, राजीव भार्गव और मोहित भार्गव ने रक्तदान किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय भार्गव सभा के उपप्रधान रमेश भार्गव, अलवर भार्गव सभा के अध्यक्ष व्यवन भार्गव, सचिव हरीश भार्गव, हेमू डे कार्यक्रम के संयोजक राजीव भार्गव, सह-संयोजक सुरेश भार्गव, बनवेश भार्गव, अशोक भार्गव (स्कीम नंबर 1) और अशोक भार्गव (कर्मचारी कॉलोनी) उपस्थित रहे। सभी ने रक्तदान जैसे पुनीत कार्य की सराहना करते हुए युवाओं को सामाजिक सेवा एवं जनकल्याण के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। भार्गव युवा संघ की अध्यक्ष अनुमेहा भार्गव ने सभी रक्तदाताओं और आयोजन में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले युवा सदस्यों की सराहना की। उन्होंने संघ के संरक्षक आशीष भार्गव, सह-सलाहकार दीपक भार्गव, सचिव दीपशिखा भार्गव, कोषाध्यक्ष विनोद भार्गव, स्वाति भार्गव, कनिका भार्गव सहित टीम के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुशील कुमार बत्रा ने भार्गव युवा संघ और सभी रक्तदाताओं को इस पुनीत कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। शिविर के दौरान संघ की ओर से रक्तदाताओं और उपस्थित लोगों को फल एवं जूस भी वितरित किए गए।

वोट डालकर लौट रहे एक ही परिवार के 7 सदस्य सड़क हादसे में घायल

कोटपूतली। दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर कल्याणपुरा पुलिया के समीप निकटवर्ती राज्य हरियाणा के रेवाड़ी में मजदूरी करने वाले शिवपुरा (पाली) के मूल निवासी एक ही परिवार के 07 सदस्य अपने पैतृक गांव वोट डालने आए थे। मतदान संपन्न होने के बाद वे सभी स्विफ्ट डिजायर कार से वापस रेवाड़ी लौट रहे थे, तभी कल्याणपुरा पुलिया के समीप उनकी कार की एक ट्रेलर से भीषण टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार सभी 07 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना में रामचंद (30) पुत्र बाबूलाल, मेवा (65) पत्नी बाबूलाल, पूजा (27) पत्नी भागीरथ, लाडा (28) पत्नी रामचंद, बाबूलाल (58) पुत्र बूलाराम, सुनील (06) पुत्र रामचंद व रामचन्द्र का एक 08 वर्षिय बालक सभी निवासी शिवपुरा (पाली) घायल हो गये। जिन्हें यहां के राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार देने के बाद 02 घायलों क्रमश: मेवा (65) पत्नी बाबूलाल व लाडा (28) पत्नी रामचंद की गंभीर स्थिति को देखते हुए जयपुर रैफर कर दिया गया।

श्रमिकों को मतदान दिवस का सवैतिक अवकाश

सवाई माधोपुर। बीबी-जी राम जी में काम कर रहे श्रमिक को पंचायती राज चुनाव में मतदान कर लोकतंत्र के पर्व में अपनी भागीदारी निभाने के लिए मतदान के दिन का अवकाश घोषित किया गया है। उन्हें इस दिन की मजदूरी भी बिना काम किए मिल जाएगी। आयुक्त पुष्पा सत्यानी ने बताया कि जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, सरपंच एवं पंच के पदों पर होने वाले चुनाव के लिए लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 में धारा 135 ख में प्रदत्त निर्देशों की पालना में यह सवैतनिक अवकाश घोषित किया गया है। आयुक्त ने सभी जिलों के जिला परिषद सीईओ को इस आदेश की पालना करने के निर्देश दिए हैं।

चोर पुलिस की पकड़ से दूर, ग्रामीणों में चिंता

पावटा। प्रागपुरा थाना क्षेत्र में लगातार सामने आ रही चोरी की वारदातों का खुलासा नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। एक के बाद एक चोरी की घटनाओं के बावजूद पुलिस के हाथ अब तक आरोपियों तक नहीं पहुंच पाए हैं, जिसके चलते पुलिस की कार्यशैली और गश्त व्यवस्था पर सवाल खड़े होने लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि चोर बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। चोरी की घटनाओं से आमजन में भय का माहौल बना हुआ है और लोगों को अपने घर, दुकान एवं वाहनों की सुरक्षा की चिंता सताने लगी है। वारदात के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच शुरू करती है, लेकिन लंबे समय बाद भी मामलों का खुलासा नहीं होने से पीड़ितों में निराशा है। कई मामलों में पुलिस द्वारा आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने और संदिग्धों की तलाश की बात कही गई, लेकिन अभी तक ठोस परिणाम सामने नहीं आया है। लोगों का सवाल है कि आखिर चोर कब पकड़े जाएंगे और चोरी का माल कब बरामद होगा? ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने, पुराने चोरी के मामलों की समीक्षा करने और सक्रिय चोर गिरोहों पर शिकंजा कसने की मांग की है। लगातार हो रही चोरी के मामलों का खुलासा अब पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। आमजन का कहना है कि जब तक चोरों की गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर पूरी तरह अंकुश लगाना मुश्किल होगा। अब देखना होगा कि पुलिस इन मामलों में कब तक सफलता हासिल करती है और चोरियों के पीछे सक्रिय आरोपियों को कानून के शिकंजे में कब तक लाया जाता है।

वरिष्ठ पेंशनर्स का माला व शॉल ओढ़ाकर सम्मान

अलवर। केंद्रीय सरकारी पेंशनर्स एसोसिएशन (सीजीपीए) की अलवर इकाई की ओर से रविवार को बस स्टैंड के समीप स्थित चित्रगुप्त छात्रावास में पेंशनर डे एवं वार्षिकोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पेंशनर्स का सम्मान करने के साथ निशुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर भी लगाया गया। कार्यक्रम में कुल 77 पेंशनर्स को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीएम सुंडा रहे, जबकि अध्यक्षता केएल कौशिक ने की। एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार माथुर ने बताया कि पेंशनर डे एवं वार्षिकोत्सव के अवसर पर वरिष्ठ पेंशनर्स को माला पहनाकर और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इनमें 85 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके पेंशनर्स के साथ 75 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके पेंशनर्स भी शामिल रहे।

स्वास्थ्य शिविर में 256 लोगों को जांच के बाद फ्री दवा

किशनगढ़ बास। सैनी समाज उत्थान समिति, गंज के तत्वावधान में तथा सानिया हॉस्पिटल, अलवर के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं दवा वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 256 लोगों ने पंजीकरण करवाकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से स्वास्थ्य परामर्श लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महात्मा ज्योतिबा फुले एवं माता सावित्रीबाई फुले के चित्रों पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर समाज के लोगों ने महापुरुषों के आदर्शों को स्मरण करते हुए जनसेवा एवं सामाजिक कल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

शिविर में चिकित्सक डॉ. मीनाक्षी रांगी, डॉ. मोहम्मद मोइज, डॉ. आशीष रंजन, डॉ. जावेद अहमद मलिक एवं डॉ. हिमांशु बंसोड़ ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। चिकित्सकों ने शिविर में पहुंचे लोगों की ब्लड प्रेशर, शुगर सहित विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया तथा मौके पर ही निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया। चिकित्सकों के साथ मैनेजमेंट टीम में हेमंत जोशी, रहमत लियाकत, प्रिया, मुबीना, आशीष एवं सफी मोहम्मद सहित अन्य सहयोगियों ने शिविर के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अवसर पर सैनी समाज, गंज के अध्यक्ष एडवोकेट मुकेश सैनी पार्षद, उपाध्यक्ष हिमेश सैनी, कोषाध्यक्ष अनिल सैनी, उपकोषाध्यक्ष पप्पू राम सैनी, सचिव मुकेश कुमार सैनी, पूर्व सरपंच बाबूलाल सैनी, शेरसिंह सैनी, पूर्व अध्यक्ष मंगतूराम सैनी, राजा बाबू, भोपाल सैनी पार्षद, जसवंत सैनी पार्षद, भरत सैनी, मोहनलाल सैनी, सैनी समाज 12 गांव के प्रधान अशोक सैनी, मूलचंद सैनी, संजय, तुषार, हेमंत, विजय, जय सिंह, बिजेंद्र सैनी सहित विभिन्न गांवों के गणमान्य नागरिक एवं समाजबंधु उपस्थित रहे।

वन मंत्री ने हनुमान वाटिका के निर्माण कार्यों का जायजा लिया

अलवर। अलवर में धार्मिक पर्यटन और प्राकृतिक सौंदर्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निर्जोली घाटी में विकसित की जा रही श्री हनुमान वाटिका का वन मंत्री संजय शर्मा ने निरीक्षण किया। उन्होंने वाटिका में चल रहे निर्माण एवं विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से कार्यों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान वन मंत्री ने वाटिका में विकसित की जा रही सुविधाओं और निर्माण कार्यों की स्थिति देखी।

श्री हनुमान वाटिका को धार्मिक आस्था और प्राकृतिक वातावरण से जोड़कर विकसित किया जा रहा है। इसके तैयार होने से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ क्षेत्र के प्राकृतिक सौंदर्य में भी वृद्धि होने की उम्मीद है।

पंचायत चुनाव भयमुक्त एवं शांतिपूर्ण तरीके से कराने की तैयारी

दौसा (निसं.)। जिला एवं पुलिस प्रशासन ने दौसा जिले में पंचायत आम चुनाव निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, भयमुक्त एवं स्वतंत्र तरीके से सम्पन्न कराये जाने को लेकर अपनी पूरी तैयारी कर ली है। इधर रविवार को रिजर्व पुलिस लाईन में दौसा पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया की मौजूदगी में क्यूआरटी टीम को विशेष प्रशिक्षण दिया गया साथ ही उन्हे 4 अग्निवर्षा वाहन सुपुर्द किया गया।

जिला पुलिस अधीक्षक कुन्दन कंवरिया ने बताया कि जिले में आगामी पंचायतीराज आम चुनाव 2026 को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में सम्पन्न कराने के लिए पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। रिजर्व पुलिस लाइन दौसा में चार अग्निवर्षा वाहन एवं एक वज्र वाहन तैयार किए गए हैं। साथ ही, क्यूआरटी टीम को उक्त वाहनों के संचालन एवं उपयोग के संबंध में प्रशिक्षित कर आवश्यकतानुसार तैनाती के लिए तैयार किया गया है। उन्होने बताया कि पुलिस जवानों को किसी भी प्रकार की विषम परिस्थिति, अवांछनीय गतिविधियों की रोकथाम एवं कानून-व्यवस्था ड्यूटी के लिए फायरिंग एंगल, हथियार लोडिंग एवं अनलोडिंग से संबंधित अभ्यास करवाया गया, ताकि आपातकालीन परिस्थितियों में पुलिस बल प्रभावी ढंग से कार्य कर सके। उन्होने बताया कि उक्त वाहनों को अति संवेदनशील स्थानों एवं आपातकालीन परिस्थितियों में उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार प्रशिक्षित पुलिस जाप्ते के साथ तैनात किया जाएगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य अवांछनीय एवं आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखते हुए जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखना तथा पंचायतीराज आम चुनाव-2026 को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न करवाना है। उन्होंने आम मतदाताओं से अपील की है कि वे भय मुक्त वातावरण में अपने मत का प्रयोग करें साथ ही शांति व्यवस्था बनाये रखने में पुलिस प्रशासन का भी सहयोग करें।

- **दौसा रिजर्व पुलिस लाइन दौसा में 4 अग्निवर्षा वाहन तैयार**
- **क्यूआरटी टीम को दिया गया विशेष प्रशिक्षण**

भरतपुर जसवंत प्रदर्शनी में 118 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड आय

भरतपुर (निसं)। श्री जसवंत प्रदर्शनी एवं पशु मेला-2026 का समापन समारोह रविवार को नुमाइश मैदान में आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) राजीव शर्मा रहे। उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। मेले में व्यापारियों एवं आमजन की सहभागिता को देखते हुए मेले की अवधि 31 अक्टूबर 2026 तक बढ़ाई गई है।

मेला अधिकारी डॉ. अरविंद सिंह चौधरी ने बताया कि इस वर्ष मेले से कुल 1,18,32,255 की रिकॉर्ड आय प्राप्त हुई है, जो गत वर्ष की तुलना में 28 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि मेले के सफल आयोजन में विभिन्न विभागों, व्यापारियों, पशुपालकों, दुकानदारों एवं आमजन का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को किया सम्मानित समापन

- **गत वर्ष की तुलना में 28 प्रतिशत की वृद्धि**

समारोह में विभागीय प्रदर्शनी, खजला बाजार, चाट बाजार, सोफ्टी बाजार, कपड़ा बाजार सहित विभिन्न बाजारों की प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

विभागीय प्रदर्शनी में कृषि एवं उद्यानिकी विभाग, भरतपुर ने प्रथम, पंजाब नेशनल बैंक, भरतपुर ने द्वितीय तथा शिक्षा विभाग, भरतपुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। खजला बाजार प्रतियोगिता में लाला पन्नालाल सुभाषचंद खजला भंडार, बुलंदशहर एवं रमेशचंद हलवाई, लक्ष्मण मंदिर, भरतपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। रघुबीर सिंह हलवाई, चौबुर्जा बाजार, भरतपुर एवं बाबा खजला भंडार, औरैया (उत्तर प्रदेश) संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान पर रहे। प्रशांत शर्मा खजला भंडार, अलीगढ़ एवं पी.एस. खजला भंडार, अलीगढ़ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चाट बाजार प्रतियोगिता में दीक्षा चाट भंडार, सुभाष नगर, भरतपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लोहागढ़ चाट कॉर्नर, बछामदी, भरतपुर एवं महाराजा चाट कॉर्नर, अनाह गेट, भरतपुर संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान पर रहे।

रिहान चाट कॉर्नर, ऊंचा नगला, भरतपुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सोफ्टी बाजार में बंसल सुपर सोफ्टी, अनाह गेट, भरतपुर ने प्रथम, लेखराज सुपर सोफ्टी, ग्वालियर ने द्वितीय तथा अंकल सुपर सोफ्टी, बड़ा मोहल्ला, कुम्हेर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कपड़ा बाजार प्रतियोगिता में अरविंद कुमार गुप्ता, औरैया ने प्रथम, संदीप कुमार गुप्ता, औरैया ने द्वितीय तथा फकरुद्दीन, औरैया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। क्रॉकरी, खिलौना, लेडीज साज-श्रृंगार, रेडीमेड, लोहा-बक्सा, बर्तन-किचन एवं विसायती बाजार सहित अन्य बाजारों की विभिन्न श्रेणियों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को भी मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। पशु प्रदर्शनी में उत्कृष्ट नस्ल के पशु लेकर आए पशुपालकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से नगद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

इस दौरान भगवान सिंह पुत्र बदन सिंह तथा बबलू पुत्र बदन सिंह, निवासी जाटोली घना को पुरस्कार प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि राजीव शर्मा ने मेले के सफल आयोजन के लिए मेला अधिकारी डॉ. अरविंद सिंह चौधरी एवं उनकी पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन व्यापारियों, पशुपालकों एवं आमजन को बेहतर मंच उपलब्ध कराने के साथ-साथ क्षेत्र की सांस्कृतिक एवं व्यापारिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहित करते हैं।

जिला स्पेशल टीम भंग, सीटी सीओ को कार्यप्रणाली की जांच के निर्देश

दौसा (निसं.)। दौसा पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया ने पंचायत चुनाव की तैयारियों के बीच जिला स्पेशल टीम को भंग करते हुये, टीम में तैनात सभी 8 पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर करते हुये पुलिस उपाधीक्षक दौसा सीटी कपिल गुप्ता को जांच के निर्देश दिये है। इधर पुलिस अधीक्षक द्वारा डीएसटी को भंग किये जाने के साथ ही पुलिस महकमे मे हडकम्प मच गया है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने 3 अक्टूबर को जारी तबादला सूची में कुंदन कंवरिया को दौसा पुलिस अधीक्षक पद पर तैनात किया गया था। बताया जाता है कि पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया ने पुलिस अधीक्षक का पदभार ग्रहण करते ही पुलिस की कार्य प्रणाली, बढ़ते अपराधों पर अंकुश लगाये जाने को लेकर लगातार समीक्षा बैठक ले रहे थे। बताया जाता है कि समीक्षा के दौरान पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया जिला स्पेशल टीम की कार्य प्रणाली से संतुष्ट नही थे तथा पिछले दो सप्ताह से वे टीम को बडी कार्यवाही के लिए लगातार प्रेरित भी कर रहे थे। सूत्रों ने बताया कि जिला स्पेशल टीम की उदासीनता, उनकी सक्रियता को लेकर कई सवाल भी खडे हो गये थे। ऐसे में पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया ने पंचायत चुनाव की तैयारियों की बीच ही जिला स्पेशल टीम को भंग करते हुये टीम के शामिल आठो पुलिसकर्मियों को पुलिस लाईन भेज दिया है। उधर पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया ने दौसा सीटी पुलिस उपाधीक्षक कपिल गुप्ता को जिला स्पेशल टीम की कार्यप्रणाली एवं अब तक की गई कार्यवाहियों की जांच के निर्देश दिये गये है। बताया जाता है कि पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया के इस फैसले के बाद पुलिस महकमे में भारी हडकम्प मच गया है। सूत्रो ने बताया कि पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया दौसा जिले की पुलिस को सक्रिय करने तथा उनकी कार्यशैली में लगातार बदलाव का प्रयास कर रहे है। अगली कडी में वे जिले में खुफिया तंत्र को भी सक्रिय करेंगे ताकि अपराध होने से पहले पुलिस को सूचना मिल जाये। साथ ही असामाजिक तत्वों पर लगातार निगरानी बनी रहे, जिससे जिले में बढ़ते अपराध को रोका जा सके।

डिग्गी कल्याण की 48वीं पदयात्रा रवाना

टोंक। श्रीकल्याण पदयात्रा संघ द्वारा रविवार को 48वीं पदयात्रा टोंक से डिग्गी के लिए मुख्यालय स्थित भूतेश्वर महादेव मन्दिर सवाईमाधोपुर चौराहा से रवाना हुई, यह पदयात्री शरद पुर्णिमा पर डिग्गी पहुंच कर कल्याणजी महाराज के ध्वज व धवल पौशाक चढ़ाएंगे।

पदयात्रा संघ के रोहिताश्व कुमावत व भजन लाल सैनी ने बताया कि रविवार को प्रात: भूतेश्वर महादेव मन्दिर से गोपालजी मन्दिर के महंत सुरेश दुबे, कंकाली माता मन्दिर महंत दुर्गा पुरी पुजारी, सद्गुरु आश्रम के पंडित राजकुमार शर्मा, डा. पं.पवन सागर आदि आचार्यो ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा अर्चना के साथ डिग्गी कल्याण धणी की मनोहर झांकी के बाजे को पदयात्रा रवाना हुई। पदयात्रा बैंड बाजे की धुन डीजे की स्वर लहरियो के साथ, कच्छी घोडी नृत्य एवं अलगोजा वादन की झांकी के साथ चल रही थी। पदयात्रा के साथ नगर के सनातन प्रेमियों ने जगह जगह पुष्पवर्षा कर कल्याण धनी की मनोरम झांकी की आरती की। पदयात्रा मुख्य बाजार होते हुए बहीर, गहलोद होते हुए रात्रि लावा

टोंक से डिग्गी के लिए पदयात्रा रवाना हुई।

पहुंच कर विश्राम कर प्रात: काल डिग्गी धाम पहुंचेगी। जहां डिग्गी में शोभायात्रा के साथ चलकर कल्याणधणी के ध्वज व धवल पौशाक शरद पुर्णिमा को अर्पित कर दर्शन लाभ करेंगे। इसके बाद गंगापुरवालों की धर्मशाला में प्रसादी कार्यक्रम रहेगा। यात्रा में पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया, पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन, गोविन्द शरण गुप्ता सूरज साहू, बादल साहू, डा. प्रदीप गहलोत, मोहन उस्ताद, सत्यनारायण नामा, गोपाल साहू, दुर्गेश गुप्ता, प्रशांत बुंदेल, राजेश कुमावत सहित सैकड़ों महिला, पुरूष मौजूद रहे।

शरद पूर्णिमा महोत्सव मनाया

पावटा। क्षेत्र में रविवार को शरद पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, उल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। टोरडा स्थित अनंत श्री विभूषित श्री श्री 1008 दादा गुरुदेव बाबा श्री भरत दास जी महाराज की बगीची सहित क्षेत्र के विभिन्न सीताराम मंदिरों और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर भव्य शरद पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन हुआ। मंदिरों में पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रमों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने मंदिरों में पहुंचकर दर्शन किए तथा सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। टोरडा बगीची में श्री श्री 1008 सतगुरुदेव श्री गोपाल दास जी महाराज के सान्निध्य और गुरु परंपरा के प्रति श्रद्धा के साथ आयोजित महोत्सव में रात्रि 9 बजे से भजन संध्या का आयोजन हुआ।

भजन गायकों ने प्रभु महिमा का गुणगान कर श्रद्धालुओं को भक्तिरस से सराबोर किया। देर रात तक भक्ति और आस्था का माहौल बना रहा। इसके बाद मध्यरात्रि 12 बजे श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। शरद पूर्णिमा के अवसर पर श्री सीताराम जी मंदिर, बाबा भरत दास जी महाराज की बगीची टोरडा, श्री सीताराम मंदिर कल्याणपुरा और श्री सीताराम मंदिर आतेला सहित क्षेत्र के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर विशेष आयोजन हुए।

श्री अग्रशक्ति महिला मंडल ने दीपावली मिलन समारोह मनाया

अलवर। महापौर सुमनलता अजय अग्रवाल का किया अभिनंदन, स्वच्छ अलवर बनाने में सहयोग का आव्हान अलवर। श्री अग्रशक्ति महिला मंडल, अलवर की ओर से रिवाज रिसॉर्ट्स में दीपावली मिलन समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि महापौर सुमनलता अजय अठावाल का मंडल की पदाधिकारियों ने भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम में 70 से अधिक महिला सदस्यों ने भाग लिया।मंडल की ओर से स्मृता गोयल ने अपने उद्बोधन में शारदीय नवरात्र से लेकर कार्तिक मास तक आने वाले प्रमुख त्योहारों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ये त्योहार सामाजिक और पारिवारिक प्रेम, विश्वास, सौहार्द तथा रिश्तों की मिठास के उत्सव हैं। ऐसे आयोजन आपसी मेलजोल और पारिवारिक संबंधों को मजबूत बनाते हैं।

मुख्य अतिथि महापौर सुमनलता अजय अग्रवाल ने सभी को दीपावली की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि महापौर के रूप में मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को निभाने के लिए वे हरसंभव प्रयास करेंगी। उन्होंने शहर को स्वच्छ बनाए रखने में महिलाओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि कॉलोनियों में कई बार घरों में काम करने वाली सहायिकाएं सड़कों पर कचरा फेंक देती हैं। महिलाओं को उन्हें समझाकर जागरूक करना चाहिए, ताकि अलवर को स्वच्छ रखने में सभी की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। समारोह में संयोजकों की ओर से आकर्षक सजावट की गई।

कार्यक्रम का संचालन सुचारु रूप से किया गया तथा विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन हुआ। महिलाओं ने डांडिया नृत्य का जमकर आनंद लिया। अंत में सभी ने स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाया और आकर्षक उपहार वितरित किए गए। आयोजन की सुंदर व्यवस्था और मनोरंजक गतिविधियों की उपस्थित सदस्यों ने सराहना की। समारोह में श्री अग्रशक्ति महिला मंडल की अध्यक्ष सुधा मित्तल सहित स्मृता गोयल, अलका मित्तल, रीता गुप्ता, अलका अग्रवाल, साधना गुप्ता, सीमा मित्तल, रेणु अग्रवाल, सुनीता अठावाल, शशि गोयल, रीना सिंघल, आशिमा गोयल, भावना अग्रवाल, अंजू गोयल, अंजू अग्रवाल, तरुणा जलालपुरिया, विमला अग्रवाल, प्रतिभा सिंघल, नुपुर गोयल और उमा सहित 70 से अधिक महिला सदस्य उपस्थित रहीं।

कई बार वह अपने भविष्य के बारे में सोचती हैं और खुद से सवाल करती हैं कि आखिर वह कितने समय तक टेनिस खेलना जारी रखेंगी। उनकी वापसी के इस दौर में परिवार और बेटी की जरूरतें भी उनके फैसलों को प्रभावित कर सकती हैं।

– नाओमी ओसाका

जापान की टेनिस खिलाड़ी, अपने खेल को जारी रखने को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

शार्दुल ठाकुर

ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर चोट के कारण हरियाणा के खिलाफ मुंबई के तीसरे दौर के रणजी ट्रॉफी मुकाबले में भी नहीं खेल पाएंगे। मुंबई और हरियाणा के बीच यह मुकाबला सोमवार से मुंबई के बीकेसी कॉम्प्लेक्स में खेला जाएगा। चोट के चलते ठाकुर पहले दो दौर के मुकाबलों से भी बाहर रहे थे। ठाकुर को रणजी ट्रॉफी के पहले दौर का मुकाबला शुरू होने से पहले अभ्यास के दौरान दाएं हाथ की मध्यमा उंगली में चोट लगी थी। जांच में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई थी। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, उन्हें कम से कम पहले दो दौर के मुकाबलों से बाहर रहना था।

क्या आप जानते हैं ?... युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे तेज 1000 रन पूरे करने और एक कैलेंडर वर्ष में 100 से अधिक छक्के लगाने का भारतीय रिकॉर्ड बनाया है।

दृष्टि तिवारी ने कराटे में जीता स्वर्ण पदक

जयपुर, 25 अक्टूबर। जयपुर के विद्याधर नगर स्थित श्रीराम स्पोर्ट्स किंगडम में आयोजित वाइपर नेशनल कराटे ओपन चैंपियनशिप-2026 में अबू रोड की दृष्टि तिवारी ने स्वर्ण पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया। दृष्टि ने सब-जूनियर अंडर-35 किलोग्राम भारवर्ग में 12 राज्यों से आए खिलाड़ियों को पछाड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में दृष्टि के भाई दृश्य तिवारी ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए सब-जूनियर अंडर-40 किलोग्राम भारवर्ग में कांस्य पदक जीता। चैंपियनशिप में करीब 300 राष्ट्रीय स्तर के कराटे खिलाड़ियों ने भाग लिया। दृष्टि और दृश्य अबू रोड में कोच धनराज सिंह और कुंदन कुमार से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। दोनों खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर खेल प्रेमियों ने खुशी जताई।

18वें अजीम गोल्ड कप क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन आज

जयपुर, 25 अक्टूबर। शहर में 18वें अजीम गोल्ड कप 20-ओवर नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन सोमवार को सुबह 10:30 बजे गणपति नगर रेलवे क्रिकेट स्टेडियम में होगा। प्रतियोगिता के पहले मुकाबले में केएल सैनी स्टेडियम और अब्बास क्रिकेट क्लब की टीमें आमने-सामने होंगी। उद्घाटन समारोह में राजस्थान पर्यटन विकास निगम (आरटीडीसी) के पूर्व चेयरमैन राजीव अरोड़ा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खेलकूद प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमीन पठान, जयपुर शहर युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष जाकिर गुडेज, जयपुर क्लब के चेयरमैन विनोद माथुर और राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) के पूर्व सचिव इकबाल खान अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

दौसा अंडर-14 क्रिकेट ट्रायल में 105 खिलाड़ियों ने लिया भाग

दौसा, 25 अक्टूबर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से नवंबर में आयोजित होने वाली अंडर-14 क्रिकेट चैंपियनशिप के लिए दौसा जिला टीम के चयन ट्रायल रविवार को राजेश पायलट राजकीय स्टेडियम में आयोजित किए गए। ट्रायल में करीब 105 खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा दिखाई। जिला क्रिकेट संघ दौसा के सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि ट्रायल में शामिल खिलाड़ियों के जन्म प्रमाण पत्र, डिजिटल बोनाफाइड प्रमाण पत्र, खिलाड़ी एवं उनके माता-पिता के आधार कार्ड तथा पिछले तीन वर्षों की मूल अंकतालिकाओं की जांच की गई। उन्होंने बताया कि जिले की टीम को बेहतर बनाने के लिए पहले तीन दिवसीय यो-यो फिटनेस कैंप आयोजित किया जाएगा। इसके बाद ट्रायल में शामिल खिलाड़ियों में से करीब 60 से 70 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट कर टीमें बनाई जाएंगी। इन टीमों के बीच दौसा स्टेडियम में अभ्यास मैच खेले जाएंगे। अभ्यास मैचों में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर वरिष्ठ चयन समिति जिला टीम का चयन करेगी।

जूनियर नेशनल तीरंदाजी में वासु यादव को रजत

राजस्थान की पुरुष कंपाउंड टीम ने भी जीता रजत पदक

जयपुर, 25 अक्टूबर। जयपुर के जगतपुरा स्थित तीरंदाजी रेंज पर आयोजित 46वीं एनटीपीसी जूनियर नेशनल तीरंदाजी चैंपियनशिप में राजस्थान के वासु यादव ने कंपाउंड पुरुष व्यक्तिगत एलिमिनेशन स्पर्धा में रजत पदक जीता। वहीं, राजस्थान की पुरुष टीम ने भी रजत पदक हासिल कर प्रदेश का मान बढ़ाया। व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में वासु यादव को महाराष्ट्र के मानव गणेशराव जाधव ने 147-145 के अंतर से हराया। टीम स्पर्धा में राजस्थान ने महाराष्ट्र के खिलाफ 228-230 के स्कोर के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। राजस्थान की रजत पदक विजेता टीम में प्रद्युम्न यादव, वासु यादव, प्रबल प्रताप और आर्यन पारीक शामिल रहे। महाराष्ट्र ने स्वर्ण और आंध्र प्रदेश ने कांस्य पदक जीता। पदक समारोह में राजस्थान तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह, डॉ. सुबेध देवनाथ और संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। अतिथियों ने पदक विजेताओं को सम्मानित कर उनके प्रदर्शन की सराहना की। प्रतियोगिता कोऑर्डिनेटर अनिल जोशी ने बताया कि 22 से 27 अक्टूबर तक आयोजित चैंपियनशिप में आगामी मुकाबले इंडियन राउंड श्रेणी में होंगे। देशभर से आए जूनियर तीरंदाज विभिन्न स्पर्धाओं में पदकों के लिए चुनौती पेश कर रहे हैं।

भारत ने जिम्बाब्वे को 121 रनों से हराकर सीरीज में जमाया कब्जा, कौर-दीप्ति ने लगाया शतक

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। भारतीय महिला टीम ने वडोदरा में खेले गए दूसरे वनडे मैच में जिम्बाब्वे को 121 रनों से हराकर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। स्मृति मंधाना की कप्तानी में भारत ने पहली वनडे सीरीज जीती है। हरमनप्रीत कौर और दीप्ति शर्मा ने शतकीय पारी खेली।

रविवार को भारतीय कप्तान स्मृति मंधाना ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत के दो विकेट जल्दी गिर जाने के बाद हरमनप्रीत कौर और प्रतिका रावल ने पारी को संभाला औकर 124 रनों की साझेदारी की। 148 पर चौथा विकेट आउट होने के बाद दीप्ति शर्मा के साथ मिलकर हरमनप्रीत कौर ने 153 रनों की साझेदारी की और भारत के स्कोर को 300 के पार पहुंचा दिया। भारत ने जिम्बाब्वे को 329 रनों का विशाल लक्ष्य दिया। दीप्ति शर्मा और हरमनप्रीत कौर ने शतकीय पारी खेली। भारत ने पहला वनडे मैच 9 विकेट से जीता था, हरमनप्रीत कौर ने कप्तानी छोड़ने के बाद पहला शतक जड़ा।

भारत को पहले ओवर में ही चौथी गेंद पर बड़ा झटका लगा। 1 रन जब टीम का स्कोर था तब कप्तान स्मृति मंधाना बिना खाता खोले पवेलियन लौट गईं। भारत ने 19 रन के स्कोर पर अपना दूसरा विकेट भी खोया। शैफाली वर्मा 8 गेंदों में 8 रन बनाकर आउट हुईं। हरमनप्रीत कौर और प्रतिका रावल ने साझेदारी को आगे बढ़ाया। प्रतिका रावल 61 (67) रन बनाकर आउट हुईं।

युवा बल्लेबाज तेजल हसबनीस 5 गेंदों में 3 रन बनाकर आउट हुईं। कप्तानी छोड़ने के बाद हरमनप्रीत कौर ने अपना पहला शतक जड़ा। आखिरी टी-20 मैच में वे शतक से चूक गई थीं, लेकिन इस बार कसर पूरी कर दी। दीप्ति शर्मा ने भी शतक जड़ा। दीप्ति ने 106 (86) रनों की पारी खेली, जबकि हरमनप्रीत कौर 126 (121) रन बनाकर आउट हुईं। जिम्बाब्वे के बल्लेबाज भारत के खिलाफ संघर्ष किया। उन्हें आउट करने में मुश्किलें पेश आईं, लेकिन जिम्बाब्वे आखिरकार बड़े अंतर से हारा।

जिम्बाब्वे की टीम के लिए मोडेस्टर मुपाचिकवा जो एक विकेटकीपर बल्लेबाज हैं ने 49 रनों की पारी खेली। चिपो मुगेरी-तिरिपानो ने 46 और पिछले मुकाबले में 62 रन बनाने वाली बिलव्ड बिजा ने 34 रन बनाए। कप्तान जोसेफिन नकोमो ने 18 रनों की पारी खेली। भारत की ओर से इस मैच में वैष्णवी शर्मा ने चार, दीप्ति शर्मा ने 3 और सयाली सतघरे, श्री चरणी और जिंतिमनी कलिता ने 1-1 विकेट लिए। सीरीज का तीसरा और आखिरी वनडे मैच 28 अक्टूबर को वडोदरा में खेला जाएगा।

रूस को 2030 विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप की मेजबानी

पेरिस, 25 अक्टूबर। रूस को अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर बड़ी कामयाबी मिली है। अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ ने मॉस्को को वर्ष 2030 में होने वाली विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप की मेजबानी सौंपी है। 2022 में यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद यह पहला मौका है, जब किसी ओलंपिक खेल के अंतरराष्ट्रीय महासंघ ने रूस को विश्व स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित करने का अधिकार दिया है। आईडब्ल्यूएफ ने अपने बयान में कहा कि वर्ष 2029 की सीनियर विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप भारत के अहमदाबाद में आयोजित होगी, जबकि 2030 के संस्करण की मेजबानी मॉस्को करेगा। महासंघ के महासचिव जोस क्विनोनेस ने कहा कि मेजबानी के लिए प्राप्त सभी प्रस्ताव उत्कृष्ट थे और उन्हें विश्वास है कि संबंधित देशों में प्रतियोगिताएं सफल रहेंगी। रूसी भारोत्तोलन महासंघ के अध्यक्ष अलेक्जेंडर विनोकुरोव ने मेजबानी के लिए आईडब्ल्यूएफ का आभार जताया। उन्होंने कहा कि रूस के पास उच्चस्तरीय खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन का पर्याप्त अनुभव और क्षमता है। उनके मुताबिक, मॉस्को पहले भी कई बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी कर चुका है और वहां आधुनिक खेल सुविधाएं मौजूद हैं। रूसी महासंघ ने इस फैसले को देश के खेल जगत के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उसके अनुसार, कई वर्षों बाद किसी ओलंपिक खेल की अंतरराष्ट्रीय संस्था से रूस को शीर्ष स्तर की आधिकारिक प्रतियोगिता की मेजबानी मिली है। वर्ष 2030 की चैंपियनशिप 2032 में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए क्वालिफाइंग प्रतियोगिता भी होगी।

एलेना रिबाकिना ने निंगबो ओपन का खिताब अपने नाम किया

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। दुनिया की नंबर 1 महिला टेनिस खिलाड़ी एलेना रिबाकिना ने एक बार फिर अपनी शानदार फॉर्म का प्रदर्शन करते हुए निंगबो ओपन का खिताब अपने नाम कर लिया है। रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में कजाखस्तान की रिबाकिना ने कनाडा की लेयला फर्नांडेज को सीधे सेटों में 6-2, 6-2 से हराकर लगातार दूसरी बार यह खिताब जीत लिया। इस जीत के साथ उन्होंने दुनिया की शीर्ष खिलाड़ी बनने के बाद अपना पहला खिताब भी हासिल है। शीर्ष वरीयता प्राप्त रिबाकिना ने पूरे मुकाबले में अपनी प्रतिद्वंद्वी को संभलने का ज्यादा मौका नहीं दिया। उन्होंने महज 73 मिनट में मैच खत्म कर दिया। दुनिया की 30वें नंबर की खिलाड़ी फर्नांडेज ने मुकाबले में वापसी की कोशिश की, लेकिन रिबाकिना की दमदार सर्विस और सटीक शॉट के सामने उनकी एक नहीं चली।

इस जीत के साथ 27 वर्षीय रिबाकिना ने इस साल अपना चौथा खिताब हासिल किया है। इससे पहले वह ऑस्ट्रेलियन ओपन, स्टटगार्ट और यूएस ओपन का खिताब जीत चुकी हैं। उनके करियर का यह 15वां महिला टेनिस संघ खिताब है। इस साल लगातार बड़े टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने के कारण वह सत्र के अंत तक दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी बने रहने की अपनी दावेदारी भी मजबूत कर रही हैं।

फ्रेंच ओपन के फाइनल में हारी पीवी सिंधु, एन से-यंग ने जीता खिताब

पेरिस, 25 अक्टूबर। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु बीडब्ल्यूएफ फ्रेंच ओपन 2026 का खिताब जीतने से चूक गईं। उन्हें रविवार को खेले गए महिला एकल के फाइनल में दक्षिण कोरिया की विश्व नंबर एक खिलाड़ी एन से-यंग के खिलाफ तीन गेम तक चले मुकाबले में 21-16, 11-21, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा। एरिना ग्रैंड पेरिस में खेले गए फाइनल में सिंधु ने शानदार शुरुआत करते हुए पहला गेम 21-16 से जीत लिया। हालांकि, इसके बाद एन से-यंग ने जोरदार वापसी की। दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी ने दूसरे गेम में 21-11 से जीत दर्ज कर मुकाबले में बराबरी की और फिर तीसरे गेम में 21-12 से जीत हासिल करते हुए खिताब पर कब्जा जमा लिया। विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर काबिज सिंधु ने सेमीफाइनल में जापान की हिना अकेची को 21-10, 20-22, 21-16 से हराकर पहली बार फ्रेंच ओपन के फाइनल में जगह बनाई थी। हालांकि, खिताबी मुकाबले में वह अपनी शुरुआती बढ़त को बरकरार नहीं रख सकीं। इस जीत के साथ एन से-यंग ने सिंधु के खिलाफ अपना शानदार रिकॉर्ड भी कायम रखा।

अनऑफिशियल टेस्ट : दूसरे दिन का खेल खत्म, पडिक्कल और सुदर्शन ने संभाली पारी

लिंकन (न्यूजीलैंड), 25 अक्टूबर। इंडिया-ए और न्यूजीलैंड-ए के बीच खेले जा रहे पहले अनऑफिशियल टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त हो गया है। पहली पारी में महज 113 रन पर सिमटने वाली भारतीय टीम ने दूसरी पारी में दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक दो विकेट के नुकसान पर 106 रन बना लिए हैं। इंडिया ए अभी भी न्यूजीलैंड-ए से 98 रन पीछे है। मेजबान टीम ने पहली पारी में 317 रन बनाकर 204 रन की बढ़त हासिल की थी।

दूसरे दिन भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पांच रन बनाकर आउट हो गए, जबकि केएल राहुल सिर्फ चार रन ही बना सके। दोनों बल्लेबाज पहली पारी में भी खास योगदान नहीं दे पाए थे। दूसरी पारी में महज 10 रन के स्कोर पर दो विकेट गिरने के बाद देवदत्त पडिक्कल और साई सुदर्शन ने जिम्मेदारी संभाली और न्यूजीलैंड-ए के गेंदबाजों का डटकर सामना किया। दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए नाबाद 96 रन की अटूट साझेदारी की।

दिन का खेल समाप्त होने तक पडिक्कल 89 गेंदों पर नाबाद 56 रन बना चुके थे, जबकि साई सुदर्शन ने 104 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 39 रन बनाए। इससे पहले न्यूजीलैंड-ए ने दूसरे दिन सुबह अपनी पहली पारी तीन विकेट पर 135 रन से आगे बढ़ाई और 89.3 ओवर में 317 रन बनाए। इस तरह उसे पहली पारी के आधार पर 204 रन की बढ़त मिली। न्यूजीलैंड-ए के कप्तान रीस मारियू ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 137 गेंदों पर 76 रन बनाए। डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने 51 रन की पारी खेली। इसके अलावा सलामी बल्लेबाज कर्टिस हीफी ने 44, क्रिस्टियन क्लार्क ने 42 और विकेटकीपर मिशेल हे ने 24 रन का योगदान दिया।

लंकाशायर से 25 साल का नाता टूटा, फिर भी जेम्स एंडरसन ने क्रिकेट से संन्यास नहीं लिया

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन का लंकाशायर के साथ 25 साल पुराना रिश्ता अब खत्म होने जा रहा है। काउंटी क्रिकेट क्लब ने उनके कॉन्ट्रैक्ट को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। 44 साल के एंडरसन ने रविवार, 25 अक्टूबर को इस फैसले की जानकारी दी। हालांकि, उन्होंने अपने बयान में क्रिकेट से संन्यास लेने का कोई ऐलान नहीं किया है। एंडरसन ने साफ किया कि वह खुद इस रिश्ते को खत्म नहीं करना चाहते थे। एंडरसन ने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं जाहिर करते हुए लिखा कि वह बचपन से ही लंकाशायर का समर्थन करते आए हैं। इस क्लब के लिए 25 साल तक खेलना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा था। उन्होंने कहा कि ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर खेलने के लिए उतरना हमेशा उनके लिए खास रहा है। इस दौरान उन्होंने कई यादगार पल बिताए, जिनमें टीम की कप्तानी करना भी शामिल है। एंडरसन ने यह भी कहा कि अगर फैसला उनके हाथ में होता, तो उनका सफर इस तरह खत्म नहीं होता। इसके बावजूद उन्होंने टीम के खिलाड़ियों और प्रशंसकों के अच्छे भविष्य की कामना की। लंकाशायर क्लब ने अपने बयान में कहा कि मौजूदा कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने के साथ ही क्लब के लिए एंडरसन का खेल करियर भी समाप्त हो जाएगा।

विराट कोहली ने शुरू की न्यूजीलैंड वनडे सीरीज की तैयारी

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। भारतीय टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए तैयारी शुरू कर दी है। पूर्व कप्तान कोहली का रविवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया स्थित ब्रेबॉर्न स्टेडियम में बैटिंग प्रैक्टिस करते हुए नजर आ रहे हैं। कोहली ने नेट पर करीब दो घंटे बिताए और इस दौरान तेज गेंदबाजों के साथ स्पिनरों का सामना किया। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जा रही है, जिसके बाद दोनों टीमों पांच मैचों की वनडे सीरीज के लिए आमने-सामने होंगी।

राजस्थान को उत्तराखंड के खिलाफ पहली रणजी जीत की तलाश

जयपुर, 25 अक्टूबर। रणजी ट्रॉफी में राजस्थान और उत्तराखंड के बीच चार दिवसीय मुकाबला 26 से 29 अक्टूबर तक देहरादून में खेला जाएगा। मैच से पहले रविवार को दोनों टीमों ने मैदान पर जमकर अभ्यास किया। राजस्थान की टीम इस मुकाबले में उत्तराखंड के खिलाफ रणजी ट्रॉफी में पहली जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी। अब तक दोनों टीमों के बीच दो रणजी मुकाबले खेले गए हैं। वर्ष 2021-22 में तिरुवनंतपुरम में हुए मैच में उत्तराखंड ने राजस्थान को 299 रन से हराया था, जबकि वर्ष 2024-25 में देहरादून में खेला गया मुकाबला ड्रॉ रहा था।

पिछले मुकाबले में लोमरोर का तिहरा शतक - पिछले सत्र में देहरादून में खेले गए मुकाबले में राजस्थान के महिपाल लोमरोर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 300 रन की पारी खेली थी। इसी मैच में राजस्थान के अनिकेत चौधरी ने पांच विकेट हासिल किए थे। उत्तराखंड की ओर से युवराज चौधरी ने 158 रन की पारी खेलकर प्रभावित किया था।

वहीं, वर्ष 2021-22 में राजस्थान के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उत्तराखंड के मयंक मिश्रा ने 44 रन देकर सात विकेट झटके थे। इस बार राजस्थान की टीम पिछले प्रदर्शन से सबक लेते हुए जीत के साथ अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करने का प्रयास करेगी।

बेंच प्रेस में बीकानेर की चार टीम चैम्पियनशिप जयपुर के खिलाड़ियों ने जीते छह स्वर्ण

जयपुर, 25 अक्टूबर। रेलवे इंस्टीट्यूट, जयपुर में आयोजित 31वीं राज्यस्तरीय इक्विप्ड बेंच प्रेस प्रतियोगिता में बीकानेर ने छह में से चार टीम चैंपियनशिप जीतकर अपना दबदबा बनाया। दो दिवसीय प्रतियोगिता में प्रदेश के 25 जिलों के 230 महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों ने भाग लिया।

राजस्थान राज्य पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में जयपुर जिला पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में बीकानेर ने सीनियर महिला, जूनियर पुरुष, सब-जूनियर बालक और सब-जूनियर बालिका वर्ग की टीम चैंपियनशिप जीती। जोधपुर ने सीनियर पुरुष और जूनियर महिला वर्ग में खिताब अपने नाम किए।

जोधपुर के किशनाराम ने सीनियर और जूनियर पुरुष वर्ग में स्ट्रॉन्ग मैन का खिताब जीता। उन्होंने 59 किग्रा भार वर्ग में 150 किग्रा वजन उठाया। सीनियर महिला वर्ग में जयपुर की पूनम स्ट्रॉन्ग वुमन बनीं। जूनियर महिला वर्ग में बीकानेर की भूमिका सारस्वत, सब-जूनियर बालक वर्ग में जोधपुर के व्योम जावा और सब-जूनियर बालिका वर्ग में बीकानेर की सिद्धि कुमारी पांडे ने भी संबंधित वर्गों में स्ट्रॉन्ग खिताब हासिल किए।

जयपुर के छह खिलाड़ियों ने जीते स्वर्ण पदक

मेजबान जयपुर के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में छह स्वर्ण पदक जीते। महिला वर्ग में नीतू चौहान ने मास्टर्स-2 के 63 किग्रा और रिया कंवर ने जूनियर के 76 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। पुरुष वर्ग में निखिल जाजोतर ने जूनियर 105 किग्रा, महेश खंडेलवाल ने मास्टर्स-3 के 59 किग्रा, आदित्य चौधरी ने सब-जूनियर 83 किग्रा और ऋषि टोपिया ने सब-जूनियर 105 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीते।

राजस्थान सीनियर फुटबॉल चैम्पियनशिप में जयपुर उपविजेता पेनल्टी शूटआउट में कोटा से मिली हार, अनुज ने किया गोल

माउंट आबू, 25 अक्टूबर। राजस्थान राज्य सीनियर पुरुष फुटबॉल चैंपियनशिप 2026-27 में जयपुर जिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उपविजेता का खिताब हासिल किया। लंबे अंतराल बाद मिली इस सफलता से जयपुर फुटबॉल जगत में उत्साह का माहौल है। सेमीफाइनल में जयपुर का मुकाबला श्रीगंगानगर से हुआ। निर्धारित समय तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में जयपुर ने जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में जयपुर का सामना कोटा से हुआ। जयपुर की ओर से अनुज ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई, लेकिन मुकाबले के अंतिम क्षणों में कोटा ने गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। निर्धारित समय तक मुकाबला बराबरी पर रहने के बाद पेनल्टी शूटआउट में जयपुर को हार का सामना करना पड़ा और टीम उपविजेता रही। टीम की इस उपलब्धि का श्रेय कोच विश्वजीत सिंह के मार्गदर्शन और खिलाड़ियों की मेहनत एवं सामूहिक प्रयास को दिया गया। जयपुर जिला चयन समिति के सदस्य सतीश जांगिड़ और हितेश शर्मा ने वरिष्ठ फुटबॉल खिलाड़ियों के साथ टीम का उत्साहवर्धन करते हुए खिलाड़ियों को बधाई दी। जयपुर टीम की यह सफलता जिले में फुटबॉल के विकास के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इससे युवा खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करने और भविष्य में बड़ी उपलब्धियां हासिल करने की प्रेरणा मिलेगी।

आरसीए अंडर-16 क्रिकेट कैम्प आज से

जयपुर, 25 अक्टूबर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से अंडर-16 बालक क्रिकेट खिलाड़ियों का कैंप 26 अक्टूबर 2026 से आरसीए एकेडमी, जयपुर में आयोजित किया जाएगा। कैंप के लिए प्रदेश के विभिन्न जिलों के 39 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। चयनित खिलाड़ियों में अलवर से तविश शर्मा, नमन यादव और कृष्णा चौधरी; बांसवाड़ा से वत्सल पारिख; बारां से अरसलान खान; भरतपुर से अनमोल, निशचल शर्मा और भावेश बघेल; भीलवाड़ा से दैविक सोमानी और अवि सुवालका; बीकानेर से दक्ष सेठिया, मयंक और आदित्य रांगा; चूरू से दिव्यांशु धतरवाल और अंज शर्मा तथा धौलपुर से कौस्तव धनकर और हर्षित यादव शामिल हैं। इसी प्रकार डूंगरपुर से केदार चौधरी; जयपुर से कुमार वासुदेव, आदित शर्मा, बृजेश यादव, वशिष्ठ शर्मा, लव्य गुप्ता और सचिन मीणा; जैसलमेर से शहजाद अली खान; जालोर से गीतांश पुरोहित; जोधपुर से साहिल खान और विवान गर्ग; करौली से तनिष्क भारद्वाज; कोटा से निलय अरोड़ा और विवेक बागड़ी; सवाई माधोपुर से निधिश राज और कुशाग्र उपाध्याय; सीकर से आदित्यराज बादसरा और लवमीत गुर्जर; सिरोही से आदित्य यादव; श्रीगंगानगर से सुशांत बसंत तथा उदयपुर से खुशवर्धन सिंह चौहान और हिमांशु जंवार का चयन किया गया है। कैंप में चयनित खिलाड़ियों को आगामी प्रतियोगिताओं की तैयारी का अवसर मिलेगा।

स्क्वैश नेशनल के मुख्य ड्रॉ में राजस्थान के 14 खिलाड़ी

जयपुर, 25 अक्टूबर। सब जूनियर और जूनियर नेशनल स्क्वैश चैंपियनशिप में राजस्थान के सात खिलाड़ियों ने रविवार को क्वालिफाइंग मुकाबले जीतकर मेन ड्रॉ में जगह बनाई। मुख्य ड्रॉ के मुकाबले सोमवार से एसएमएस स्टेडियम के स्क्वैश कोर्ट्स पर खेले जाएंगे। राजस्थान के कुल 14 खिलाड़ी विभिन्न आयु वर्गों में चुनौती पेश करेंगे।

क्वालिफाइंग मुकाबलों में बॉयज अंडर-11 में अमय महाजन और प्रथम चौधरी, बॉयज अंडर-13 में वीर श्रृंगी, गर्ल्स अंडर-11 में अनम यादव, गर्ल्स अंडर-15 में राशि चौधरी, बॉयज अंडर-15 में धैर्य गोगिया और गर्ल्स अंडर-17 में गौरी जायसवाल ने जीत दर्ज कर मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया।

मुख्य ड्रॉ में बॉयज अंडर-11 में युवान वर्मा, अमय महाजन और प्रथम चौधरी तथा गर्ल्स में गौरवी अजमेरा, इनाया अन्द्रावी और अनम यादव खेलेंगी। बॉयज अंडर-13 में जैन अली और वीर श्रृंगी, गर्ल्स में दिव्यांशी जैन, बॉयज अंडर-15 में फरीद अन्द्रावी और धैर्य गोगिया, गर्ल्स में राशि चौधरी, गर्ल्स अंडर-17 में गौरी जायसवाल तथा बॉयज अंडर-19 में सुभाष चौधरी राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे।

गौरवी को शीर्ष वरीयता

राजस्थान की गौरवी अजमेरा को गर्ल्स अंडर-11 में शीर्ष वरीयता दी गई है, जबकि इनाया अन्द्रावी को तीसरी वरीयता मिली है। बॉयज अंडर-11 में युवान वर्मा, बॉयज अंडर-13 में जैन अली और गर्ल्स अंडर-15 में दिव्यांशी जैन को तीसरी वरीयता मिली है। वहीं, बॉयज अंडर-15 में फरीद अन्द्रावी दूसरी वरीयता के साथ उतरेंगे। प्रतियोगिता की आयोजन सचिव और पूर्व अंतरराष्ट्रीय स्क्वैश खिलाड़ी सुरभि मिश्रा ने बताया कि मुख्य ड्रॉ के मुकाबले सोमवार सुबह नौ बजे से शुरू होंगे।

राज्य सब-जूनियर बैडमिंटन चैम्पियनशिप में खिलाड़ियों का दमखम

लोसल (सीकर), 25 अक्टूबर। राजस्थान बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वावधान में लोसल स्थित शेखावाटी पब्लिक स्कूल में आयोजित राजस्थान राज्य सब-जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप-2026 में रविवार को अंडर-11 और अंडर-13 वर्ग के मुख्य ड्रॉ के मुकाबले खेले गए। बालक-बालिका एकल और युगल वर्गों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। कई मुकाबले तीन गेम तक चले। अंडर-13 बालिका एकलके राउंड ऑफ 16 में काव्या चौधरी, अविका मीणा, मिशिका शर्मा, राशि सिंघल, यद्विका बेनीवाल, अरवी सैनी, प्रांजल कुमारी धाकर और मिराया फागेरिया ने जीत दर्ज की। क्वार्टर फाइनल में काव्या ने अविका को 15-2, 15-6 से, अरवी ने यद्विका को 15-13, 15-13 से और मिराया ने प्रांजल को 15-9, 15-2 से हराया। अंडर-13 बालक एकलमें लोकेश गुर्जर ने मेहताब सिंह बैंस को क्वार्टर फाइनल में 15-10, 15-4 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। राउंड ऑफ 16 में नातिक बंसल, पार्थ भाकर, वैभव कटेवा, लक्ष्यित रेवाड़, हर्षवर्धन सिंह भदौरिया और रक्षित सिंह मेहरा सहित अन्य खिलाड़ियों ने भी जीत हासिल की।

पंचायत चुनाव जीतने के लिए विकास का संदेश गाँव-गाँव पहुँचाएं- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने खाटूश्याम जी में सीकर जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया

-कार्यालय संवाददाता-

सीकर, 25 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को सीकर के खाटूश्यामजी में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "मन की बात" कार्यक्रम का 139वां ऐपिसोड सुना। इससे पूर्व उन्होंने श्री श्याम बाबा के मंदिर में पूजा-अर्चना की। मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री का अभिनन्दन किया।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने सीकर जिले के समग्र विकास के लिए सात हजार करोड़ रूपए के विकास कार्य करवाएं हैं।
- मुख्यमंत्री ने खाटूश्याम जी मंदिर में पूजा अर्चना की तथा प्रदेश की खुशहाली के लिए कामना की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को खाटूश्यामजी में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "मन की बात" कार्यक्रम का 139वां ऐपिसोड सुना।

मुख्यमंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओं को पंचायत चुनाव की जीत का मंत्र दिया और गांव-गांव तक विकास का संदेश पहुंचाने का आव्हान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि, भाजपा सरकार ने ई.आर.सी.पी. व यमुना जल समझौता, नर्मदा जल करार, युवाओं को 1.93 लाख सरकारी नौकरियां देने जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाएं है। करीब 1.18 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। सरकार ने सीकर जिले के समग्र विकास के लिए लगभग 7000 करोड़ के विकास कार्यों को गति दी है। शेखावाटी की ऐतिहासिक 662 हवेलियों का संरक्षण किया है। बाबा श्याम की कृपा से हंसियावास में 800 करोड़ रुपये की लागत का रिजर्वायर बन रहा है।

मुख्यमंत्री ने आव्हान किया कि, निकाय चुनाव की तरह ही पंचायत चुनाव में भी भाजपा कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा के साथ जुटें और गांवों की जनता का भरोसा जीतें। मुख्यमंत्री ने कहा कि, प्रत्येक गांव-ढाणी तक जाएं और जनता-जनार्दन से सीधा संवाद स्थापित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यकर्ता अपनी ऊर्जा, संगठन-निष्ठा और अनुशासन से गांवों में विकास का संदेश पहुंचाएं और इन पंचायत चुनावों में हर बूथ पर कमल खिलाएं।

मुख्यमंत्री के साथ संवाद कार्यक्रम में राजस्थान धरोहर संरक्षण एवं प्रोन्नति प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, प्रदेश महामंत्री श्रवण बगड़ी, सीकर जिला अध्यक्ष मनोज बाटड़, विधायक गोरधन वर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति, पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता व स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

दिसंबर से एयर इंडिया की उड़ानें नवी मुंबई से उड़ेंगी

मुंबई, 25 अक्टूबर। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को स्थानांतरित करने को लेकर बना गतिरोध अब खत्म होता दिख रहा है। भारत की दो सबसे बड़ी एयरलाइंस, एअर इंडिया ग्रुप और इंडिगो, इसके लिए सहमत हो गई हैं। एअर इंडिया

- इंडिगो भी फरवरी से अपनी उड़ानें नवी मुंबई शिफ्ट करेगा।

दिसंबर से और इंडिगो अगले साल फरवरी से अपनी उड़ानें वहां से शुरू करेंगी।

अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड का कहना है कि लगभग 30 लाख यात्रियों को वहां भेजने से के टर्मिनल 1 के चरणबद्ध पुनर्विकास के लिए जरूरी जगह मिल जाएगी। पहले चरण का लक्ष्य लगभग 50 लाख यात्रियों को नवी मुंबई स्थानांतरित करना है, जिससे में सुरक्षा को बेहतर बनाने, आधुनिकीकरण करने, यात्री सुविधाओं को अपग्रेड करने और हैंडलिंग क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

रणथंभौर में बाघिन तीन शावकों के साथ दिखी

सवाई माधोपुर (निस) । रणथम्भौर टाइगर रिजर्व के जोन-8 में रविवार सुबह लगभग 4.5 वर्ष की बाघिन-2403 को अपने शावकों के साथ विचरण करते हुए देखा गया।

उप वन संरक्षक रणथंभौर बाघ परियोजना मानस सिंह ने बताया कि डायरेक्ट साइटिंग में 3 शावक देखने को मिले। हालाकि यह संख्या कैमरा ट्रैप के अनुसार सुनिश्चित की जाएगी। इस दौरान सफारी पर आए पर्यटकों को भी बाघिन एवं उसके शावकों के दीदार हुए।

- वन विभाग बाघिन व शावकों पर नज़र रख रहा है, ताकि उनके प्राकृतिक विचरण में व्यवधान नहीं हो ।

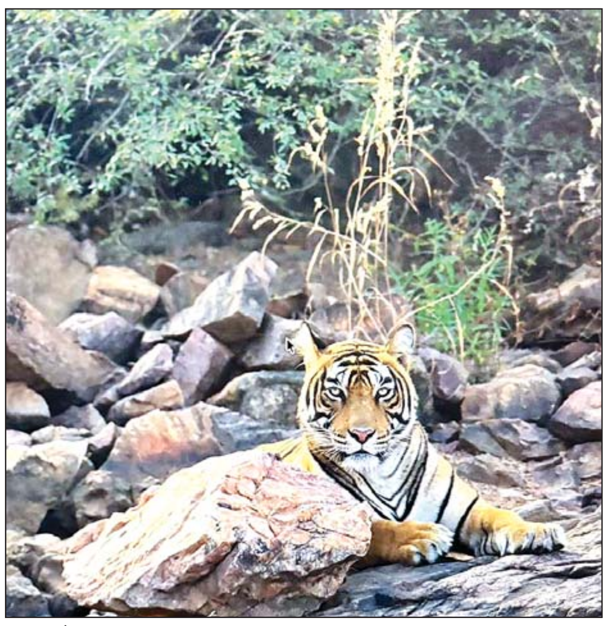

रणथम्भौर टाइगर रिजर्व की फील्ड टीम द्वारा बाघिन -2403 की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही थी। इसी क्रम में आज सुबह बाघिन को शावकों के साथ देखा गया। पर्यटकों द्वारा भी इस दृश्य को देखा जाना रणथम्भौर के वन्यजीव पर्यटन के लिए आकर्षण का केन्द्र रहा।

वन विभाग की टीम बाघिन एवं उसके शावकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनकी गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए है।

वन विभाग ने पर्यटकों से अपील की है कि सफारी के दौरान निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करें, वन्यजीवों से उचित दूरी बनाए रखें तथा उनके प्राकृतिक व्यवहार में किसी प्रकार का हस्तक्षेप न करें।

विदेशी महिला को गोपनीय जानकारी लीक करने वाला पूर्व सैन्य अधिकारी गिरफ्तार

वैल्लोर निवासी पूर्व अधिकारी एक साल पहले एक विदेशी महिला के हनी ट्रैप में फंस गया था

वेल्लोर, 25 अक्टूबर। तमिलनाडु के वेल्लोर से सेना के एक 52 वर्षीय सेवानिवृत्त अधिकारी को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि उसने सोशल मीडिया के जरिए हनी-ट्रैप में फंसकर, रक्षा और सेना से जुड़ी गोपनीय जानकारियां एक विदेशी महिला को लीक की थीं।

- यह पूर्व अधिकारी सेना के दफ्तरों से सम्पर्क करके जानकारियाँ जुटा विदेशी महिला को दे रहा था।

आरोपी की पहचान बाबू के रूप में हुई है, जो एक साल पहले सेवानिवृत्त होने से पहले 28 वर्षों तक भारतीय सेना में कार्यरत था। पुलिस के अनुसार, लगभग एक साल पहले एक अज्ञात महिला ने वॉट्सएप के जरिए बाबू से संपर्क किया था।

इसके बाद बाबू हनी-ट्रैप में फंसकर संवेदनशील जानकारियां लीक कर रहा था। यहां तक कि जो विवरण उसके पास नहीं होते थे, वह सेना के दफ्तरों में संपर्क कर जुटाता और आगे भेज देता था। आरोपी बाबू (52) वेल्लोर जिले के कनियामबाडी के पास कीझवल्लम गांव का रहने वाला है।

जानाकारी के अनुसार, विदेशी महिला एजेंट ने पहले अनुचित बातचीत के जरिए बाबू से जान-पहचान बढ़ाई और फिर धीरे-धीरे उससे भारतीय सेना से जुड़ी जानकारी मांगनी शुरू कर दीं। संदेह है कि बाबू पिछले एक साल से सेना की गोपनीय जानकारी और सैन्य उपकरणों से जुड़े विवरण लीक कर रहा था।

केंद्रीय खुफिया अधिकारियों ने पूछताछ के लिए बाबू को हिरासत में लिया और वेल्लोर ग्रामीण पुलिस स्टेशन को सौंप दिया।

जांचकर्ता अब उस महिला की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं जिसने बाबू से संपर्क किया और उससे गोपनीय जानकारियां हासिल कीं। वे यह भी पता लगा रहे हैं कि वॉट्सएप अकाउंट कौन चला रहा था और क्या इस संदिग्ध जानकारी लीक में कोई विदेशी नागरिक या विदेशी संगठन शामिल था। मामले की आगे की जांच जारी है।

अजित पवार गुट ने फड़णवीस से वित्त विभाग मांगा

मुंबई, 25 अक्टूबर। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री और एनसीपी (अजित पवार गुट) के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल ने रविवार को बताया कि पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर वित्त विभाग की मांग की है। हालांकि, उन्होंने राज्य में मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलों को खारिज कर दिया। जब उनसे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के विलय की अटकलों के बारे में पूछा गया, तो भुजबल ने पत्रकारों से कहा कि यह मामला अब बंद हो चुका अध्याय है। ज्ञातव्य है कि एनसीपी नेता और तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजीत पवार (जिनका इस साल जनवरी में एक विमान दुर्घटना में निधन हो गया था) के पास भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति सरकार में वित्त विभाग था। फिलहाल वित्त विभाग मुख्यमंत्री फडणवीस के पास है।

हम रियाद हवाई अड्डा जमींदोज़ करेंगे, यात्री दूर रहें- हूती

रियाद पर आ रही मिसाइल सऊदी अरब ने नष्ट की, टुकड़े मक्का और जेद्दा में गिरे

रियाद (सऊदी अरब) /अदन (यमन)/तेहरान (ईरान), 25 अक्टूबर। ईरान समर्थित आतंकी समूह हूती ने हवाई यात्रियों को चेतावनी दी है कि वह सऊदी राजधानी के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से दूर रहें। हूती ने कहा कि यह असुरक्षित है और उनके लड़ाकों के निशाने पर है। हूती का सैन्य लक्ष्य इस हवाई अड्डे को जमींदोज करना है। सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन का कहना है कि उसने रियाद के ऊपर आ रही हूती बैलिस्टिक मिसाइल को रोककर नष्ट कर दिया है। इन मिसाइलों के टुकड़े मक्का और जेद्दा में गिरे हैं। यमन सरकार ने बताया है कि ईरान समर्थित समूह ने अदन पर हमला करके अमेरिकी ड्रोन को मार गिराने का दावा किया है।

- अल जज़ीरा के अनुसार, ईरान की सेना न दक्षिणी बंदर अब्बास के ऊपर एक ड्रोन को मार गिराया है। यह अमेरिका में विकसित एलयूसीएएस ड्रोन था।

अल जजीरा की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि ईरान की सेना ने दक्षिणी बंदर अब्बास के ऊपर एक ड्रोन को मार गिराया है। यह एक मानवरहित हवाई वाहन (अनमैन्ड एरियल वेहिकल/यू.ए.वी.) है। इस बीच, मध्य पूर्व में युद्ध छिड़ने का डर गहराता जा रहा है। ईरान की अर्ध सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने बताया कि यह यूएवी अमेरिका में विकसित एलयूसीएएस ड्रोन था। इसे लो-कॉस्ट अनक्रूड कॉम्बैट अटैक सिस्टम (कम लागत वाला मानवरहित लड़ाकू हमला प्रणाली) के रूप में भी जाना जाता है।

इससे पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने शनिवार को कहा कि अमेरिका कल ही ईरान पर हमला कर सकता है या फिर इस इस्लामिक गणराज्य के साथ कोई समझौता कर सकता है।

मस्क ने यूक्रेन में स्टारलिंक की स्पीड बहाल की

वाशिंगटन, 25 अक्टूबर। यूक्रेन का कहना है कि उनके यहां स्टारलिंक की स्पीड बहाल हो गई है। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने माना कि ड्रोन हमलों के कारण स्पेसएक्स ने सर्विस की स्पीड कम कर दी थी। एलन मस्क ने शनिवार को कहा कि उनकी कंपनी स्पेसएक्स ने यूक्रेन में स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस की स्पीड कम कर दी थी। इससे उन ऑपरेशन में रुकावट आई, जिन पर यूक्रेन रूस के खिलाफ अपना बचाव करने के लिए निर्भर है।

- यूक्रेन के राष्ट्रपति के अनुसार, स्पीड कम करने से एक सप्ताह तक फ्रंट लाइन ऑपरेशन्स प्रभावित हुए थे।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, एक्स पर मस्क का यह बयान तब आया, जब यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर ज़ैलैंस्की ने कहा कि यूक्रेन के लिए स्टारलिंक और स्टारशील्ड सैटेलाइट लिंक की स्पीड फिर से पहले जैसी हो गई है। पाबंदियों के कारण एक हफ्ते से भी अधिक समय तक फ्रंटलाइन ऑपरेशन्स में रुकावट आई थी।

पिछले हफ्ते से ही यह सवाल उठ रहे थे कि मस्क के बनाए इस सैटेलाइट इंटरनेट सिस्टम में रुकावट लाने का आदेश किसने दिया था। कीव सालों से मॉस्को के हमलों का जवाब देने के लिए इसी सिस्टम पर निर्भर रहा हैं। जैलैंस्की ने एक्स पर लिखा, "स्पीड अब उतनी ही है जितनी होनी चाहिए।"

'पूर्व मुख्य ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का विरोध करना चाहिए। कौल ने 2015 में राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) लाने के फैसले का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उस समय न्यायपालिका और सरकार आमने-सामने बैठकर व्यवस्था पर चर्चा कर सकती थीं और उसमें जरूरी सुधार किए जा सकते थे। कौल दिसंबर 2023 में सेवानिवृत्त हुए थे और जून 2022 से चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाले कॉलेजियम का हिस्सा रहे थे।

बंगाल की खाड़ी का डिप्रेशन चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंका

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र अब डिप्रेशन में बदल चुका है। इसके तेजी से शक्तिशाली चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की आशंका है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, यह सिस्टम 26 अक्टूबर की सुबह चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है। इसके बाद 27 अक्टूबर को इसके गंभीर चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है।

आईएमडी भुवनेश्वर की निदेशक मनोरमा मोहंती के मुताबिक, चक्रवाती तूफान उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए और अधिक शक्तिशाली हो सकता है। इसके 28 अक्टूबर की सुबह पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में आंध्र प्रदेश के तट के पास पहुंचने की संभावना है। उन्होंने अनुमान जताया कि 28 अक्टूबर को दोपहर तक तूफान बापटला और विशाखापत्तनम के बीच तट से टकरा सकता है।

- भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 26 अक्टूबर को गंभीर चक्रवाती तूफान की चेतावनी जारी की
- मौसम विभाग के आंकलन के अनुसार, 28 अक्टूबर को तूफान बापटला और विशाखापट्टनम के बीच तट से टकरायेगा। उस समय तूफान की रफ्तार 115 से 125 किलोमीटर प्रति घंटा हो सकती है।

मनोरमा मोहंती ने कहा कि तट से टकराने के दौरान तूफान की रफ्तार 115 से 125 किलोमीटर प्रति घंटे तक रहने का अनुमान है। वहीं, हवा के झोंके 140 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकते हैं। ऐसे में तटीय इलाकों में तेज हवाओं और खराब मौसम का खतरा बढ़ सकता है।

उन्होंने कहा कि इस चक्रवाती सिस्टम का असर ओडिशा में भी देखने को मिल सकता है। राज्य के कई इलाकों में बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है। हालांकि, ओडिशा में तूफान से ज्यादा असर बारिश के रूप में देखने को मिल सकता है। फिलहाल मौसम विभाग चक्रवाती सिस्टम की गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए है। तूफान की दिशा, तीव्रता और संभावित प्रभाव को देखते हुए तटीय क्षेत्रों में मौसम संबंधी अपडेट पर नजर रखना जरूरी है।

आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक 26 अक्टूबर की सुबह तक मौसम प्रणाली चक्रवाती तूफान का रूप ले लेगी।

इसके बाद 27 अक्टूबर को इसके गंभीर चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 28 अक्टूबर की सुबह तक यह सिस्टम पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में आंध्र प्रदेश के तट के पास अति भीषण चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है।

फ्रांस में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सड़क पर उतरे, जबकि यूनियनें ये संख्या क़रीब 8 लाख बता रही हैं।

महंगाई और स्कूलों की ख़राब स्थिति को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के अराजकता में बदलने से रोकने के लिए लगभग 70,000 पुलिस अधिकारियों को तैनात किया गया और कई शहरों में प्रतिबंध लगाए गए।

पहलगाम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दर्ज किया गया, जबकि जम्मू संभाग के बनिहाल में यह 3.7 डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम विभाग ने रविवार को बताया कि 24 अक्टूबर को दर्ज किया गया अधिकतम तापमान अधिकांश स्टेशनों पर सामान्य से नीचे रहा।

'खड़गे ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनके परिवार को पहली बार अपशब्द नहीं कहे हैं। पार्टी नेता कभी उनकी पूजनीय माताजी के बारे में अपशब्द कहते हैं, कभी उन्हें मौत का सौदागर, कभी चायवाला कहकर उनकी गरीबी का उपहास उड़ाते हैं। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी हर रोज अभद्रता की सीमाएँ पार करती जा रही है।

कांग्रेस की "वोट बचाओ-देश बचाओ" महारैली में राजस्थान से 1 लाख लोग जुटाने की कवायद

जयपुर में वेणुगोपाल, पायलट, रंधावा, डोटासरा, जूली आदि ने रैली की तैयारियों पर विचार किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । कांग्रेस की ओर से 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित "वोट बचाओ-देश बचाओ" महारैली पर मंथन के लिए रविवार को जयपुर के कांस्टीट्यूशन क्लब में बैठक हुई। जिसमें राजस्थान से करीब 1 लाख लोग जुटाने पर चर्चा की गई। इसके लिए कांग्रेस बूथ स्तर से लेकर गांव-गांव तक संपर्क अभियान चलाएगी।

इस बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, राष्ट्रीय महासचिव एवं राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री व पूर्व पीसीसी अध्यक्ष सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, जितेंद्र सिंह, एआईसीसी सह प्रभारी रित्विक मकवाना, चिरंजीवी राव, एनएसयूआई अध्यक्ष विनोद जाखड़ और पूनम पासवान सहित बड़ी संख्या में विधायक, विधायक प्रत्याशी और संगठन पदाधिकारी मौजूद थे।

बैठक में वेणुगोपाल ने प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व को दिल्ली में प्रस्तावित महारैली के लिए तैयारियां तेज करने के निर्देश दिए। कांग्रेस ने राजस्थान से करीब 1 लाख लोगों की भागीदारी का लक्ष्य रखा है। इसको लेकर प्रदेश, जिला और ब्लॉक स्तर पर पार्टी पदाधिकारियों को कार्यकर्ताओं से संपर्क करने और रैली की तैयारियां करने की जिम्मेदारी दी जा रही है। कांग्रेस की योजना है कि 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया जाए। पार्टी नेतृत्व ने इस रैली में देशभर से लगभग 10 लाख लोगों की भागीदारी की अपेक्षा जताई है।

कांग्रेस की "वोट बचाओ-देश बचाओ" महारैली पर मंथन के लिए रविवार को जयपुर के कांस्टीट्यूशन क्लब में बैठक हुई। इस बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, राष्ट्रीय महासचिव एवं राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री व पूर्व पीसीसी अध्यक्ष सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा सहित बड़ी संख्या में विधायक, विधायक प्रत्याशी और संगठन पदाधिकारी मौजूद थे।

बताया जा रहा है कि जयपुर में हुई बैठक में कांग्रेस नेताओं ने "वोट बचाओ-देश बचाओ" अभियान को ग्रामीण और बूथ स्तर तक पहुंचाने की भी योजना तैयार की है। पार्टी के घोषित कार्यक्रम के अनुसार, 25 अक्टूबर से 25 नवंबर तक गांवों में चौपालें आयोजित की जाएंगी। इनमें मतदाता सूचियों से नाम हटाए जाने की शिकायतों और मतदान से संबंधित समस्याओं पर चर्चा की जाएगी।

- बैठक में तय हुआ कि प्रदेश कांग्रेस नेता, गाँव-गाँव व बूथ स्तर तक जाकर लोगों से जुड़ेंगे और मतदाता सूचियों से नाम हटाने की शिकायतों व मतदान से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा करेंगे।

कांग्रेस ने अपने कार्यकर्ताओं को वोट रक्षक के रूप में सक्रिय करने की योजना बनाई है। ये कार्यकर्ता मतदाता सूची से नाम हटाए जाने की शिकायत करने वाले लोगों से संपर्क करेंगे और पात्र मतदाताओं के नाम दोबारा सूची में जुड़वाने के प्रयास करेंगे। इससे पहले पार्टी ने अक्टूबर के दौरान विभिन्न स्थानों पर रैलियां, पदयात्राएं और विरोध प्रदर्शन आयोजित करने का कार्यक्रम घोषित किया था।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908